फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 41 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 11 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

AfD victory in German state sends shockwaves... The significance of its victory is that for the first time, a far-right party will rule a German state government since the Second World War

Sanskrit Recounting of Nightlife

The Chocolate That Survived the Heat

‘मैं इन दिनों पंजाब के सभी नेताओं से मिल रहा हूँ और उनकी कुण्ठाएँ, शिकवे, शिकायतें समझ रहा हूँ’

पायलट का मानना है, प्रमुख राजनीतक संघर्ष आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच है और आप संगठित नहीं है, हाल ही में पार्टी के आठ विधायक पार्टी छोड़कर जा चुके हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। पंजाब के लिए हाल ही में नियुक्त ए.आई.सी.सी. महासचिव प्रभारी सचिन पायलट के पास राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले बहुत कम समय है, और उन्हें कई मुश्किल चुनौतियों का सामना करना है।

इस संवाददाता से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के कई पार्टी नेताओं से मुलाकात की है, उनकी शिकायतें और समस्याएं सुनी हैं और इस बात पर जोर दिया है कि राज्य में सत्ता में वापसी के लिए उन्हें अपने मतभेद भुलाकर एकजुट होकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि चन्नी, रंघावा और अन्य के साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन पीसीसी अध्यक्ष राजा वड़िंग को बदलने का मुद्दा बातचीत में शामिल नहीं था।

सचिन पायलट ने कहा कि उन्हें

- **पायलट ने यह पुरजोर ढंग से कहा, पंजाब में ड्रग्स की समस्या के लिए काफी हद तक गुजरात जिम्मेवार है, क्योंकि ड्रग्स पंजाब में गुजरात के मार्फत आती हैं तथा गुजरात इस आवागमन को किन्हीं कारणों से रोक नहीं पा रहा।**
- **पायलट ने पंजाब के नेताओं को यह भी स्मरण कराया कि अगर वे लोग मिलकर चुनाव नहीं लड़ पाए तो चुनाव के बाद सीबीआई, ईडी उनका जीना मुश्किल कर देगी।**

कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

पंजाब में नशीले पदार्थों के आने के भाजपा के आरोप पर सचिन पायलट ने कहा कि सबसे अधिक मात्रा में नशीले पदार्थ गुजरात के बंदरगाह पर पकड़े गए हैं, जहां केन्द्र और राज्य, दोनों जगह भाजपा की सरकार है। इसलिए भाजपा को ये दोहरी बातें और पाखंड की राजनीति बंद करनी चाहिए।

पायलट ने जोर देकर कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने में विफल रहने की जिम्मेदारी भाजपा को लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच है, क्योंकि भाजपा कहीं भी मुकाबले में नहीं है।

उन्होंने कहा कि पहले भी जब बादल सीनियर जीवित थे, तब भाजपा और अकाली दल का गठबंधन था, लेकिन इसके बावजूद यह गठबंधन चुनाव हार गया था।

राहुल गांधी जल्द ही पंजाब जाएंगे और बस यात्रा के जरिए पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। हालांकि, तारीखें पायलट के कार्यभार संभालने के बाद पंजाब के पहले दौरे के बाद तय की जाएंगी।

पार्टी नेताओं को एक-दूसरे के खिलाफ और राज्य अध्यक्ष के खिलाफ दबे हुए गुस्से, भावनाओं और नाराजगी को बाहर निकालने के लिए थोड़ा समय दे रही है।

मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी को भी पंजाब में चुनाव अभियान की शुरुआत करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

पायलट ने कहा कि कांग्रेस एकजुट रहेगी और सत्ता में वापसी के लिए मिलकर काम करेगी, जबकि आम आदमी पार्टी के आठ सांसद पार्टी छोड़कर अलग हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि यही असली विभाजन है। हालात कठिन है।

नेता अब नरम रुख अपना रहे हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक बलजीत यादव के पास जेल में मोबाइल मिला

जयपुर, 10 सितम्बर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव के पास मोबाइल मिलने से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेल प्रशासन की ओर से र्ड में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान विचाराधीन बंदी बलजीत यादव के पास

- **सघन तलाशी अभियान में जयपुर के सैंट्रल जेल में अलग-अलग बंदियों के पास 8 मोबाइल बरामद हुए।**

कैचोडा कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ। यादव ने मोबाइल को जमीन पर बिछाए कंबल के नीचे छिपा रखा था। जेल प्रशासन ने मोबाइल जब्त कर लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया है।

जेल में गुरुवार को भी सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान अलग-अलग बंदियों के पास से 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इससे दो दिन पहले भी जेल प्रशासन ने तलाशी के दौरान 13 मोबाइल फोन जब्त किए थे और संबंधित बंदियों के खिलाफ मामले दर्ज कराए थे। लगातार हो रही बरामदगी के बाद जेल प्रशासन की ओर से सर्च ऑपरेशन जारी है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जेल में बंद रहने के दौरान बलजीत यादव मोबाइल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा राघव चड्ढा दिल्ली के वोटर बनने में सफल हुए

इस सफलता के बाद अब राघव चड्ढा का राज्य सभा का सदस्य बनने का रास्ता खुल गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के कुछ ही दिनों बाद भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम अचानक दिल्ली की मतदाता सूची में शामिल कर दिया गया। इस मामले को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अब चुनाव आयोग ने इस दिलचस्प मामले को लेकर सफाई दी है। दिल्ली के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर (सीईओ) के कार्यालय ने बताया कि चड्ढा ने 26 अगस्त को राजिंदर नगर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म 6 दाखिल किया था। चुनाव आयोग ने कहा कि उचित प्रक्रिया पूरी करने के बाद 2 सितंबर को उनके आवेदन को मंजूरी दे दी गई।

विवाद के केन्द्र में एक महत्वपूर्ण सवाल है। ड्राफ्ट लिस्ट प्रकाशित होने के बाद, और 4 नवम्बर को होने वाले अंतिम सूची के प्रकाशन से पहले, चड्ढा का नाम दिल्ली की मतदाता सूची में कैसे आ गया?

आम आदमी पार्टी ने चुनाव आयोग पर जोरदार हमला करते हुए आरोप लगाया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीज़न-एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान पंजाब की मसौदा मतदाता सूची (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) से नाम हटाए जाने के बाद, चड्ढा का नाम दिल्ली की मतदाता सूची में "पिछले दरवाजे" से जोड़ा गया।

अयोग्य मतदाताओं को हटाने के लिए चल रही एसआईआर प्रक्रिया के कारण, दिल्ली की मतदाता सूची को 16 जून से 31 अगस्त तक रोक दिया गया था। ड्राफ्ट मतदाता सूची 31 अगस्त को प्रकाशित हुई थी। इसमें चड्ढा का नाम शामिल नहीं था।

13 अगस्त को प्रकाशित पंजाब की ड्राफ्ट मतदाता सूची में भी चड्ढा का नाम नहीं था। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, उनके नाम के सामने "स्थायी रूप से स्थानांतरित" लिखा हुआ है। इसके बाद चड्ढा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर "बदले की राजनीति" करने का आरोप लगाया था।

"जन प्रतिनिधित्व अधिनियम" के अनुसार, राज्यसभा का सांसद बनने के लिए, उम्मीदवार का किसी भी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना जरूरी है।

अब दिल्ली की मतदाता सूची में उनके नाम को अचानक शामिल किए जाने से विवाद खड़ा हो गया है।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने बताया कि राज्यसभा सांसद ने 26 अगस्त को फॉर्म 6 दाखिल कर राजिंदर नगर की मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करने के लिए आवेदन किया था। फॉर्म 6 का इस्तेमाल नए मतदाता के पंजीकरण के लिए किया जाता है।

बयान में कहा गया, "यू05039डी 6एन

- **पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने उनका नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटवा दिया, फिर दिल्ली की वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की कोशिश में भी पूर्ण बाधाएँ डालीं। पर, दिल्ली की भाजपा की सरकार की मदद ने उन्हें दिल्ली का वोटर बनवा ही दिया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘आपको गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह’

ट्रंप ने नए व्यंगात्मक विज्ञापन के जरिए "मि. सिंह" को सड़क से उतरने की सलाह दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। भारत और भारतीयों का एक और अपमान करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के डिपार्टमैंट ऑफ होमलैण्ड सिक्यूरिटी (डी.एच.एस.) ने मोदी सरकार पर नस्लीय हमला किया है। विभाग ने एक विज्ञापन जारी किया है, जिसमें दाढ़ी वाले एक सांवले व्यक्ति को "मिस्टर सिंह" के रूप में दिखाया गया है। इसके बाद एडवोकेसी ग्रुप्स ने एजेंसी पर नस्लवादी और अमेरिकन प्रोफाइलिंग का आरोप लगाया।

डीएचएस ने ट्रंप प्रशासन के स्वेच्छा से देश छोड़ने के अभियान को बढ़ावा देने वाला एक सोशल मीडिया पोस्टर जारी किया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। आलोचकों ने विभाग पर नस्लवादी और भारत विरोधी संदेश देने का आरोप लगाया है।

- **इस अजीबोगरीब विज्ञापन में मिस्टर सिंह को, एक सरदार जैसा रूप देकर, मोदी सरकार के लिए नई आफत खड़ी की और वह भी पंजाब चुनाव से पहले।**

यह पोस्टर ट्रंप प्रशासन द्वारा इमिग्रेशन पर कार्रवाई तेज किए जाने के बीच साझा किया गया है। इसमें "खुद देश छोड़ो या फिर परिणाम भुगतो" की चेतावनी दी गई है और ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइज़ी का जिक्र है।

इसमें यह लाइन भी लिखी है: "हमारी सड़कों से हट जाओ। आपको गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।"

यह पोस्टर ऐसे समय आया है, जब भाजपा पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर सत्ता में आने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। अब तक भगवा पार्टी पंजाब में अपने दम पर सत्ता हासिल नहीं कर सकी है।

"सिंह" सरनेम के इस्तेमाल की भारतीय-अमेरिकी और सिख संगठनों ने आलोचना की है। उनका कहना है कि यह संदेश दक्षिण एशियाई मूल के लोगों की गलत छवि पेश करता है।

एक संबंधित वीडियो में ट्रांसफॉर्मर्स फ्रैंचाइज़ी के मुख्य खलनायक मेगाट्रॉन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें उसे ट्रक ड्राइवरों, हरजिंदर सिंह, राजिंदर कुमार, बेकझान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले सौतेले पिता को 20 साल की सजा

जयपुर 10 सितंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग से सालों तक दुष्कर्म करने वाले सौतेले पिता को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 48 साल के इस अभियुक्त पर 3.06 लाख रुपए का

- **अभियुक्त, पीड़िता को तीन लाख रूपए में बचने के लिए भी तैयार हो गया था।**

जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने पिता-पुत्री के रिश्ते को कलंकित करते हुए करीब छह साल तक उसके साथ दुष्कर्म किया है। ऐसे में उसके खिलाफ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने मकान हड़पने के लिए पीड़िता की मां के एक व्यक्ति से षड्यंत्र रचने की बात कही है, जबकि उस व्यक्ति ने बतौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर मायावती ने अपने घोषित उत्तराधिकारी को पद मुक्त किया

सपा, कांग्रेस और छोटे-मोटे विघटित हुए पार्टी के अंश, बसपा के टूटते वोट बैंक का हिस्सा हथियाने में जुटे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में एक बार फिर अंदरूनी कलह बढ़ गई है, क्योंकि, मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद को दरकिनार कर दिया है। सितंबर 2026 की शुरुआत में उन्होंने आकाश आनंद से महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां वापस लेते हुए कहा कि इन जिम्मेदारियों लिए उन्हें अधिक राजनीतिक परिपक्वता की जरूरत है। इसके बाद उन्होंने आकाश आनंद को उनका पद वापस देने के लिए एक स्पष्ट शर्त रखी कि उनके ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से पूरी तरह संन्यास लेना होगा।

मायावती की सिद्धार्थ से नाराज़गी की वजहें, गुटबाजी, पार्टी विरोधी गतिविधियों और आनंद पर अनुचित प्रभाव के लम्बे समय से चले आ रहे आरोपों से जुड़ी हैं। मायावती ने बार-बार सिद्धार्थ पर पार्टी में विभाजन को बढ़ावा देने, बहुजन आंदोलन के हितों से ऊपर निजी और पारिवारिक हितों को रखने तथा आनंद के राजनीतिक करियर और पार्टी की संगठनात्मक एकजुटता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। 10 सितंबर को सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी, लेकिन इसके बाद भी मायावती ने आनंद को पार्टी से "पूरी तरह मुक्त" कर दिया।

- **सपा ने बसपा का नीला रूख अख्तियार किया और अपने विद्यार्थी संगठन को नीले रंग की टी-शर्ट व जीन्स की यूनीफॉर्म दी, कांग्रेस ने संविधान बचाओ अभियान चलाया तथा नीला रंग भी अपनाया। भाजपा ने वैलफेयर स्कीम्स के मार्फत "इन्क्लूज़न" (शामिल करने) की नीति अपनाई।**
- **जैसा कि विदित ही है, 2001 में बसपा का वोट शेयर 30 प्रतिशत था, 2017 में 22.23, 2022 में 12.88 और 2024 में 9.39 प्रतिशत रह गया था।**

उन्होंने सबूत के तौर पर कहा कि आकाश ने उन से जुड़े अपने सोशल मीडिया संदेशों को दोबारा साझा नहीं किया, जो उनकी बँटी हुई निष्ठा और "दोहरी मानसिकता" दिखाता है, जिसमें उन्होंने पार्टी अनुशासन से ऊपर पारिवारिक रिश्तों को रखा है।

यह पारिवारिक विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब चुनावी स्तर पर बसपा का लगातार पतन हुआ है। उत्तर प्रदेश में 2007 में मिली शानदार चुनावी जीत के दौरान, बसपा का वोट प्रतिशत 30 प्रतिशत से अधिक था। यह 2017 के विधानसभा चुनाव में घटकर 22.23 प्रतिशत, 2022 में 12.88 प्रतिशत रह गया, जब पार्टी को केवल एक सीट मिली थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह और भी घटकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सवाई माधोपुर कलेक्टर, अदालत की पालना करें या 18 अक्टूबर को पेश हों

जयपुर 10 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर में हवाई पट्टी के लिए दशकों पूर्व ली गई जमीन के बदले अदालती आदेश के बावजूद, भूमि आवंटित नहीं करने से जुड़े मामले में स्थानीय कलेक्टर को 7 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश

- **दशकों पूर्व हवाई पट्टी के लिए ली गई जमीन के एवज में भूमि आवंटन का मामला।**

दिए हैं। अदालत ने कहा कि यदि पूर्व में दिए आदेश की पालना कर ली जाती है तो कलेक्टर को पेश होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने ये आदेश अजीजुद्दीन की ओर से दायर अवमानना याचिका पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत को एक अनूठा मौका दिया है

भारत साबित कर सकता है कि स्ट्रैटजिक ऑटोनोमी" (रणनीतिक स्वशासन) का मतलब निष्क्रिय तटस्थता नहीं है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितंबर। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की भारत की मेज़बानी इस समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है। विस्तार के बाद ब्रिक्स में अब एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व और लैटिन अमेरिका की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं, लेकिन इसके बढ़ते भू-राजनीतिक महत्व ने इसके सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेदों को भी उजागर कर दिया है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह शिखर सम्मेलन "ग्लोबल साउथ" के एजेंडे को आकार देने का एक अवसर होने के साथ-साथ, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की कठिन परीक्षा भी है।

सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का सम्मेलन में शामिल होने का फैसला है। 2020 के गलवान संघर्ष के बाद भारत की उनकी यह पहली यात्रा है, जो इस सम्मेलन को ब्रिक्स से कहीं ज्यादा महत्व देती है। नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में फिर से, हाल ही में नए सिरे से कूटनीतिक बातचीत और सीमा से जुड़े मुद्दों पर हुई प्रगति के बाद स्थिरता के संकेत मिले हैं। फिर भी दोनों देशों के रिश्तों में रणनीतिक अविश्वास बना हुआ है। इसलिए मोदी-शी की बैठक पर यह देखने के लिए नज़र रखी जाएगी कि क्या हालिया सुधार एक व्यापक सुधार में बदल सकते हैं।

- **इसका मतलब भारत यह समझता है, सभी "इन्टरैस्ट ग्रुप्स" से, सभी खेमों से एक साथ मिलकर काम करना व बातचीत करना तथा अपने हितों को आगे बढ़ाना।**
- **उदाहरण के लिए, रूस व चीन की अलग गणित है। वैस्ट एशिया के देशों का अपना सुरक्षा का आंकलन है, ब्राज़ील व दक्षिण अफ्रीका की अलग परिस्थितियाँ हैं। अतः, ब्रिक्स सम्मेलन व गठबंधन में काफी तरह की विविध सोच हैं तथा यह विविधता ही इस संगठन की ताकत है।**
- **अगर-भारत की स्पष्ट सोच को सफलता मिलती है, तो भारत अपने आप को ऐसे देश के रूप में स्थापित कर लेगा, जो देशों के बीच पुल (ब्रिज) बनता है।**

भारत के पास चीन के साथ न तो टकराव बढ़ाने का कोई खास कारण है और न ही कृत्रिम रूप से संबंध सुधारने का। भारत का उद्देश्य संभवतः चीन के साथ ऐसे अधिक भरोसेमंद और अनुमान योग्य संबंध बनाना है, जो सीमा पर शांति, व्यापार, तकनीक और क्षेत्रीय प्रभाव के क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा को संभालने का आधार बनें। हाल में दोनों देशों के संबंधों में सुधार के साथ आर्थिक संपर्क भी बढ़ा है। चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि संबंध सामान्य करने की प्रक्रिया भारत के सुरक्षा हितों की कीमत पर न हो।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मौजूदगी इस सम्मेलन में एक और आयाम जोड़ती है। मोदी और पुतिन की 11 सितंबर को शिखर सम्मेलन से पहले मुलाकात होने वाली है। यह मुलाकात शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हाल की उनकी बातचीत के बाद हो रही है। इसमें ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, भुगतान और व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर प्रमुखता से चर्चा होने की संभावना है। रूस का कहना है कि ब्रिक्स देशों के साथ उसका करीब 90 प्रतिशत भुगतान अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किया जाता है, जो वैकल्पिक भुगतान तंत्र के बढ़ते महत्व को उजागर करता है।

इससे "डी-डॉलराइज़ेशन", यानी डॉलर पर निर्भरता कम करने का सवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री नवोदय कॉलेज जगतपुरा में मतदान करेंगे

जयपुर, 10 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सुबह 10 बजे एनडब्ल्यूआर ऑफिस के पास स्थित नवोदय शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज (गेटोर, जगतपुरा) पहुंचकर जयपुर नगर निगम चुनाव में मतदान करेंगे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी जयपुर के वार्ड 141 में सिटी पैलेस स्थित बूथ संख्या 10 पर सुबह 8.30 बजे मतदान करेंगी। वहीं, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी वार्ड 90 में विवेक विहार स्थित सेंड ड्यून स्कूल में प्रातः 10.15 बजे मतदान करेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद डॉ सतीश पूनिया वार्ड 34 में राणी सती नगर स्थित ब्राइट फ्यूचर स्कूल में प्रातः 10 बजे मतदान करेंगे। जयपुर सांसद मंजू शर्मा वार्ड 76 के महावीर नगर स्थित आर्किड्स सेंट्रल स्कूल आफ एक्सीलेंस में प्रात 7.30 बजे मतदान करेंगी। कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ वार्ड 28 के भाग संख्या 13 पर गुरुकुल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रातः 8.30 बजे मतदान करेंगे।

विचार बिन्दु

निरन्तर बदलने की इच्छा रखना एक ताकत होती है, चाहे इसकी वजह से कंपनी का एक बड़ा हिस्सा कुछ देर के लिए पूरी तरह से अव्यवस्थित क्यों ना हो जाए। –जैक वेल्व

विकसित राजस्थान: एक नारा नहीं, संकल्प है

राजस्थान का चरित्र अनेक युगों में परखा गया है: वीरता की गाथाएँ, किलों की शान, लोक कला की जीवंतता और मरुधर की कठोरता। पर आज का राजस्थान केवल अतीत की स्मृति नहीं है; यह बदलाव की राह पर अग्रसर एक क्षेत्र है, जहाँ परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। ''विकसित राजस्थान'' एक नारा नहीं, संकल्प है'' यह घोषणा केवल घोषणापत्रों में लिखे शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह हर नागरिक, हर संस्थान और सरकार के लिए स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए एक ऐसा लक्ष्य जो व्यवहार, नीति और प्रतिज्ञा में बदलकर जमीन पर दिखाई दे।

विकास की व्याख्या व्यापक होनी चाहिए। आर्थिक वृद्धि आवश्यक है, परंतु उसे जीवन की गुणवत्ता के व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। विकास का असली माप केवल जीडीपी, निवेश या औद्योगिक उत्पादन नहीं; यह स्वास्थ्य की उपलब्धता, शिक्षा की गुणवत्ता, रोज़गार के स्थायी अवसर, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक समावेशन से जुड़ा हुआ है। राजस्थान के सामने यह चुनौती है कि वह आर्थिक प्रगति को इस तरह संचालित करे कि उसका लाभ राज्य के दूर–दराज़ गाँवों, पिछड़े समुदायों और पारंपरिक कारीगरों तक पहुँच सके।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नीति–निर्माण में समावेशिता का मूल होना आवश्यक है। योजनाओं का स्वरूप सिर्फ शहरों या बड़े उद्योगों तक सीमित न रहकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और आदिवासी क्षेत्रों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखे। छोटे और मध्यम उद्यमों, विशेषकर हस्तशिल्प व कुटीर उद्योगों को सुव्यवस्थित बाजार, क्रेडिट सुविधा और डिजिटलीकरण के जरिए सशक्त किया जाना चाहिए। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जिसमें बुनाई, बांस व मिट्टी का कारीगरी शामिल है, केवल पर्यटन का आकर्षण नहीं यह स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार भी है। इन क्षेत्रीय क्षमताओं को आधुनिक विपणन, डिज़ाइन सहयोग और निर्यात–समर्थन से जोड़ना राज्यों के दीर्घकालिक विकास के लिए निर्णायक होगा।

जल और कृषि राज्य की सामाजिक–आर्थिक दृष्टि का केंद्र हैं। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियाँ और जल–विभाजन इसे अनूठी चुनौतियाँ देती हैं। वर्षा पर आधारित पारंपरिक कृषि अब टिकाऊ नहीं रह गई है; इसलिए जल संरक्षण, सूक्ष्म–सिंचाई और फसल विविधीकरण जैसे उपायों को तात्कालिक प्रमुखता दी जानी चाहिए। कुएँ और तालाबों के पुनरुद्धार, भूजल पुनर्भरण और सामुदायिक जल संचयन जैसी स्थानीय पहलें जहां जल सुरक्षा बढ़ाएंगी, वहीं किसानों की आय में स्थिरता भी लाएँगी। कृषि मूल्य शृंखला में प्रोसेसिंग इकाइयों और प्रशीतन संरचना को जोड़ने से फसल–आधारित आय में वृद्धि संभव होगी। किसान उत्पादक संगठन और सहकारी व्यवस्थाओं को सशक्त बनाकर बाज़ार तक सीधी पहुँच सुनिश्चित करनी होगी ताकि मध्यस्थता कम हो और शोषण घटे।

शिक्षा और कौशल विकास के बिना स्थायी विकास की कल्पना अधूरी रहेगी। राजस्थान का युवा वर्ग राज्य का भविष्य है; इसलिए शिक्षा केवल साक्षरता तक सीमित न रहे, बल्कि व्यावहारिक कौशल, तकनीकी प्रशिक्षण और उद्यमिता के अवसर प्रदान करे। विद्यालयों और प्रशिक्षण केन्द्रों में स्थानीय उद्योग, कुटीर और उच्च तकनीकी क्षेत्रों के साथ तालमेल होना चाहिए ताकि युवा रोजगार योग्य बनें। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं और पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा व कौशल कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि इनके सशक्त होने से परिवार और समुदाय दोनों का समग्र विकास होगा।

छोटे और मध्यम उद्यमों, विशेषकर हस्तशिल्प व कुटीर उद्योगों को सुव्यवस्थित बाजार, क्रेडिट सुविधा और डिजिटलीकरण के जरिए सशक्त किया जाना चाहिए। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जिसमें बुनाई, बांस व मिट्टी का कारीगरी शामिल है, केवल पर्यटन का आकर्षण नहीं यह स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार भी है। इन क्षेत्रीय क्षमताओं को आधुनिक विपणन, डिज़ाइन सहयोग और निर्यात-समर्थन से जोड़ना राज्यों के दीर्घकालिक विकास के लिए निर्णायक होगा।

ऊर्जा और पर्यावरणीय नीतियाँ भी राज्य के विकास में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। राजस्थान के विशाल सौर संसाधन और कुछ क्षेत्रों में पवन ऊर्जा का व्यापक संभावित भंडार इसे हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बना सकता है। पर ऊर्जा नीति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं होनी चाहिए; इसे वितरणीयता, स्थानीय उद्योगों के लिए सस्ती और विश्वसनीय आपूर्ति तथा ऊर्जा दक्षता के साथ जोड़ना होगा। छतों पर सौर पैनलों का प्रसार, सामुदायिक सौर परियोजनाएँ और ऊर्जा भंडारण प्रणालियाँ ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी। साथ ही, रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा और जलवायु अनुकूलन उपायों को योजनाओं का अभिन्न अंग बनाना होगा ताकि विकास लंबी अवधि में टिकाऊ हो।

शहरीकरण की प्रक्रिया प्रबंधन हेतु स्मार्ट और समावेशी विचार आवश्यक हैं। शहरों का विस्तार अनियंत्रित न होकर नियोजित होना चाहिए; सार्वजनिक परिवहन, किफायती आवास और कचरा व जल प्रबंधन की समेकित नीतियाँ लागू हों। ऐतिहासिक शहरों और बाजारों के संरक्षित ढांचे को बरकरार रखते हुए नवप्रवर्तित सुविधाएँ विकसित करनी चाहिए ताकि सांस्कृतिक विरासत व आधुनिक सुविधा का संतुलन बना रहे। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का असली उद्देश्य तकनीकी उन्नति के साथ नागरिक जीवन में वास्तविक सुधार लाना होना चाहिए, न कि केवल दिखावटी बुनियादी ढांचे का निर्माण।

शिल्प और पर्यटन के क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। पर्यटन पर निर्भर अर्थव्यवस्था मौसमी होती है; इसलिए शिल्पकारों को निरंतर और संगठित बाजार उपलब्ध कराना चाहिए। ब्रांडिंग, डिजिटलाईज़ेशन, कॉपीराइट सुरक्षा और निर्यात के साधन प्रदान करके कारीगरों की आय को स्थायी बनाया जा सकता है। पारंपरिक ज्ञान व कला का संरक्षण सिर्फ सांस्कृतिक कारण नहीं है, यह आर्थिक सुरक्षा का भी प्रश्न है। सतत पर्यटन मॉडल, जो स्थानीय समुदायों को सीधे लाभ पहुँचाए और पर्यावरण व सांस्कृतिक संवेदनशीलता का पालन करे, नीति का आधार होना चाहिए।

शासन–व्यवस्था में पारदर्शिता और स्थानीय भागीदारी विकास की कुंजी है। केंद्रीकृत नीतियों के साथ–साथ स्थानीय स्वायत्तता और निर्णय क्षमता बढ़ाने से नीतियाँ अधिक प्रभावी होंगी। ग्राम स्तर से लेकर नगर निगम तक बजट आवंटन और निगरानी में नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना चाहिए। ओपन डाटा नीतियाँ, डिजिटल सेवाएँ और मोबाइल–आधारित शिकायत समाधान तंत्र लोगों को सेवाओं से जोड़ने में सहायक होंगे। शासन में महिला और युवा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने से नीतियों में विविध दृष्टिकोण शामिल होंगे और वे ज़मीनी हक़ीक़तों के करीब रहेंगी।

विकास का सामाजिक और नैतिक आयाम नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। विकास की प्रक्रिया में पारस्परिक सम्मान, सामाजिक न्याय और नैतिक जिम्मेदारियों का समावेश होना चाहिए। शिक्षा में नागरिकता, नैतिक मूल्यों और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय समाज को संवेदनशील और जवाबदेह बनाता है। भ्रष्टाचार–रोधी उपाय, जवाबदेही के तंत्र और समाज में संवाद के अवसर निर्माण से दीर्घकालिक समृद्धि संभव है।

विकसित राजस्थान का संकल्प सिर्फ एक नीति दस्तावेज नहीं होना चाहिए यह व्यवहार स्तर पर जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। जब हर गाँव में जल–सुरक्षा होगी, हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल मिलेगा, हर कारीगर को उचित बाजार मिलेगा और शहरों में जीवन की गुणवत्ता सुधरेगी तब यह संकल्प पूरा कहा जाएगा। विकास की यह परिकल्पना सामूहिक प्रयत्नों से ही साकार होगी: सरकार, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और स्थानीय समुदायों के संयुक्त प्रयासों से। छोटे–छोटे व्यावहारिक कदम स्थानीय जल संचयन, कौशल प्रशिक्षण, शिल्प के डिजिटलीकरण और पारदर्शी प्रशासन मिलकर एक बड़े परिवर्तन की नींव रखते हैं।

राजस्थान का विकास इसलिए नारा नहीं, संकल्प होना चाहिए कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समावेशी, हरित और सांस्कृतिक रूप से संपन्न प्रदेश छोड़ें। संकल्प तभी सार्थक होगा जब वह प्रतिदिन के कामों, नीतियों और सामुदायिक निर्णयों में उतर आए। तभी राजस्थान न सिर्फ अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करेगा, बल्कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए एक समृद्ध और टिकाऊ प्रदेश बनकर उभरेगा।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार

7.8 प्रतिशत की विकास दर: भारतीय अर्थव्यवस्था में नई उम्मीदों का उजाला

राम शर्मा

भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज कर एक बार फिर दुनिया की तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान मजबूत किया है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान वास्तविक जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। इस प्रकार वास्तविक वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही। इसी अवधि में नाममात्र जीडीपी 10.3 प्रतिशत बढ़ी और वास्तविक सकल मूल्य वर्धन यानी जीवीए में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

इन आंकड़ों को देखकर स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि यदि अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से बढ़ रही है तो इसका असर रोजगार और आम आदमी की आय पर भी दिखाई देना चाहिए। लेकिन श्रम बाजार के आंकड़े बताते हैं कि कहानी इतनी सीधी नहीं है। अप्रैल–जून 2026 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की समग्र बेरोजगारी दर 5.4 प्रतिशत रही। शहरी बेरोजगारी दर 6.7 प्रतिशत और ग्रामीण बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत रही। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इसी तिमाही में श्रमबल भागीदारी दर 54.6 प्रतिशत रही, जो पिछली तिमाही के 55.5 प्रतिशत से कम है।

यहीं से भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और रोजगार की वास्तविक तस्वीर के बीच का अंतर सामने आता है।

जीडीपी बढ़ रही है, लेकिन रोजगार उसी अनुपात में क्यों नहीं?

आर्थिक विकास का अर्थ कुल उत्पादन और सेवाओं के मूल्य में वृद्धि है। दूसरी ओर बेरोजगारी दर यह बताती है कि श्रम बाजार में उपलब्ध लोगों में कितने लोग काम की तलाश में हैं लेकिन उन्हें काम नहीं मिल रहा। दोनों के बीच संबंध जरूर है, लेकिन यह संबंध हमेशा एक–से–एक नहीं होता।

भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का योगदान लगातार बढ़ रहा है। वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं, संचार, रियल एस्टेट और अन्य आधुनिक सेवाओं में उत्पादकता अधिक है। इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम लोगों से अधिक आर्थिक मूल्य पैदा किया जा सकता है। इसलिए उत्पादन तेजी से बढ़ सकता है, लेकिन रोजगार उसी अनुपात में नहीं बढ़ता।

पहली तिमाही में वास्तविक जीवीए की वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। निवेश से जुड़े सकल स्थिर पूंजी निर्माण में करीब 11.9 प्रतिशत की वृद्धि और निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण और सेवा क्षेत्र ने वृद्धि को महत्वपूर्ण आधार दिया।

यह अच्छी खबर है, लेकिन रोजगार की दृष्टि से प्रश्न यह है कि नई पूंजी और नई तकनीक कितने नए रोजगार पैदा कर रही है।

बेरोजगारी दर का एक और महत्वपूर्ण पहलू

बेरोजगारी दर को अकेले देखकर रोजगार की पूरी तस्वीर नहीं समझी जा सकती। श्रमबल भागीदारी दर और वर्कर–पॉपुलेशन रेशियो भी देखना जरूरी है।

अप्रैल–जून 2026 में देश की श्रमबल भागीदारी दर 54.6 प्रतिशत रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 55.5 प्रतिशत थी। महिला श्रमबल भागीदारी दर भी पिछली तिमाही के 34.7 प्रतिशत से घटकर 33.2 प्रतिशत रह गई। कुल वर्कर–पॉपुलेशन रेशियो 51.7 प्रतिशत रहा, जो पिछली तिमाही के 52.8 प्रतिशत से कम है। इसका अर्थ यह नहीं कि देश में रोजगार निश्चित रूप से घट गया है, क्योंकि तिमाही आंकड़ों पर मौसमी प्रभाव भी पड़ता है। लेकिन यह जरूर बताता है कि केवल बेरोजगारी दर को विकास का प्रमाण मानना पर्याप्त नहीं है।

यदि कोई व्यक्ति रोजगार की तलाश ही छोड़ देता है तो वह बेरोजगारों की गणना में नहीं आता। इसलिए किसी अर्थव्यवस्था के श्रम बाजार की वास्तविक स्थिति समझने के लिए यह देखना आवश्यक है कि कितने लोग रोजगार की तलाश कर रहे हैं, कितने काम कर रहे हैं और किस प्रकार का काम कर रहे हैं।

56.6 करोड़ लोगों को रोजगार, लेकिन सवाल गुणवत्ता का

पीएलएफएस के अप्रैल–जून 2026 के आंकड़ों के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 56.6 करोड़ लोग रोजगार में थे। इनमें लगभग 40.2 करोड़ पुरुष और 16.4 करोड़ महिलाएं थीं।

यह संख्या भारतीय अर्थव्यवस्था के रोजगार के विशाल आकार को बताती है। लेकिन रोजगार की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण उसकी गुणवत्ता है।

क्या रोजगार नियमित है? क्या उससे परिवार की जरूरतें पूरी हो रही हैं? क्या मजदूरी महंगाई की तुलना में बढ़ रही है? क्या सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध है? क्या युवा अपनी शिक्षा और कौशल के अनुरूप नौकरी पा रहे हैं?

इन सवालों के उत्तर आर्थिक विकास की वास्तविक गुणवत्ता तय करते हैं।

पीएलएफएस में एक सकारात्मक संकेत जरूर दिखाई देता है। नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों का हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में 15.5 प्रतिशत से बढ़कर 16.1 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 48.9 प्रतिशत से बढ़कर 49.3 प्रतिशत हुआ है। माध्यमिक क्षेत्र में रोजगार की हिस्सेदारी भी बढ़ी है।

अर्थात रोजगार के ढांचे में कुछ सुधार के संकेत हैं, लेकिन अभी इसे व्यापक और पर्याप्त रोजगार सृजन का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

प्रति व्यक्ति आय की तस्वीर क्या कहती है?

अब सवाल आता है प्रति व्यक्ति आय का। यहां भी यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है कि जीडीपी बढ़ रही है लेकिन प्रति व्यक्ति आय बिल्कुल नहीं बढ़ रही।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025–26 में प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय वर्तमान कीमतों पर लगभग 2.20 लाख रुपये के स्तर पर पहुंचने का पहला अग्रिम अनुमान था। 2024–25 में यह लगभग 2.05 लाख रुपये थी। स्थिर कीमतों पर भी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय औसत है, औसत परिवार की वास्तविक कमाई नहीं।

मान लीजिए किसी देश की राष्ट्रीय आय तेजी से बढ़ती है और उसका लाभ मुख्य रूप से बड़े उद्योगों, उच्च कौशल वाले कर्मचारियों, पूंजी मालिकों और कुछ तेजी से बढ़ते क्षेत्रों को मिलता है। ऐसी स्थिति में प्रति व्यक्ति आय का औसत बढ़ सकता है, लेकिन बड़ी आबादी की वास्तविक आय में उतनी वृद्धि नहीं हो सकती। यही कारण है कि जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद आम परिवार को आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है।

वास्तविक आय और औसत आय में अंतर

प्रति व्यक्ति आय बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति की आय उसी दर से बढ़ी है। यह राष्ट्रीय आय को कुल आबादी से विभाजित करके निकाला गया औसत है।

भारत जैसे विशाल और असमान अर्थव्यवस्था वाले देश में यह अंतर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एक ओर उच्च आय वाले पेशेवरों और पूंजी बाजार से जुड़े लोगों की आय तेजी से बढ़ सकती है, वहीं दूसरी ओर असंगठित क्षेत्र के मजदूर, छोटे दुकानदार, ग्रामीण श्रमिक और निम्न आय वाले परिवारों की वास्तविक आय धीमी गति से बढ़ सकती है।

इसलिए आर्थिक विकास का अगला चरण केवल जीडीपी बढ़ाने का नहीं बल्कि वेतन और रोजगार की वृद्धि को जीडीपी वृद्धि के साथ जोड़ने का होना चाहिए।

7.8 प्रतिशत वृद्धि में उपभोग की भूमिका

पहली तिमाही में निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.1 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हुई है। यह बताता है कि घरेलू मांग अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही है। निवेश में भी लगभग 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

लेकिन यहां भी एक सवाल महत्वपूर्ण है–क्या उपभोग की वृद्धि व्यापक आय–वृद्धि से आ रही है या बचत में कमी और ऋण आधारित खर्च से?

यदि लोगों की आय तेजी से बढ़ती है तो उपभोग में वृद्धि टिकाऊ होती है। लेकिन यदि उपभोग का विस्तार महंगे कर्ज, क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण के सहारे हो रहा हो तो लंबे समय में यह परिवारों की वित्तीय स्थिति पर दबाव डाल सकता है।

इसलिए जीडीपी के साथ घरेलू बचत, वास्तविक मजदूरी, उपभोक्ता ऋण और परिवारों की आय के आंकड़ों को भी समान महत्व देना होगा।

क्या 7.8 प्रतिशत की वृद्धि पर सवाल उठना चाहिए?

यह भी ध्यान रखना होगा कि 2026 में राष्ट्रीय आय की गणना के लिए भारत ने नया आधार वर्ष 2022–23 अपनाया है। नई श्रृंखला में उत्पादक मूल्य सूचकांक सहित अधिक विस्तृत मूल्य आंकड़ों और अन्य प्रशासनिक स्त्रोतों का उपयोग किया गया है। सरकार का कहना है कि इससे राष्ट्रीय आय के अनुमान अधिक व्यापक और आधुनिक बने हैं।

हालांकि इस नई पद्धति के बाद पिछले वर्षों के आंकड़ों में महत्वपूर्ण संशोधन हुए हैं और अर्थशास्त्रियों ने पारदर्शिता तथा पद्धति की अधिक जानकारी सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। इसलिए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को लेकर राजनीतिक विवाद से अलग हटकर यह आवश्यक है कि राष्ट्रीय आय के आंकड़ों की पद्धति पूरी तरह पारदर्शी रहे।

यहां संतुलित दृष्टिकोण जरूरी है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के आधार पर 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को सीधे खारिज करना उचित नहीं होगा। लेकिन इसे अर्थव्यवस्था की समग्र समृद्धि का अंतिम प्रमाण मानना भी उतना ही गलत होगा।

असली चुनौती रोजगारयुक्त और समावेशी विकास की

भारत के सामने आज सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती विकास दर को बनाए रखने के साथ–साथ उसे रोजगार में बदलने की है।

देश में हर वर्ष बड़ी संख्या में युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। यदि आर्थिक वृद्धि मुख्य रूप से पूंजी और उत्पादकता आधारित रहती है और पर्याप्त श्रम–प्रधान रोजगार नहीं बनाती तो आने वाले वर्षों में रोजगार का प्रश्न और गंभीर हो सकता है।

भारत को ऐसे विनिर्माण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना होगा जो बड़ी संख्या में रोजगार पैदा कर सकें–कपड़ा, चमड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, निर्माण और छोटे एवं मध्यम उद्योग इसके प्रमुख उदाहरण हो सकते हैं।

साथ ही छोटे कारोबारों को सस्ता ऋण, तकनीक, बाजार और औपचारिक वित्त उपलब्ध कराना होगा। कृषि से गैर–कृषि रोजगार की ओर संक्रमण को भी तेज करना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती महिला रोजगार की है। कुल महिला श्रमबल भागीदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में बहुत कम है। यदि महिलाओं की शिक्षा, कौशल और रोजगार को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ा जाए तो भारत की उत्पादन क्षमता और घरेलू आय दोनों में बड़ा सुधार हो सकता है।

विकास का अगला पैमाना क्या हो?

भारत के लिए 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लेकिन किसी देश की आर्थिक सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि उसने कितने प्रतिशत अधिक उत्पादन किया। असली सवाल यह है कि उस उत्पादन से कितने नए रोजगार बने, मजदूरी कितनी बढ़ी, परिवारों की क्रय शक्ति कितनी मजबूत हुई और विकास का लाभ समाज के कितने वर्गों तक पहुंचा।

आज भारत के सामने यही विरोधाभास है–मैक्रो अर्थव्यवस्था मजबूत दिखाई दे रही है, लेकिन माइक्रो स्तर पर रोजगार और आय की तस्वीर उतनी प्रभावशाली नहीं है।

इसलिए 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि को उत्सव का कारण जरूर माना जाना चाहिए, लेकिन इसे मंजिल नहीं समझना चाहिए। विकास की अगली कसौटी होगी–जीडीपी की तेज रफ्तार को व्यापक रोजगार, बढ़ती वास्तविक मजदूरी और अधिक समान आय–वितरण में बदलना।

यदि आर्थिक वृद्धि के साथ आम नागरिक की आय बढ़ती है, युवाओं को सम्मानजनक रोजगार मिलता है और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ती है, तभी उच्च जीडीपी वृद्धि को वास्तविक आर्थिक समृद्धि कहा जा सकेगा। अन्यथा 7.8 प्रतिशत का आंकड़ा अर्थव्यवस्था की ताकत तो बताएगा, लेकिन समाज की आर्थिक खुशहाली की पूरी कहानी नहीं।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

साक्षर राजस्थान के बिना विकसित राजस्थान का सपना अधूरा

राजेन्द्र जोशी

साक्षरता और विकास एक–दूसरे की धुरी हैं। जिस समाज में शिक्षा और साक्षरता का स्तर ऊंचा होता है, वहां विकास की गति भी तेज होती है। दुर्भाग्य से राजस्थान में पिछले एक दशक से साक्षरता सरकार की प्राथमिकताओं में दिखाई नहीं देती।

सरकारें विकास के नाम पर सड़क, नाली, पानी, बिजली और दूसरी बुनियादी सुविधाओं पर लगातार बजट खर्च करती हैं। इन सुविधाओं का निर्माण और विस्तार निस्संदेह जरूरी है, लेकिन यह भी समझना होगा कि यदि जनता शिक्षित और साक्षर होगी तो इन सुविधाओं के रखरखाव, उपयोग और विस्तार से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। जागरूक और शिक्षित नागरिक सरकार की योजनाओं को समझेंगे, उनका सही उपयोग करेंगे और स्थानीय विकास में भागीदार बनेंगे। इसलिए साक्षरता केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि विकास की बुनियाद है।

राजस्थान में दो दशक पहले साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुआ था। संपूर्ण साक्षरता अभियान ने गांव–गांव तक शिक्षा की अलख जगाई। लाखों लोगों को अक्षर ज्ञान से जोड़ा गया। इस अभियान ने न केवल साक्षरता प्रतिशत बढ़ाया, बल्कि शिक्षा के प्रति सामाजिक चेतना भी पैदा की। उस दौर में राजस्थान ने साक्षरता के क्षेत्र में देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। इस उपलब्धि को सतत अभियान में बदलना सरकार की जिम्मेदारी थी। यदि उस प्रयास को निरंतर आगे बढ़ाया जाता तो आज राजस्थान की तस्वीर कहीं अलग होती।

आंकड़े बताते हैं कि 1991 से 2001 के दशक में राजस्थान ने साक्षरता के क्षेत्र में 22.48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। यह एक तरह का 'क्वांटम जंप' था। इससे पहले 1981 से 1991 के दशक में साक्षरता वृद्धि मात्र 8.44 प्रतिशत थी। लेकिन 2001 से 2011 के बीच यह वृद्धि घटकर लगभग 6.03 प्रतिशत रह गई। सवाल यह है कि जिस राज्य ने एक दशक में इतनी बड़ी छलांग लगाई, वह अगले दशक में इतनी धीमी गति पर क्यों आ गया?

राजस्थान की स्थिति को हिंदी भाषी राज्यों के संदर्भ में देखें तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखाई देती है। मध्य प्रदेश ने 1991–2001 के दशक में साक्षरता में 19.44 प्रतिशत की वृद्धि की और 2001–2011 के दशक में भी 6.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। उत्तर प्रदेश ने 2001–2011 के दौरान 12.36 प्रतिशत की वृद्धि की। बिहार ने भी साक्षरता में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए 63 प्रतिशत से अधिक का स्तर हासिल किया। छत्तीसगढ़ ने भी 1991–2001 के दौरान बड़ी छलांग लगाई और बाद के दशक में अपनी स्थिति को आगे बढ़ाया।

दूसरी ओर, राजस्थान में पिछले डेढ़ दशक से साक्षरता को लेकर कोई स्पष्ट और दीर्घकालिक राज्य स्तरीय एजेंडा दिखाई नहीं देता। पिछले दशक में देश के कई राज्य पूर्ण साक्षरता की दिशा में आगे बढ़े और कुछ राज्य पूर्ण साक्षरता की श्रेणी तक पहुंच गए। राजस्थान इन प्रयासों से सीखने के बजाय जैसे अपनी गति से ही चल रहा है। विडंबना यह है कि हम दूसरों को सिखाने की बात तो करते हैं, लेकिन उनसे सीखने की तैयारी भी नहीं दिखती।

राजस्थान में स्वतंत्र साक्षरता निदेशालय कार्यरत है। निदेशालय में प्रशासनिक अधिकारी हैं, बड़ी संख्या में शिक्षा अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं और सभी जिलों में जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारियों की व्यवस्था है। यानी प्रशासनिक ढांचा मौजूद है, मानव संसाधन मौजूद है और सरकार के पास काम करने के लिए तंत्र भी उपलब्ध है। फिर सवाल उठता है कि इस पूरी व्यवस्था का उपयोग साक्षरता बढ़ाने के लिए प्रभावी ढंग से क्यों नहीं हो रहा?

आज नवभारत साक्षर कार्यक्रम और डिजिटल साक्षरता जैसे कार्यक्रम चल रहे हैं। डिजिटल साक्षरता समय की आवश्यकता है, लेकिन राजस्थान की जमीनी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राज्य के अनेक गांवों में आज भी बिजली और इंटरनेट की सुविधा पर्याप्त नहीं है। जिस व्यक्ति को कागज और कलम के माध्यम से अक्षर ज्ञान तक नहीं मिला, उससे सीधे डिजिटल साक्षरता की अपेक्षा करना कितना व्यावहारिक है? डिजिटल साक्षरता का पहला आधार भी तो सामान्य साक्षरता ही है।

राजस्थान के सामने एक और बड़ी चुनौती क्षेत्रीय असमानता है। कोटा से जैसलमेर तक साक्षरता प्रतिशत में बड़ा अंतर है। जिलों के बीच ही नहीं, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भी साक्षरता की स्थिति अलग–अलग है। इसके साथ महिला और पुरुष साक्षरता के बीच का अंतर भी चिंता का विषय है। जब तक महिलाओं को समान रूप से शिक्षा और साक्षरता से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक राजस्थान की समग्र साक्षरता दर में अपेक्षित सुधार संभव नहीं है।

जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इसमें देरी हुई और अब 2026 के बाद इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है। इसलिए वर्तमान दशक में राजस्थान की साक्षरता कितनी बढ़ी, इसका प्रमाणिक आकलन विस्तृत जनगणना आंकड़े आने के बाद ही हो सकेगा। हालांकि बीच–बीच में हुए नमूना सर्वेक्षणों के आंकड़े यह संकेत जरूर देते हैं कि राजस्थान की साक्षरता दर में अपेक्षित तेजी नहीं आई है।

सरकार चाहे किसी भी राजनीतिक दल की हो, उसे शिक्षा और साक्षरता को अपने मुख्य एजेंडे में शामिल करना होगा। राजस्थान ने कभी साक्षरता के क्षेत्र में देश को राह दिखाई थी। अब आवश्यकता है कि उसी ऊर्जा और संकल्प को फिर से जगाया जाए। साक्षरता निदेशालय को केवल प्रशासनिक ढांचे तक सीमित रखने के बजाय उसे स्पष्ट लक्ष्य, पर्याप्त बजट, समयबद्ध कार्ययोजना और परिणाम आधारित जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

78 वर्ष बाद भी यदि राजस्थान की बड़ी आबादी अक्षरों के आलोक से पूरी तरह नहीं जुड़ पाई है तो यह केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की चिंता का विषय है। लेकिन नेतृत्व सरकार को ही करना होगा। जिस दिन राजस्थान सरकार साक्षरता को सड़क, बिजली, पानी और आवास की तरह विकास की अनिवार्य प्राथमिकता मानेगी, उसी दिन बदलाव की वास्तविक शुरुआत होगी।

राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाना है तो केवल भौतिक ढांचा खड़ा करना पर्याप्त नहीं होगा। उस ढांचे को समझने, संभालने और आगे बढ़ाने वाला साक्षर और जागरूक समाज भी तैयार करना होगा। आखिर सवाल सिर्फ यह नहीं है कि राजस्थान कब पूर्ण साक्षर होगा; असली सवाल यह है कि राजस्थान पूर्ण साक्षर हुए बिना विकसित कैसे होगा?

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद–साहित्यकार

लेखक पिछले चार दशक से शिक्षा–साक्षरता के क्षेत्र में कार्यरत रहे है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 11 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 1:16 तक, साध्य योग सायं 5:02 तक, नाग करण प्रात: 8:57 तक, चन्द्रमा आज सायं 7:08 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

मेष: परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष: व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कारणों से भागदौड़ रहेगी।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

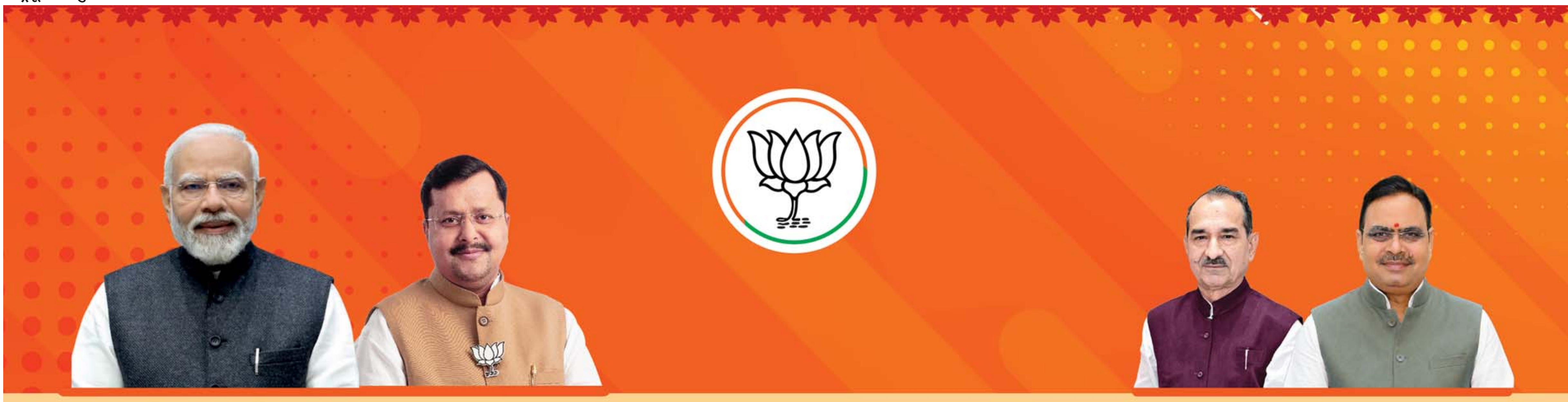

विनम्र अपील

प्रिय प्रदेशवासियों,

वंदे मातरम्।

इतिहास किसी एक मोड़ पर हमें अपने शहर और अपने नगरीय जीवन से जुड़ा बेहद अहम फैसला लेने का आह्वान करता है। वह एक निर्णायक क्षण हमारे परिवार, शहर और समाज की दिशा व दशा तय कर देता है। आज का दिन भी इतना ही महत्वपूर्ण है। यह सिर्फ चुनाव नहीं... हमारे शहरों के भविष्य को चुनने का अवसर है। आपका एक वोट, आपके शहर के अगले पांच वर्षों का स्वरूप तय करेगा।

हमने प्रदेश की जनता जनार्दन से जो वादा किया, उसे निभाया, पूरा किया। संकल्प पत्र के 78 प्रतिशत वादे हमने पिछले ढाई वर्षों में ही पूरे कर दिखाए हैं। हमने 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' के संकल्प को पूरा करके दिखाया है, ताकि बार-बार चुनाव से विकास की गति बाधित न हो। इसलिए मैं आपसे व्यक्तिगत अनुरोध करता हूँ कि आप भाजपा के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें। आपकी अपनी डबल इंजन सरकार में नगरीय निकाय का तीसरा इंजन जोड़कर प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण करें। आपका मत राष्ट्र-निर्माण के संकल्प को पूरा करने की दिशा में अहम कदम होगा।

राजस्थान ने वह दौर भी देखा है, जब उसे ग्रामीण बहुल पिछड़े और बीमारू प्रदेशों की श्रेणी में गिना जाता था। आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सक्षम नेतृत्व, निरंतर प्रयासों और जनकल्याणकारी योजनाओं की बदौलत राजस्थान बीमारू श्रेणी से बाहर निकलकर विकास की नई पहचान बना रहा है। हमारी सरकार ने पिछले 32 महिनों में इसी विकास को नई गति और नई दिशा दी है।

प्रदेश में तेजी से बढ़ती नगरीय जनसंख्या के कारण शहरों में जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है, फलस्वरूप आधारभूत शहरी सुविधाओं की माँग बढ़ी है। पुराने शहरों पर बढ़ते दबाव को कम करना हो या नए शहरी क्षेत्रों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना हो, आपके सपनों के शहर का विकास ही हमारा संकल्प है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाने का मूल भाव भी यही है - सरकार की योजनाओं का लाभ उस अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और हर परिवार के जीवन में खुशहाली आए। आइए, अपने शहर के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा को वोट देकर ऐसी नगरीय सरकार चुनें, जो विकास को गति दे, सुविधाओं का विस्तार करे और आपके सपनों के शहर को साकार करे। आपका एक वोट, आपके शहर के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। हमारी सरकार का संकल्प है कि विकास केवल बड़े शहरों तक नहीं, बल्कि हर नागरिक के घर और हर गली तक पहुँचे।

साथियो, आपने पिछली कांग्रेस सरकार का दौर भी देखा है। घोर अराजकता, खुली लूट और झूठ के बूते चली सरकार के कुशासन से पूरा प्रदेश त्रस्त था। जनहित के बजाय कुर्सी की लड़ाई में उलझे नेता, आपस की खींचतान, होटलों की बाड़ाबंदी में बैठी भ्रष्टाचारी सरकार का जनकल्याणकारी योजनाओं को अटकाने-भटकाने वाला रवैया, अव्यवस्था और अधूरे कार्य। पेपर लीक और सरकारी नौकरियों की बंदरबांट के आगे खून के आंसू बहाते हमारे प्रतिभावान युवा साथी।

आपने जब इस सबसे उकताकर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार को सेवा का अवसर दिया, तो प्रदेश में चौतरफा विकास का नया युग शुरू हुआ। रामजल सेतु, यमुना जल समझौता, राजस्थान रिफाइनरी और जयपुर मेट्रो जैसे ऐतिहासिक फ़ैसले हुए। सुशासन आया और हमारे शहरों ने विकास की नई उड़ान भरनी शुरू की। हमारी प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं - बेहतर सड़क, स्वच्छ शहर, हर घर को नल से जल, सुचारु यातायात, विश्वस्तर के शिक्षण संस्थान, हर शहर में उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं और पारदर्शी व जवाबदेह सुशासन।

प्रिय साथियो, आपका एक वोट बहुत कुछ बदल सकता है - आपके बच्चों का भविष्य, आपके शहर की तस्वीर, आपके घर की सुविधा, आपकी गली की स्वच्छता और आपके शहर का विकास। आइए, अपने शहर के भविष्य के लिए मतदान करें। घर से निकलें, बूथ तक जाएं और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

आइए हम सब मिलकर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित शहर, विकसित निकाय और विकसित राजस्थान के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

आपका अपना
भजनलाल शर्मा

निकाय चुनाव हेतु भाजपा का
संकल्प पत्र पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें

भाजपा के काम पर मोहर लगाएं
दिनांक 11 सितंबर को वोट देने जरूर जाएं

कमल का बटन दबाएं
भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL

वार्ड 61 में एएसआई के निलंबन पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस पर भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप

प्रदर्शन के दौरान डॉ. राजकुमार जयपाल सहित कुछ कार्यकर्ताओं ने काले चश्मे भी पहने

अजमेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव के बीच वार्ड नंबर 61 में कांग्रेस प्रत्याशी के पति एवं पुलिस विभाग में तैनात एएसआई फूलचंद मीणा के निलंबन का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। गुरुवार को अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुलिस विभाग की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान डॉ. राजकुमार जयपाल सहित कुछ कार्यकर्ताओं ने काले चश्मे भी पहन रखे थे, जिनके दोनों ओर 'कानून अंधा है' लिखा हुआ था। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन भाजपा के दबाव में काम कर रहा है और चुनाव के दौरान पुलिस विभाग द्वारा समान कार्रवाई नहीं की जा रही है।

अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुलिस विभाग की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया।

- **डॉ. राजकुमार जयपाल बोले– भाजपा प्रत्याशी के पति को छुट्टी, कांग्रेस प्रत्याशी के पति एएसआई फूलचंद मीणा को किया निलंबित; निलंबन वापस होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी**

डॉ. जयपाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि वार्ड नंबर 61 में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों की प्रत्याशियों के पति पुलिस विभाग में तैनात हैं। दोनों ने चुनाव के मद्देनजर पुलिस विभाग से अवकाश मांगा था। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा प्रत्याशी के पति को तो अवकाश दे दिया गया, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी के पति एएसआई फूलचंद मीणा को छुट्टी देने के बजाय निलंबित कर दिया गया। उन्होंने इसे पुलिस विभाग की भेदभावपूर्ण कार्रवाई बताया। कांग्रेस अध्यक्ष जयपाल ने आरोप लगाया कि एएसआई फूलचंद मीणा के साथ कुछ लोगों द्वारा हाथापाई की गई तथा उनकी कार को भी कुछ लोगों ने घेर लिया था। कांग्रेस का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और पुलिस विभाग को किसी राजनीतिक दबाव में कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

डॉ. राजकुमार जयपाल ने कहा कि चुनाव के दौरान सभी प्रत्याशियों और उनके परिजनों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। यदि किसी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तो उसके लिए स्पष्ट और समान मापदंड होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक ही परिस्थिति में भाजपा प्रत्याशी के पति को अवकाश देना और कांग्रेस प्रत्याशी के पति को निलंबित करना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

कांग्रेस शहर अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि जब तक पुलिस विभाग एएसआई फूलचंद मीणा का निलंबन वापस नहीं लेता, तब तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मामले में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगर निगम चुनाव के बीच इस प्रकार की कार्रवाई से निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पार्टी ने प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए और किसी भी राजनीतिक दबाव के बिना कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जजों के बंगलों के गार्डन में निकला गोयरा

अजमेर, (कासं)। जयपुर रोड स्थित अरावली हिल्स क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब जजों के बंगलों के सामने स्थित गार्डन में एक गोयरा और बड़ा सांप दिखाई दिया। अचानक सांप और गोयरा के नजर आने से बंगले में रहने वाले लोगों और आसपास मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही सर्प रक्षक नरेश कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

जानकारी के अनुसार, जयपुर रोड स्थित अरावली हिल्स में जज अजय शुक्ला के बंगला नंबर 5 और जज भानु कुमार के बंगला नंबर 4 के सामने गार्डन में लोगों ने एक गोयरा और बड़े सांप को देखा। दोनों सांप और गोयरा गार्डन में लगे एक नीम के पेड़ की खोल में जाकर छिप गए थे।

सांप को देखकर आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया और इसकी सूचना तत्काल सर्प मित्र नरेश कुमार को दी गई। सूचना मिलने के बाद सर्प मित्र नरेश कुमार मौके पर पहुंचे और काफी सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। उन्होंने पेड़ की खोल में छिपे गोयरे को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उसी स्थान से करीब 6 फीट लंबा धामण सांप भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। सांप के बाहर निकलने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। नरेश कुमार ने दोनों को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने के बाद उन्हें उनके प्राकृतिक आवास नाग पहाड़ी क्षेत्र में छोड़ दिया।

आत्महत्या संबंधी विचारों के दुष्प्रभावों पर चर्चा

उदयपुर में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उदयपुर, (कासं)। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल ऑफ नर्सिंग, उदयपुर के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम " चेंजिंग द नेरेटिव ऑन सुसाइड- स्टार्ट लरत कॉन्वर्जेशन" रही।

- **प्रो. डॉ. दिनेश कुमार शर्मा ने जीवन के महत्व और समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने की आवश्यकता बताई**

कार्यक्रम में गीतांजलि कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य प्रो. डॉ. आलोक रावत, गीतांजलि स्कूल ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य प्रो. डॉ. दिनेश कुमार शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी प्रो. कमलेश जोशी, एकेडमिक इंचार्ज एवं विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. जयेश पाटीदार, समस्त विभागाध्यक्ष एवं फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्य प्रो. डॉ. आलोक रावत ने आत्महत्या संबंधी विचारों के दुष्प्रभाव एवं उन्हें कम करने के उपायों पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. डॉ. दिनेश कुमार शर्मा ने जीवन के महत्व और समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने की आवश्यकता बताई।

विभिन्न सत्रों में प्रो. डॉ. जयेश पाटीदार ने इस वर्ष की थीम से अवगत करवाया और साथ ही प्रो. डॉ. दिनेश कुमार शर्मा ने आत्महत्या के जोखिम, कारकों एवं चेतावनी संकेतों को बताया तथा प्रो. हरेंद्र गेहलोत ने जोखिमग्रस्त व्यक्ति की पहचान, उससे संवाद एवं सहयोग के विषय में जानकारी दी।

इस अवसर पर आशाधाम आश्रम, उदयपुर में आत्महत्या रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। साथ ही विद्यार्थियों ने सिंगिंग, डांसिंग एवं ड्राइंग जैसी गतिविधियों में भाग लिया तथा प्रेम सहित अल्पाहार का वितरण किया। नुक्कड़ नाटक में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

हत्या के मामले में 10 दोषियों को उम्रकैद की सजा

मामला 17 जून 2019 को रामगढ़ थाने में दर्ज हुआ था। परिवादी कंवरपाल ने रिपोर्ट में बताया

अलवर। अलवर के एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने हत्या के करीब 7 साल पुराने मामले में 10 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक आरोपी पर 28,700 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले में आरोपी महिला को कोर्ट ने बरी कर दिया।एडीजे-3 जज ज्योति के. सोनी ने 24 गवाहों के बयान और 77 दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर यह फैसला सुनाया। दोषियों ने मामूली विवाद में एक बुजुर्ग की हत्या कर दी थी। सरकारी वकील अजीत यादव ने बताया- मामला 17 जून 2019 को रामगढ़ थाने में दर्ज हुआ था। परिवादी कंवरपाल ने रिपोर्ट में बताया था कि 15 जून 2019 को खेतों के पास मोटरसाइकिल तेज चलाने की बात को

- **एडीजे-3 कोर्ट ने 28,700 रुपए जुर्माना भी लगाया ; बुजुर्ग का किया था मर्डर**

लेकर पड़ोसी कश्मीर के भांजे सुनील और मांदला खुर्द निवासी देवकी से कहासुनी हुई थी। बाद में दोनों पक्षों ने बैठकर मामला निपटा लिया था। इसके बाद 17 जून की शाम करीब 6 बजे कंवरपाल की भाभी भीमवती अपनी बोरिंग पर अकेली थी। तब प्रकाश, कुर्शीद उर्फ कुर्री, सुनील, वीरवती, करण सिंह, ओमसिंह, भीमसिंह, कश्मीर, धनसिंह, लालाराम, मेवाराम, अजीत, रोहताश, गब्बर, मुकेश सहित अन्य लोग वहां पहुंचे और भीमवती के साथ मारपीट करने लगे। उसके शोर मचाने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। हमले में कंवरपाल के पिता बंशी (77) सहित कई लोग घायल हुए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बंशी की मौत हो गई थी। परिवादी ने आरोप लगाया था कि आरोपी धारदार हथियार और बंदूक लेकर आए थे। कोर्ट ने सुनवाई के बाद प्रकाश, भीम सिंह, मुकेश, ओम सिंह, करण, लालाराम, मेवाराम, सुनील, कुर्शीद उर्फ कुर्री और धनसिंह को हत्या के मामले में दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। वहीं आरोपी महिला वीरवती को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया।

निजी स्कूलों का डाटा अब तक अपलोड नहीं

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा सत्र 2026-27 को लेकर लापरवाही बरतने वाले जिलों को अंतिम चेतावनी दी है। शिक्षा विभाग ने पीएसपी पोर्टल पर गैर सरकारी विद्यालयों के विद्याथिर्यों की संख्या का अद्यतन नहीं करने पर कड़ा रुख अपनाया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों (पीएसपी) को अति आवश्यक स्मरण पत्र जारी किया गया है।

निदेशालय के पहले के पत्र के अनुसार सभी जिलों को गैर सरकारी विद्यालयों के कक्षा 09 व 10 तथा कक्षा 11 व 12 के विद्याथिर्यों की संख्या 07 दिवस के भीतर पीएसपी पोर्टल पर अपलोड करनी थी। इस कार्य की अंतिम तिथि 01.09.2026 तय की गई थी। लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी कई जिलों ने अभी तक शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज नहीं की है। कई जिलों की प्रगति अभी भी शून्य/परफोरमेंस कमजोर है, जिसे निदेशालय ने गंभीरता से लिया है।

पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि प्रभावी प्रबोधन और समन्वय करते हुए गैर सरकारी विद्यालयों की संख्या को अविलंब पीएसपी पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि इस संबंध में कार्यवाही पूर्ण नहीं की गई तो उत्पन्न होने वाली किसी भी विपरीत परिस्थिति के लिए संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। इसे सवोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

जंगल में मिला युवक का शव, हाथ में लगा मिला सीरिज

मस्तराज करीब एक साल से नशा मुक्ति केंद्र में इलाज करवा रहा

टोंक। देवली थाना थाना क्षेत्र के गणेश रोड स्थित रामद्वारा के पीछे जंगल इलाके में गुरुवार को 27 साल के एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को देकर मौके पर बुलाया, जिसके बाद देवली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

- **थाना क्षेत्र के गणेश रोड स्थित रामद्वारा के पीछे जंगल इलाके में गुरुवार को 27 साल के एक युवक का शव संदिग्ध हालत में मिला। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को देकर मौके पर बुलाया, जिसके बाद देवली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया**
- **मामले की जांच शुरू कर दी है**

देवली थाना प्रभारी प्रीति ने बताया कि मृतक की पहचान दांता ढाणी निवासी मस्तराज पुत्र शिवसिंह मीणा के रूप में हुई है। पुलिस ने सूचना देकर उसके जीजा फतेहलाल मीणा को बुलाकर शव की पहचान की गई, इस दौरान मौके पर मृतक के हाथ में एक सिरिंज लगी मिली, जिससे पहली नजर में नशे के सेवन की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक, मस्तराज करीब एक साल से शहर के कोटा रोड स्थित नशा मुक्ति केंद्र में इलाज करवा रहा था, बताया गया कि केंद्र में रहते हुए भी वह नशा करता था।

पुलिस के अनुसार, मस्तराज इसके बाद गणेश रोड स्थित रामद्वारा के पीछे बबूल के पेड़ों वाले इलाके में पहुंचा, यहां एक बाबा का स्थान भी है, जहां लोग पूजा करते हैं। गुरुवार सुबह वह एक सफेद कट्टे पर मृत मिला, उसने काली जींस और शर्ट पहन रखी थी। उसके पास एक बैग भी मिला। बैग के पास पुलिस को एक पर्ची मिली, जिस पर मोबाइल नंबर लिखा था। पुलिस ने उस नंबर पर संपर्क किया, जिसके बाद मृतक के परिजनों की पहचान हो सकी। हालांकि, मौत के असली कारणों का पता जांच और मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा।

कौन बनेगा झुंझुनूं नगर परिषद का सभापति?

झुंझुनूं। झुंझुनूं जिले में नगर निकाय के प्रथम चरण का मतदान 9 सितंबर को हुआ है वहीं दूसरे चरण का मतदान भले ही 11 सितंबर को होना है, लेकिन झुंझुनूं में सभापति की कुर्सी को लेकर सियासी शतरंज अभी से शुरू हो गई है। गुरूवार को भाजपा ने अपने समर्थित पार्षद प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी कर राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रही कि झुंझुनूं से भाजपा विधायक राजेंद्र भांबू के आवास पर भाजपा प्रत्याशियों के साथ कई निर्दलीय प्रत्याशी भी पहुंचे। दोपहर से जुटे प्रत्याशियों को देर शाम दो बसों से एक अज्ञात स्थान के लिए रवाना किया गया। सभी प्रत्याशी अपने बैग लेकर पहुंचे थे। आधिकारिक तौर पर उन्हें कहां ले जाया गया, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन राजनीतिक संदेश साफ माना जा रहा है- भाजपा मतदान से पहले अपने संभावित समर्थकों को एकजुट रखने के साथ-साथ 14 सितंबर के बाद बनने वाले बोर्ड के गणित पर भी नजर रख रही है।

भाजपा के साथ निर्दलीय... आखिर क्यों? : जानकारी के अनुसार विधायक आवास पर भाजपा प्रत्याशियों के साथ आजम भाटी, जब्बार फुल्का, इशाक फुल्का, खादिम खोकर, इदरीश मिंडा, पिंटू कुमावत और मनोज सहित निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी ने सबसे ज्यादा सवाल खड़े किए हैं। इनमें कुछ प्रत्याशियों के परिवार के सदस्य संबंधित वार्डों से चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में यह साफ है कि चुनावी मुकाबला अब केवल भाजपा बनाम कांग्रेस नहीं रह गया है। यदि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो यही निर्दलीय चेहरे बोर्ड की सत्ता की चाबी बन सकते हैं।

सभापति की दौड़ में कौन-कौन-

झुंझुनूं नगर परिषद में सभापति पद को लेकर अभी आधिकारिक रूप से कुछ तय नहीं है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कई नाम चर्चा में हैं। जिनमें प्रमुख रूप से भाजपा के झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू के दामाद और वार्ड नंबर 49 से भाजपा प्रत्याशी मनु धनखड़ यदि विजय का परचम फहराते हैं तो निर्दलीय प्रत्याशियों के साथ जोड़- तोड़ कर उनका सभापति बनना लगभग तय माना जा रहा है वहीं कांग्रेस समर्थित निर्दलीय पूर्व उपसभापति वीरेंद्र डारा, कांग्रेस के अब्दुल्ला अगवान, कांग्रेस के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष तैयब अली, भाजपा के डॉ. राजेश बाबल, भाजपा के लीलाधर जाखड़ , भाजपा के गुलजारीलाल शर्मा , प्रमोद जानू के सभापति बनने को लेकर भी जन चर्चाएं चल रही हैं। इनमें लीलाधर जाखड़ की दावेदारी को राजनीतिक रूप से इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि वे पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार के दामाद और भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि के ननदोई हैं।

मकान का ताला तोड़ चोरों ने उड़ाए कीमती बर्तन

अजमेर, (कासं)। शहर के क्लॉक टावर पुलिस थाना क्षेत्र में चोरों ने एक पुश्तैनी मकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मकान में रखे कांसा और पीतल के कीमती बर्तन, कपड़े सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में चोरी की वारदात को लेकर चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार केसरगंज स्थित प्लाजा सिनेमा के पीछे राजेश चतुर्वेदी का पुश्तैनी मकान है। बताया जा रहा है कि मकान बंद था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर प्रवेश कर गए। चोरों ने मकान में रखे सामान को खंगालने के बाद वहां मौजूद कांसा और पीतल के कीमती बर्तनों के साथ कपड़े तथा अन्य सामान अपने कब्जे में ले लिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद चोर मौके से फरार हो गए। मकान का ताला टूटा मिलने और सामान अस्त-व्यस्त होने पर चोरी की घटना का पता चला। इसके बाद मकान मालिक राजेश चतुर्वेदी ने मामले की शिकायत क्लॉक टॉवर पुलिस थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के

- **क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में वारदात, कांसे-पीतल के बर्तन, कपड़े समेत अन्य सामान चोरी; पीड़ित ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत**
- **मकान मालिक राजेश चतुर्वेदी ने मामले की शिकायत क्लॉक टॉवर पुलिस थाने में दर्ज कराई।**

आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटा रही है। फिलहाल चोरी गए सामान की पूरी कीमत और मात्रा का आकलन किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद चोरी की वारदात से जुड़े आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

चुनावी रंजिश ने लिया हिंसक रूप : कांग्रेस प्रत्याशी के बेटे पर हमला

सिंघाना। सिंघाना नगरपालिका चुनाव के बीच चुनावी विवाद ने बुधवार रात हिंसक रूप ले लिया। गाड़ियों में सवार होकर आए युवकों पर कांग्रेस प्रत्याशी के बेटे और उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक से मारपीट करने का आरोप लगा है।

मारपीट में गंभीर रूप से घायल एक युवक को प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं रेफर किया गया। मामले को लेकर वार्ड 24 निवासी अशोक कुमार पुत्र बाबूलाल सैनी ने सिंघाना थाने में रिपोर्ट देकर घर में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो जनों को डिटेन किया है।

चुनाव नहीं लड़ने की बात कहकर शुरू किया विवाद - पुलिस को दी रिपोर्ट में अशोक कुमार ने बताया कि उसकी माता राजबाला सिंघाना नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस की ओर से पार्षद पद की प्रत्याशी हैं। मंगलवार रात करीब 11 बजे वह राधेश्याम सैनी के घर के पास बने बाड़े में मुलचंद पुत्र बनवारी लाल के साथ बैठकर बातचीत कर रहा था।

पागल कुत्ते के काटने से 1500 से अधिक पशुओं में रैबीज का खतरा

छत्तरगढ़। जिले की छत्तरगढ़ में सील की लूणखां ग्राम पंचायत अंतर्गत चक 1 एमएमडब्लूयूएम में एक पागल कुत्ते के काटने से तीन गाएं और एक भेड़ की मौत हो गई है तथा एक गाय को आइसोलेशन में रखा गया है। 1500 से अधिक पशुओं के संक्रमित होने की आशंका है। इन पशुओं का दूध पीने वाले ग्रामीणों में दहशत है।

जानकारी के अनुसार चक 1 एमएमडब्लूयूएम में रेवड़ चराने वाले एक पशुपालक के साथ रहने वाला कुत्ता पागल हो गया था। उसने कई भेड़ों और गायों को काट लिया। घटना तीन दिन पहले की है। अगले ही दिन कुत्ते की मौत हो गई। इस दौरान गायों का दूध और छाछ भी ग्रामीणों ने पी ली। पशुओं को पागल कुत्ते के काट लेने की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सरपंच अभिमन्यु सिंह भाटी की सूचना छत्तरगढ़ एसडीएम पवन सुथार, ब्लॉक सीएमएचओ डॉ. मुकेश मीणा और वेटरनरी डॉक्टर मोइनुद्दीन पंवार की टीम गांव में पहुंची। एहतियात के तौर पर पशुओं और ग्रामीणों को वैक्सीनेशन शुरू कर दिया गया है। एंटी रेबीज के पांच सौ वॉयल गोगागेट स्थित जिला पशुपालन अधिकारी कार्यालय से भेजी गई है। आस-पास के गांवों से भी इंजेक्शन मंगवाए गए हैं। डॉ. मुकेश मीणा ने बताया कि ग्रामीणों में खतरे की कोई बात नहीं है। हालांकि दूध पीने से रेबीज नहीं होता। ग्रामीणों के डर को देखते हुए पशुओं का दूध पीने से फिलहाल मना कर दिया गया है। लूणखां में रैबीज रोधी टीकाकरण शिविर लगाया चक 1 एमएमडब्लूयूएम में पागल कुत्ते के पशुओं को काटने की घटना के बाद बुधवार को लूणखां पंचायत में रैबीज का वैक्सीनेशन करने के लिए कैंप लगाया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, WD&SC, DIVISION, KAMAN

File no. WDSC/Nividha/MJSA-2.2//2026-27/140-47 Date: 04/09/2026

NOTICE INVITING BID

NIB No 07-14/2026-27

Bids for Field bunding with waste weir, Talai nirman, Pokhar khudai, talai khudai. Contour bunding with waste weir, Bank stabilization nirman, ECD Nirman. Farm pond Nirman. MPT Nirman. Sunken pond Nirman, Rooftop water harvest with recharge shaft, Mini Percolation tank(MPT). Pl, Recharge shaft, talab, sunken pond and bank stabilization of estimated value 71.49 | akhs, 63.14 1 akhs and 31.37 Lakhs Block Kaman and estimated value 7.16 Lakhs, 55.50 Lakhs and 55.37 Lakhs Block Pahari and estimated value 36.09 Lakhs and 68.86 Block Nagar are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 14.09.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https:/ / sppp. rajasthan. gov.in/) of the state and department website (https:// eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/).

NIB Code- WSC2627A1201
UBN Code- WSC2627WSOB02167
UBN Code- WSC2627WSOB02168
UBN Code- WSC2627WSOB02169
UBN Code- WSC2627WSOB02170
UBN Code- WSC2627WSOB02171
UBN Code- WSC2627WSOB02172
UBN Code- WSC2627WSOB02173
UBN Code- WSC2627WSOB02174

EXECUTIVE ENGINEER
WD &SC DIVISION KAMAN

DIPR/C/15715/2026

खरखड़ा के पास ट्रोले से भिड़ी बाइक, युवक गंभीर घायल

खेतड़ी। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के खरखड़ा के पास गुरूवार को ट्रोले और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

आसपास के लोगों ने घायल को तत्काल खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार सोलाना निवासी अनिल पुत्र राजेंद्र (26) गुरूवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बाइक से खेतड़ी से अपने गांव सोलाना की ओर जा रहा था।

इसी दौरान खरखड़ा के पास उसकी बाइक ट्रोले से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अनिल गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बाइक बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को संभाला और उपचार के लिए खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में डॉ. हिमांशु लंबोरा की टीम ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों ने जांच के बाद अनिल की हालत गंभीर पाए जाने पर उसे बेहतर उपचार के लिए जयपुर रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन घायल को लेकर जयपुर रवाना हो गए।

इधर, हादसे की सूचना मिलने पर खेतड़ीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। पुलिस ने हादसे के कारणों तथा दुर्घटना से संबंधित अन्य पहलुओं की जानकारी ली। हादसे में बाइक पूरी तरह क्षितग्रस्त हो गई।

खिड़ी तोड़ चोरी की

सीकर । मंदिर की साइड की खिड़की तोड़कर चोरी करने का मामला सामने आया है। नाबालिग का अश्लील वीडियो वायरल किया गया। वहीं एक कोचिंग स्टूडेंट भी लापता हो गया। पुलिस सभी मामलों में जांच कर रही है। साइड की खिड़की तोड़कर मंदिर में चोरी सीकर के कोतवाली थाना इलाके में धोद रोड पर स्थित ज्योति हनुमान मंदिर में चोरी का मामला सामने आया है। यहां चोरों ने 9 सितंबर की रात साइड की खिड़की तोड़कर मंदिर से दानपात्र में रखे रुपए सहित अन्य सामान चोरी कर कर कर लिया। सीकर में 18 साल के कोचिंग स्टूडेंट के लापता होने का मामला सामने आया है। 18 साल के स्टूडेंट की मां के अनुसार उनका बेटा नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा है। जो 8 सितंबर की सुबह करीब 6:30 बजे घर से बैग लेकर निकला था।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव में ब्यावर की बेटी ऐश्वर्या यादव चयनित

भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए ऐश्वर्या यादव आज येकातेरिसबर्ग (रुस) के लिए रवाना होगी ।

ब्यावर (निसं) रूस के येकातेरिनबर्ग में 11 से 17 सितंबर तक आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव में ऐश्वर्या यादव का चयन हुआ है। ऐश्वर्या यादव वनस्थली विद्यापीठ, निवाई (टोंक) में स्नातक ही छात्रा है। अन्तर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव में शेक्षिणक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों यथा समूह चर्चा (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर), वाद-विवाद नेतृत्व कौशल विकास, युवाओं के विचार और नई सोच पर चर्चा आदि विषयों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए आज येकातेरिसबर्ग (रुस) के लिए रवाना हो रही है।

ज्ञातव्य है कि ऐश्वर्या यादव की माता आशा संत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुरा दूदा और पिता नेमी चन्द यादव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजियावास में प्राचार्य पद पर रहकर शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे है। गौरतब है की अन्तर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव में ऐश्वर्या यादव का चयन पूर्ण रूप से राजकीय व्यय पर हुआ है। ऐश्वर्या ने बातचीत के दौरान बताया की अपनी मेहनत के साथ साथ ईश्वर और माता पिता की प्रेरणा और आशीर्वाद से इस मुकाम तक पहुंच सकी हूँ।

Rajasthan Water Grid Corporation Limited

Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER PIU BARAN, Address :- IMTI Campus, Dadabari Road Kota, Rajasthan, Email ID – piu2kota.ercpc@gmail.com

क्रमांक :- GM/PIU/NIB-02/2025-26/1435 दिनांक :- 08/09/2026

e-NIB No.- 02/2026-27

On behalf of the Governer of Rajasthan e-Tender are invited from eligible Bidders for the works-

Item no. 01 "Clearance of jungle and demarcation of Rehabilitation colony of mahalpur barrage at village- Ramgarh, GP- Ramgarh, Tehsil-Kishanganj, Dist-Baran (Raj.)"(Estimated cost Rs. 2188296) for the period of 06 months including Rainy Season from 04.09.2026 (9:30 Hr) to 14.09.2026 till 18:00 Hr.

Item no. 02 "Clearance of jungle and demarcation of Rehabilitation colony of mahalpur barrage at village- Ishwarpura, GP- Ishwarpura, Tehsil-Mangrol, Dist-Baran (Raj.)"(Estimated cost Rs. 2489023) for the period of 06 months including Rainy Season from 04.09.2026 (9:30 Hr) to 14.09.2026 till 18:00 Hr.

Item no. 03 "Clearance of jungle and demarcation of Rehabilitation colony of mahalpur barrage at village- Koyla, GP- Koyal, Tehsil-Baran, Dist-Baran (Raj.)" (Estimated cost Rs. 3661925) for the period of 06 months including Rainy Season from 04.09.2026 (9:30 Hr) to 14.09.2026 till 18:00 Hr.

Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.nic.in, www.dipr.rajasthan.gov.in.

NIB CODE: ERP2627A0025
UBN No. : Item No 01: ERP2627WSOB00025
Item No 02: ERP2627WSOB00026
Item No 03: ERP2627WSOB00027

General Manager
RWGCL PIU, Baran

Raj.Samwad/C/26/10560

जयपुर के 150 वार्डों में मतदान आज, 24 लाख मतदाता चुनेंगे अपना पार्षद

2256 बूथों पर होगी वोटिंग, 723 प्रत्याशी चुनावी रण में भाग्य आजमा रहे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में पार्षद चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। चुनाव मैदान में 723 प्रत्याशी हैं, जिनके जीत-हार का फैसला 24 लाख 33 हजार 121 मतदाता करेंगे। इस मतदान के लिए जिला निर्वाचन शाखा ने 2 हजार 256 पोलिंग बूथ बनाए हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम को निर्धारित स्ट्रांग रूम में जमा कराया जाएगा। चुनाव परिणाम 14 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। इसके बाद नगर निगम में महापौर और उप महापौर के चुनाव की प्रक्रिया होगी। महापौर पद के लिए 21 सितंबर और उप महापौर पद के लिए 22 सितंबर को चुनाव कराया जाएगा। ऐसे में शुक्रवार का मतदान जयपुर नगर निगम की नई राजनीतिक तस्वीर तय करने वाला होगा।

भाजपा-कांग्रेस के 149-149 प्रत्याशी

150 वार्डों में प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस के 149-149 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। वहीं 425 प्रत्याशी निर्दलीय अथवा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं। मतदान के साथ ही सभी 723 प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद हो जाएगा।

नगर निगम चुनाव में 18 वार्ड ऐसे हैं, जहां केवल दो-दो प्रत्याशी मैदान में हैं। इन वार्डों में सीधे मुकाबले में जीत-हार का फैसला होगा। इनमें वार्ड नंबर 41, 42, 45, 49, 52, 53, 60, 83, 90, 91, 94, 122, 123, 129, 131, 142 और 150 शामिल हैं। वहीं 35 वार्डों में तीन-तीन प्रत्याशी मैदान में हैं, जिससे इन वार्डों में त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बनी हुई है।

- 18 वार्डों में सीधा मुकाबला, वार्ड 62 में सबसे ज्यादा 13 प्रत्याशी
- महापौर के लिए 21 सितंबर और उप महापौर पद के लिए 22 को होगा चुनाव

वार्ड 62 में सबसे ज्यादा 13 प्रत्याशी

जयपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 62 में सबसे ज्यादा 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा चार वार्ड ऐसे हैं, जहां 10 से अधिक प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। ऐसे वार्डों में निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशी प्रमुख दलों के समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। नगर निगम के 150 वार्डों में से 50 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। आरक्षण के चलते इन वार्डों में महिला प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या भी महत्वपूर्ण रहेगी।

2256 बूथों में से 652 क्रिटिकल

मतदान के लिए नगर निगम क्षेत्र में कुल 2256 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इनमें 652 बूथ क्रिटिकल श्रेणी में हैं। इन बूथों पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन और पुलिस की ओर से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान के लिए मतदान दलों की रवानगी, ईवीएम और चुनाव सामग्री सहित आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। इन 150 वार्डों में मतदान के लिए गुरुवार को सीकर रोड स्थित श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी से 2256 मतदान दलों को बूथों के लिए रवाना किया गया। पोलिंग पार्टियों को रवाना करने से पहले अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद उन्हें ईवीएम सहित चुनाव सामग्री उपलब्ध कराकर निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया।

6.80 करोड़ के ''बॉस स्कैम'' में बैंक खाता उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार

कमीशन के बदले ठगों को दिया था खाता, अब तक 8 गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की केंद्रीय साइबर क्राइम थाना टीम ने 6.80 करोड़ रुपए के ''बॉस स्कैम'' मामले में एक और आरोपी को बाड़मेर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तगाराम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसने साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए अपना बैंक खाता कमीशन के बदले उपलब्ध कराया था। इस मामले में अब तक 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम विजय कुमार सिंह ने बताया कि अनुसंधान के दौरान तगाराम की भूमिका सामने आई। बैंक रिकॉर्ड और तकनीकी जांच में पता चला कि आरोपी ने अपना बैंक खाता हरेन्द्र उर्फ हनी को उपलब्ध कराया था। इसी खाते में 24 अगस्त 2026 को 2.50 लाख रुपए आए थे। इसके बाद तगाराम, हरेन्द्र के साथ बैंक पहुंचा और खाते से रकम निकालने का प्रयास किया।

जांच में सामने आया कि गिरोह साइबर ठगी की रकम को खपाने के लिए म्यूल बैंक खाते, एटीएम, चेक, यूपीआई, क्यूआर कोड, डिजिटल वॉलेट और यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी का सुनियोजित इस्तेमाल करता था।

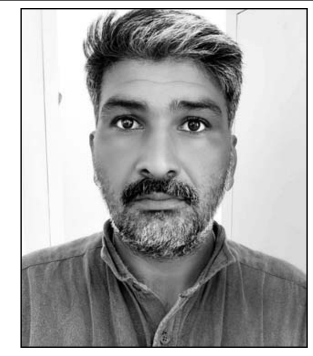

आरोपी तगाराम

पुलिस के अनुसार गिरोह फर्जी टेलीग्राम ग्रुप के जरिए फर्जी अथवा म्यूल बैंक खातों, एटीएम, सिम और पासबुक की किट उपलब्ध कराई जाती थी। ठगी की रकम म्यूल खातों में पहुंचने के बाद उसे एटीएम या चेक से नकद निकालने अथवा यूपीआई, क्यूआर कोड, सीडीएम और अन्य बैंक खातों में तत्काल ट्रांसफर किया जाता था। कई खातों में रकम की लेयरिंग करने के बाद उसे यूएसडीटी या अन्य क्रिप्टो करेंसी में बदलकर आगे भेजा जाता था। इसके लिए बाइनेंस जैसे क्रिप्टो प्लेटफॉर्म और टेलीग्राम पर उपलब्ध क्यूआर कोड का इस्तेमाल किया जाता था।

- म्यूल खातों से रकम घुमाकर यूएसडीटी में तब्दील करते थे आरोपी

पहचान या व्हाट्सऐप के जरिए लोगों को विश्वास में लेकर ठगी करता था। इसके बाद रकम को म्यूल खातों में मंगाकर एटीएम, चेक, यूपीआई, सीडीएम व क्यूआर कोड से निकालने या ट्रांसफर करने और विभिन्न खातों में लेयरिंग के बाद क्रिप्टो करेंसी के जरिए नेटवर्क के मास्टरमाइंड तक पहुंचाया जाता था। पुलिस टीम व्हाट्सऐप रिकॉर्ड, सीडीआर, सीएएफ आईडी, आईपीडीआर और बैंकिंग ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण कर रही है। रकम आगे किन खातों में पहुंची और नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच जारी है। यह कार्रवाई डीआईजी साइबर क्राइम शान्तनु कुमार सिंह के निर्देशन में केंद्रीय साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर के थानाधिकारी एवं डीएसपी गजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने की। टीम में पुलिस निरीक्षक नीरज कुमार, एएसआई राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल बृजलाल और कांस्टेबल सच्चिदानन्द शामिल रहे।

13वीं मंजिल से नीचे गिरे युवक की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मानसरोवर इलाके में न्यू आतिश मार्केट स्थित एक मल्टीस्टोरी बिल्डिंग की 13वीं मंजिल से गिरने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक बिल्डिंग की छत पर अकेला पहुंचा था। घटना 4 सितंबर की शाम की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि युवक को सेल्फी लेने और रील बनाने का शौक था। आशंका है कि छत पर लगी करीब ढाई फीट ऊंची लोहे की रेलिंग पर चढ़कर सेल्फी लेने और रील बनाने के प्रयास में उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया।

मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के अनुसार सोडाला निवासी गौरव शर्मा (22) की 4 सितंबर की शाम 13वीं मंजिल से गिरने से मौत हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर खुदकुशी के एंगल से जांच शुरू की। जांच के दौरान गौरव के मोबाइल में घटना से कुछ समय पहले ली गई एक सेल्फी मिली। पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। जांच में सामने आया कि गौरव अकेला ही बिल्डिंग की छत पर पहुंचा था।

- पुलिस जांच में सामने आया कि युवक को सेल्फी लेने और रील बनाने का शौक था। आशंका है कि छत पर लगी करीब ढाई फीट ऊंची लोहे की रेलिंग पर चढ़कर सेल्फी लेने और रील बनाने के प्रयास में उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया।

पुलिस के अनुसार बिल्डिंग की छत पर करीब ढाई फीट ऊंची लोहे की रेलिंग लगी है। रेलिंग पर गौरव के पैरों के निशान भी मिले हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि वह ऊंचाई पर जाकर सेल्फी लेने या रील बनाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों से पूछताछ में भी सामने आया कि गौरव को सेल्फी लेने और रील बनाने का शौक था। वह करीब एक साल से एक आईटी कंपनी में इंजीनियर के पद पर काम कर रहा था। सप्ताह में दो दिन जयपुर के सीतापुरा स्थित कार्यालय जाता था, जबकि चार दिन घर से काम करता था।

पुलिस के अनुसार गौरव का घर सोडाला क्षेत्र में है। परिजनों से पूछताछ में यह भी सामने आया कि गौरव ने परिवार को ऐसी जगह के बारे में बताया था, जहां ऊंचाई से पूरा जयपुर शहर नजर आता है। घटना वाले दिन 4 सितंबर को वह महिमा पार्क जाने की बात कहकर घर से निकला था। वहां से मेट्रो के जरिए न्यू आतिश मार्केट पहुंचा और बिल्डिंग की छत पर अकेला चला गया। छत पर रेलिंग पर चढ़कर उसने सेल्फी ली और रील बनाने के प्रयास के दौरान नीचे गिर गया।

थानाधिकारी सतीशचंद ने बताया कि गौरव का परिवार मूल रूप से दूधली, बस्सी का रहने वाला है। वह रामनगर, सोडाला में अपनी मां और बहन के साथ रहता था। गौरव के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। हादसे के बाद उसकी मां सदमे में है। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ब्लिंकिट और जैप्टो के डार्क स्टोर पर खाद्य सुरक्षा टीम की छापेमारी

जयपुर । खाद्य सुरक्षा टीम ने आदर्श नगर स्थित ''ब्लिंकिट'' के डार्क स्टोर तथा जगतपुरा स्थित ''जैप्टो'' के डार्क स्टोर पर छापेमारी की। दोनों जगहों पर 2350 किलो से ज्यादा डेयरी उत्पाद व 7 किलो एक्सापायरी खाद्य सामग्री नष्ट करायी। अब खाद्य सुरक्षा विभाग दोनों स्टोर्स के संचालकों को नोटिस जारी करेगा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आयुक्त अविचल चतुर्वेदी व संयुक्त आयुक्त विजय प्रकाश शर्मा की मौजूदगी में आदर्श नगर में फतेह टीबा स्थित ''ब्लिंकिट'' वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। जांच में सबसे गंभीर लापरवाही कोल्ड स्टोरेज के तापमान को लेकर मिली। यहां 5 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रखे जाने वाले खाद्य पदार्थों के स्टोरेज में तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस पाया गया। इसके चलते करीब 800 पैकेट मिल्क प्रोडक्ट नष्ट करवाए गए। जांच के दौरान करीब 24 पैकेट अमूल बटर, 60 बोतल बॉम्बे बंटा जूस, 11 पाउच लो-फैट दूध, ट्रॉपिकाना जूस, काउ घी तथा करीब 1400 मिलीलीटर अमूल टोंड मिल्क सहित क्षितग्रस्त और अवधि पार सामग्री भी मिली, जिसे मौके पर नष्ट कराया गया। इसी तरह जगतपुरा स्थित जैप्टो के डार्क स्टोर पर करीब 1550 पैकेट डेयरी उत्पाद, 100 किलो क्षतिग्रस्त और 7 किलो अवधि पार खाद्य सामग्री मौके पर ही नष्ट करवाई गई। मैसर्स जे.डी.एस. मार्केटिंग के इस वेयरहाउस में कोल्ड रूम और डीप फ्रीजर में डेयरी उत्पादों के भंडारण का तापमान 6 से 14 डिग्री सेल्सियस पाया गया, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। इसके चलते सरस एवं अमूल के दूध, दही और छाछ के करीब 1550 पैकेट नष्ट करवाए गए। वेयरहाउस में करीब 100 किलो क्षितग्रस्त खाद्य सामग्री बिना 'नॉट फॉर सेल' टैग के मिली। वहीं मूसली, कैंडी और भुजिया समेत करीब 7 किलो अवधि पार सामग्री भी बिक्री के लिए रखी मिली, जिसे जब्त कर नष्ट करवाया गया। स्टोर में पान मसाला-जर्दा के थूक के निशान, गंदगी, टूटे व जंग लगे रैक मिले। एयर कर्टेन नहीं लगा था।

रीको प्रशासन ने औद्योगिक भूखंडों के उपयोग की समय सीमा में राहत दी

जयपुर (कासं)। प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने तथा उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में रीको द्वारा नियमों का सरलीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में निगम ने रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स, 1979 के नियम 21 एवं नियम 3(एजे) में आंशिक संशोधन किया है।

संशोधन के तहत, यदि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटित होता है जहां आधारभूत सुविधाएं नहीं है तो औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित होने तक उसे परियोजना के विभिन्न मध्यवर्ती चरणों को पूर्ण करने तथा इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में लाने की निर्धारित समय-सीमा में राहत मिलेगी। यह राहत औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित होने की तिथि से एक वर्ष तक की अवधि के रूप में उपलब्ध होगी।

वर्तमान में ई-नीलामी अथवा प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के अंतर्गत भूखण्ड आवंटन के पश्चात एक माह की अवधि में कब्जा प्राप्त किया जाना आवश्यक है। निर्धारित अवधि में कब्जा प्राप्त नहीं किए जाने पर डीम्ड पजेशन मानते हुए भूखण्ड पर निर्माण पूर्ण कर इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में लाने की समयसीमा की गणना प्रारंभ हो जाती है।

जिन परियोजनाओं में पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक नहीं है, उनके लिए वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने की अवधि दो वर्ष तथा पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक होने वाली परियोजनाओं के लिए तीन वर्ष निर्धारित है। ऐसी स्थिति में कई बार औद्योगिक क्षेत्र में अप्रोच रोड, आंतरिक सड़क एवं विद्युत जैसी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के बावजूद निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजना को पूर्ण करने का दायित्व उद्यमी पर रहता था। निर्धारित मध्यवर्ती अनुक्रमों को समय पर पूरा नहीं करने की स्थिति में पेनल्टी का भी प्रावधान था।

- इस संशोधन के तहत, ''यदि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटित होता है जहां आधारभूत सुविधाएं नहीं है तो औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित होने तक उसे परियोजना के विभिन्न मध्यवर्ती चरणों को पूर्ण करने तथा इकाई को वाणिज्यिक उत्पादन में लाने की निर्धारित समय-सीमा में राहत मिलेगी।''

रीको को उद्यमियों द्वारा इस समस्या से अवगत कराया गया कि आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के अभाव में निर्धारित समय-सीमा में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। उद्यमियों ने मांग रखी कि औद्योगिक क्षेत्र को विकसित घोषित किये जाने के पश्चात् उत्पादन शुरू करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाये।

इन व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए रीको द्वारा नियमों में संशोधन किया गया। संशोधित प्रावधानों के अनुसार, जिन परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक नहीं है, उन्हें भूखण्ड आवंटन की तिथि से दो वर्ष की अवधि अथवा औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित किए जाने की तिथि से एक वर्ष की अवधि, जो भी बाद में हो, के भीतर वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करना होगा। इसी प्रकार, जिन परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति आवश्यक है, उन्हें भूखण्ड आवंटन की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा औद्योगिक क्षेत्र के विकसित घोषित किए जाने की तिथि से एक वर्ष की अवधि जो भी बाद में हो, के भीतर वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करना होगा।

चोरी करवाई

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में 10वीं के 16 वर्षीय छात्र को उसके सहपाठी और बालिग साथी ने जान से मारने की धमकी देकर अपने ही घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी करवाए। आरोपियों ने छात्र को मोबाइल देकर लगातार निर्देश दिए। छात्र ने अलमारी से सोने के तीन सेट, बाली, हार, अंगूठी, नथ, पेंडेंट, चांदी का कड़ा और पायजेब चोरी कर उन्हें सौंप दिए।

'इस वर्ष लंपी रोग से 16 गौवंश की मौत, 4500 का उपचार जारी'

जयपुर । पशुपालन, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रदेश में लम्पी रोग को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार पूरी तरह सतर्क है और रोकथाम के सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। प्रभावित गौवंश को तत्काल आइसोलेट कर उपचार की व्यवस्था की गई है तथा विभाग के पास पर्याप्त मात्रा में औषधियां उपलब्ध हैं।

मंत्री ने बताया कि इस वर्ष पूर्वी राजस्थान, विशेषकर भरतपुर और डीग में लम्पी के मामले अधिक हैं, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। अब तक दोनों जिलों में लम्पी से 16 गौवंश की मृत्यु हुई है। अधिकांश पशुओं को रोगमुक्त किया जा चुका है, जबकि करीब 4500 गौवंश का उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि रोग की रोकथाम में टीकाकरण और जागरूकता अभियान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2026-27 में करीब 90 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण किया जा चुका है। पिछले वर्ष भी दो माह के टीकाकरण अभियान में करीब 95 प्रतिशत गौवंश का टीकाकरण हुआ था, जिससे रोग को समय रहते नियंत्रित कर पशुहानि को लगभग नगण्य रखा गया। मंत्री ने कहा कि लम्पी संक्रामक रोग है, जिससे मुख्य रूप से गौवंश प्रभावित होता है। विभाग ने रोग के सर्वेक्षण, निदान और नियंत्रण के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने पशुपालकों से गौवंश की विशेष निगरानी रखने, बीमार पशुओं को अन्य पशुओं से अलग रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल पशु चिकित्सा संस्थान या पशु चिकित्सक से संपर्क करने की अपील की।

गीत पर आपत्ति

जयपुर। फिल्म ''मिर्जापुर द मूवी'' में महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और त्याग को समर्पित ''शूरवीर'' गीत के कथित अनुचित इस्तेमाल को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा विधायक राजेंद्र राठौड़ ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यान आकर्षित किया है।

सार-समाचार

मानसून संस्कृति का उत्सव 19 को

जयपुर। राजस्थान में बारिश महज मौसम नहीं, बल्कि लोकजीवन, संगीत, कला और परंपराओं से जुड़ी सांस्कृतिक अनुभूति है। इसी रंग को उत्सव का रूप देते हुए 'बारिश-आर्ट। म्यूजिक। मानसून।' का आयोजन 19 सितंबर को होटल क्लार्क्स आमेर में होगा। एक्सक्यूरेटर्स द्वारा क्यूरेट एवं निर्मित इस आयोजन में लोक संगीत, सूफी सुर, लोक-कथाओं, शिल्प, खान-पान और विविध सांस्कृतिक अनुभव देखने को मिलेंगे। शाम की शुरुआत बाड़मेर बॉयज़ की प्रस्तुति से होगी, जो थार की लोक परंपराओं, लोकधुनों और रेगिस्तानी जीवन को संगीत के जरिए सामने रखेंगे। इसके बाद डॉ. वामिक सैफी कहानी, संगीत और साहित्य के माध्यम से मानसून से जुड़ी स्मृतियों और भावनाओं को प्रस्तुत करेंगे। एक्सक्यूरेटर्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मिनहाल हसन ने कहा कि प्रदेश की शुष्क धरती पर मानसून का आगमन सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में नई ऊर्जा लाता है।

'धर्म क्रिया वही, जिससे समत्व बढ़े'

जयपुर। मालवीय नगर स्थित अणुविभा केन्द्र के महाप्रज्ञ सभागार में पर्युषण पर्व के तीसरे दिन गुरुवार को ''सामायिक दिवस'' मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने सामायिक की साधना की। साधकों को संबोधित करते हुए मुनिश्री तत्त्व रुचि 'तरुण' ने कहा कि सामायिक समभाव की साधना है। इसके माध्यम से साधक पापकारी प्रवृत्तियों से मुक्त होकर आत्मशुद्धि की ओर बढ़ता है। भगवान महावीर ने समता को धर्म बताया है। धर्म क्रिया वही है, जिससे जीवन में समत्व भाव बढ़े और ममत्व भाव घटे। सामायिक साधना के बाद आचार, विचार और व्यवहार में समता का भाव दिखाई देना चाहिए। कार्यक्रम में मुनिश्री तत्त्व रुचि जी 'तरुण' ने तेरापंथ धर्म संघ की मर्यादाओं का वाचन करते हुए बताया कि आचार्य भिक्षु ने संघ की एकता-अखंडता, सुव्यवस्था और अनुशासन के लिए अनेक मर्यादाएं निर्धारित की थीं। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के सहमंत्री सुरेश कुमार बरड़िया ने 'श्रावक निष्ठा पत्र' का वाचन किया। तेरापंथ महिला मंडल शहर की बहनों ने मंगल गीत प्रस्तुत किया। अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, बेले और तेले तप का संकल्प भी लिया। शुक्रवार को पर्युषण पर्व का चौथा दिन 'वाणी संयम दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

551 संवेदनशील बूथों पर पुलिस तैनात

जयपुर। जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों के लिए शुक्रवार को दूसरे चरण में मतदान होगा। निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान के लिए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की है। मतदान के लिए 2250 बूथ बनाए गए हैं। इनमें 551 बूथ संवेदनशील चिन्हित किए गए हैं। इन बूथों पर पुलिस के साथ आरएसी के जवान भी तैनात रहेंगे। एडिशनल कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो-दो कांस्टेबल तैनात किए जाएंगे। जिन बूथों पर मतदाताओं को प्रभावित करने या किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका है, उन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। मतदान के दौरान गड़बड़ी कर सकने वाले लोगों को पहले ही चिन्हित कर पाबंद कराया गया है और उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई भी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत हर 10 बूथ पर एक मोबाइल पार्टी तैनात रहेगी। वहीं प्रत्येक 10 वार्ड पर एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी को सुपरवाइजरी अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा शहर में छह स्थानों पर क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) तैनात की गई हैं, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल मौके पर पहुंचेंगी।

निकाय चुनाव : अब पार्षदों की ''पहरेदारी'' की तैयारी

बोर्ड गठन के लिए भाजपा-कांग्रेस ने खोला अगला मोर्चा, संभावित विजेताओं व निर्दलीयों की घेराबंदी शुरू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में मतदान का शोर थमते ही सियासत का अगला दौर शुरू हो गया है। ईवीएम में प्रत्याशियों का भविष्य बंद हुआ तो भाजपा और कांग्रेस ने अब बोर्ड गठन के नंबर गेम पर फोकस कर दिया है। दोनों दल संभावित विजेता पार्षदों को अपने साथ बनाए रखने, उन्हें दूसरे खेमों के संपर्क से दूर रखने और जरूरत पड़ने पर निर्दलीयों को साधने की रणनीति में जुट गए हैं।

मतदान खत्म होते ही कई निकायों में प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय, होटल और अन्य निर्धारित स्थानों पर बुलाया गया। कहीं बसों से प्रत्याशियों को बाहर ले जाया गया तो कहीं उन्हें प्रशिक्षण वर्ग और धर्म यात्रा के नाम पर एक साथ रखने की कवायद शुरू हुई। भाजपा और कांग्रेस की यह सक्रियता उन निकायों में ज्यादा दिखाई दे रही है, जहां परिणाम त्रिशंकु रहने या बहुमत से कुछ सीट कम रहने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में एक-एक पार्षद बोर्ड अध्यक्ष या सभापति की कुर्सी का फैसला कर सकता है।

''बाड़ेबंदी'' की राजनीति शुरू

महवा में भाजपा के 35 प्रत्याशियों को विधायक राजेंद्र मीणा बस से जयपुर ले गए, जबकि कांग्रेस के 34 प्रत्याशियों को हिंडौन रोड स्थित एक निजी होटल में बुलाया गया। वहीं करीब 22 निर्दलीय प्रत्याशियों को पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विजय बोहरा के साथ दिल्ली ले जाने की सूचना ने स्थानीय सियासत को और गरमा दिया। चित्तौड़गढ़ में भाजपा प्रत्याशी मतदान के बाद बैग लेकर पार्टी कार्यालय पहुंचे और वहां से वाहनों के जरिए रवाना हुए। भीलवाड़ा में भाजपा ने सभी 70 प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय बुलाया और बाद में उन्हें एक साथ रखने की व्यवस्था की गई। भरतपुर, अलवर और नागौर समेत अन्य निकायों में भी संभावित विजेता प्रत्याशियों को एकजुट रखने की कवायद शुरू होने की जानकारी सामने आई है। भाजपा कई जगह इसे 'प्रशिक्षण वर्ग' और 'धर्म यात्रा' का नाम दे रही है। पार्टी का कहना है कि स्थानीय निकायों में नए निर्वाचित होने वाले जनप्रतिनिधियों को संगठन की कार्यप्रणाली और जनता के प्रति जिम्मेदारियों से अवगत कराने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। हालांकि राजनीतिक गलियारों में इसे बोर्ड गठन से पहले की रणनीतिक घेराबंदी के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा का पूरा फोकस बोर्ड के नंबर गेम पर

भाजपा ने मतदान खत्म होते ही उन निकायों की सूची तैयार करने पर काम शुरू कर दिया है, जहां पार्टी को बहुमत के करीब रहने का अनुमान है। स्थानीय विधायक, चुनाव प्रभारी और संगठन के पदाधिकारियों को संभावित विजेताओं के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी की रणनीति केवल अपने प्रत्याशियों तक सीमित नहीं है। बागी और निर्दलीय प्रत्याशी भी भाजपा की रणनीति के केंद्र में हैं। खासतौर पर वे निर्दलीय, जिन्होंने भाजपा से टिकट की उम्मीद की थी लेकिन टिकट नहीं मिलने पर चुनाव मैदान में उतर गए। यदि ऐसे प्रत्याशी जीतकर आते हैं और बोर्ड गठन में उनकी संख्या निर्णायक होती है तो पार्टी उनसे संपर्क साधने की तैयारी में है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने प्रत्याशियों को एक साथ रखने को बाड़ेबंदी मानने से इनकार करते हुए कहा है कि भाजपा में प्रशिक्षण की परंपरा रही है। उनके अनुसार कांग्रेस की राजनीति में बाड़ेबंदी हो सकती है, लेकिन भाजपा में कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाते हैं।

जयपुर देहात में प्रशिक्षण से धर्म यात्रा तक

जयपुर देहात उत्तर में मनोहरपुर और शाहपुरा क्षेत्र के प्रत्याशियों को होटल में ठहराकर प्रशिक्षण की व्यवस्था किए जाने की जानकारी है। चौमूं और कालाडेरा में भी प्रशिक्षण वर्ग की तैयारी है। वहीं जयपुर देहात दक्षिण में प्रशिक्षण के साथ धर्म यात्रा की योजना बनाई गई है। जोबनेर, रेनवाल, फुलेरा, सांभर, नरैना, दूदू, फागी, बगरू, वाटिका, कानोता, बस्सी और चाकसू क्षेत्र के प्रत्याशियों को इसमें शामिल किया जा रहा है। पुष्कर, सवाई माधोपुर, खाटूश्यामजी और सालासर जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा की योजना भी बताई गई है। इस दौरान चुनाव की समीक्षा, संगठन के सहयोग, स्थानीय नेताओं की भूमिका और मतदान के दौरान मिले फीडबैक पर चर्चा के साथ आगे की रणनीति पर भी मंथन किया जा रहा है।

अलवर में मेयर की कुर्सी पर नजर

अलवर में भी मतदान खत्म होते ही भाजपा और कांग्रेस ने बोर्ड गठन के समीकरणों पर काम तेज कर दिया है। भाजपा के अधिकांश प्रत्याशियों को बसों के जरिए सुरक्षित स्थान पर भेजे जाने की जानकारी है। पूरी कवायद चुनाव प्रभारी रामचरण बोहरा, वन मंत्री संजय शर्मा और जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता की निगरानी में बताई गई है। भाजपा चुनाव प्रभारी रामचरण बोहरा ने 21 सितंबर को भाजपा का मेयर और 22 सितंबर को उप महापौर बनने का दावा किया है। ऐसे में पार्टी की नजर संभावित निर्दलीय विजेताओं पर भी है।

भरतपुर-भीलवाड़ा में भी सक्रिय हुआ संगठन

भरतपुर में भाजपा के संभावित विजेता प्रत्याशियों को पहले निजी होटल में जुटाने और बाद में बस से जयपुर भेजे जाने की बात सामने आई है। 65 वार्ड वाले नगर निगम में पूर्व विधायक विजय बंसल ने 30 से अधिक पार्षद जीतने का दावा किया है। साथ ही कांग्रेस और निर्दलीय खेमे से भी कुछ पार्षदों के भाजपा के साथ आने की संभावना जताई गई है।

भीलवाड़ा में भाजपा ने सभी 70 वार्डों के प्रत्याशियों को पार्टी कार्यालय बुलाया। इसके बाद उन्हें निजी बसों से सुरक्षित स्थान पर भेजे जाने की जानकारी सामने आई। यहां भी पार्टी की नजर परिणाम के बाद बनने वाले संभावित समीकरणों पर है।

नागौर में सभापति की कुर्सी ने बढ़ाई हलचल

नागौर नगर परिषद में भी सभापति पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा ने करीब 41 पार्षद प्रतिनिधियों को अलग-अलग समूहों में सुरक्षित स्थानों के लिए रवाना किया। एक समूह को देर रात और दूसरे को अगले दिन रवाना किए जाने की जानकारी है। नागौर जैसे निकायों में भी अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि चुनाव परिणाम के बाद किस दल के पास बहुमत होगा और यदि बहुमत नहीं मिला तो निर्दलीयों की भूमिका क्या होगी।

कांग्रेस की नजर भी बागियों व निर्दलीयों पर

भाजपा की तरह कांग्रेस ने भी संभावित विजेताओं को अपने साथ बनाए रखने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। जिला और विधानसभा प्रभारियों के साथ स्थानीय विधायक एवं वरिष्ठ नेताओं को प्रत्याशियों के संपर्क में रहने को कहा गया है। महवा में 34 कांग्रेस प्रत्याशियों को निजी होटल में बुलाना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस की नजर उन निर्दलीयों और बागियों पर भी है, जिनका पार्टी से पुराना संबंध रहा है।

National Hot Cross Bun Day

National Hot Cross Bun Day celebrates the delicious and traditional hot cross bun, a sweet, spiced bread marked with a cross on top. Usually enjoyed around Easter, these buns are made with ingredients such as flour, spices, dried fruits, sugar, and sometimes citrus zest. The cross is traditionally associated with the Christian celebration of Good Friday. This special day gives people an opportunity to enjoy hot cross buns with family and friends while appreciating their rich history and cultural significance. Whether served warm with butter, toasted for breakfast, or enjoyed with tea, hot cross buns are a tasty treat loved by many.

#NIPUNAPRAGHUNAKAM

Sanskrit Recounting of Nightlife

Imported liquor, intoxicating fragrance, loud music, foreign visitors, dancing, flickering electric lights, and poor visibility

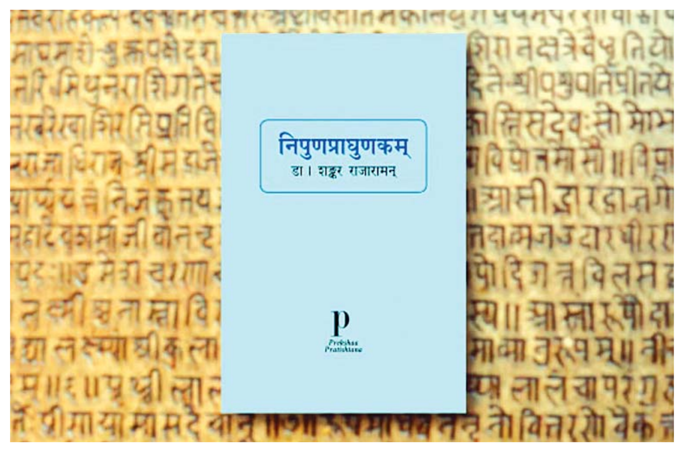

Sanskrit is generally associated with ancient Indian traditions, religion, philosophy, and classical literature. Yet, its expressive power is equally capable of describing the realities of modern life. A fascinating example is found in Dr. Shankar Rajaram's Sanskrit satirical play *Nipunapraghunakam*. The play presents a striking picture of modern metropolitan nightlife, bar culture, imported liquor, dancing, music, and artificial lighting, all through the medium of Sanskrit.

One of the most remarkable scenes takes place in a drinking house resembling a modern nightclub. A young foreign couple is dancing freely on the dance floor, intoxicated and completely absorbed in the moment. The poet describes their movements vividly:

अग्रे परस्परे कटी निहितैकहस्तौ,
हस्तान्तरेण च गृहीतपरस्परमसौ।
माध्वीकपानमदमन्तरपादपातौ,
कामं परनृत्यत इमौ युवानौ।

The image is both romantic and comic. The couple has one hand placed around the other's waist, while their other hands remain joined. Their feet have become unsteady because of intoxication, yet they continue dancing freely and enthusiastically to their heart's content. The scene captures not only youthful intimacy but also the comic consequences of excessive drinking.

The atmosphere of the drinking house is equally vivid. It is filled with the fragrance of liquor imported from different countries, while music, singing, crowds, and flashing lights create the characteristic atmosphere of a modern nightclub.

इदं नानादेशोपनीत-
मदिरासौरभाहुतभृङ्गं
पुरः पानागारम्।
प्रकामोत्तालब्धिभिः
मुखरितहरिद्रीतिभिर् यवनैः
तडिद्दीपावलोकैस्तरलतरलैः
किञ्च दुष्प्रेक्ष्यमन्तः।

The description is remarkable because virtually every char-

acteristic feature of a contemporary nightclub is present: imported liquor, intoxicating fragrance, loud music, foreign visitors, dancing, flickering electric lights, and poor visibility. The rapidly changing lights make the interior almost difficult to see, creating an atmosphere of sensory excess and disorientation.

The word *panagara*, meaning a drinking house, is especially significant. Instead of simply borrowing modern terminology such as "bar" or "nightclub," the playwright uses Sanskrit vocabulary to recreate a distinctly modern environment. This demonstrates the adaptability of Sanskrit and its capacity to absorb new experiences.

The scene is also deeply satirical. The intoxicated young couple, the imported liquor, the loud music, and the dazzling lights together form a humorous caricature of modern cosmopolitan culture. The playwright observes contemporary pleasure-oriented urban life with wit rather than merely condemning it.

The true literary achievement of Nipunapraghunakam lies in showing that Sanskrit can describe modern life without losing its own identity. It can portray not only temples, royal courts, and hermitages, but also bars, dance floors, foreign liquor, electric lights, and intoxicated youth.

Thus, the play demonstrates that Sanskrit is not merely a language of the past. In the hands of a creative modern writer, it can become a vivid mirror of contemporary life, capable of portraying even the noisy, glittering, intoxicated world of the modern nightclub.

AfD victory in German state sends shockwaves across Europe

If voters are turning to the AfD because they believe that the mainstream parties cannot deliver economic security, affordable energy, competent government and control over migration, simply warning them about the dangers of the far right may no longer be sufficient.

Asif Ullah Khan
A veteran journalist who has written for The Khaleej Times and The Brunei Times

#WORLD POLITICS

Saxony-Anhalt, a relatively small eastern German state, has the population of just 10 lakh. But the victory of the Alternative for Germany (AfD), once regarded as a fringe populist force, has sent shockwaves in Germany and across the Europe.

Although AfD got 44 per cent of the vote, nearly 27 percentage points ahead of Chancellor Friedrich Merz's Christian Democrats (CDU), still, it fell three seats short of an outright majority.

The significance of its victory is that for the first time, a far-right party will rule a German state government since the Second World War. The result is not simply another victory for the European far right. It represents a direct challenge to the political architecture that Germany built after 1945, particularly the determination of mainstream parties to keep extremist forces away from government.

AfD's federal co-leader Alice Weidel called the result a historic responsibility and has already set her sights on the next federal election, saying the party is targeting 40 per cent nationally. The AfD is already polling at about 27 per cent and won the second-highest number of seats in the 2025 federal election.

The message from Saxony-Anhalt is therefore not confined to one state. It is seen as a revolt against the political establishment.

The most important feature of the election may be that immigration was not the only, or even necessarily the dominant, reason voters turned to the AfD. Saxony-Anhalt remains one of Germany's poorer states. More than three decades after reunification, parts of the former East continue to experience lower incomes, unemployment, demographic decline and a sense that political and economic power remains concentrated in western Germany and Berlin. This has given a fertile ground for protest politics.

University of Cambridge historian Marcus Böick described the result as an unprecedented blow to Germany's established political system, arguing that voters in rural areas feel neglected by the elites in Berlin. This is the central message behind the AfD's success. A far-right party does not necessarily need to persuade voters that they have suddenly become ideological extremists. It can win by convincing them that the traditional parties have failed them. That is a much more dangerous proposition for the Christian Democratic Union of Germany (CDU), Social Democratic Party of Germany (SPD) and other established parties.

If voters are turning to the AfD because they believe that the mainstream parties cannot deliver economic security, affordable energy, competent government and control over migration, simply warning them about the dangers of the far right may no longer be sufficient.

For Chancellor Friedrich Merz, the result is particularly damaging. The CDU had governed Saxony-Anhalt for 24 years. It received only 17.2 per cent this time, compared with 37.1 per cent in the previous election. Merz himself admitted that the result had shocked him.

But the bigger problem is not that the CDU lost one eastern state. It is that the result exposes a widening gap between the federal government and voters who feel that Germany's economic and social problems are not being addressed quickly enough.

Merz came to power promising

to revive Germany's sluggish economy and restore fiscal discipline. Yet, voters are confronting high living costs, expensive energy and anxiety about Germany's industrial future.

The AfD has been able to turn those frustrations into a political weapon. That puts Merz in a difficult position. If he moves sharply to the right on immigration in an attempt to recover AfD voters, he risks legitimising the AfD's agenda and alienating centrist voters. If he refuses to change course, he risks allowing the AfD to monopolise the anger of voters who feel abandoned by the political establishment.

The CDU therefore faces a strategic dilemma that goes beyond Saxony-Anhalt. For decades, Germany's mainstream parties have maintained a political "firewall" around the AfD. They have refused to enter coalitions with it or rely on its votes.

The principle is rooted in Germany's postwar political culture and the country's determination to prevent a repeat of the conditions that allowed the Nazis to destroy democracy.

But the mathematics is becoming increasingly difficult. The AfD's enormous lead in Saxony-Anhalt makes it much harder for the other parties to construct the kind of ideologically improbable coalition that has previously been used to keep the AfD out of government.

The AfD, meanwhile, is openly testing the firewall. Its candidate Ulrich Siegmund has said that the party will approach individual parliamentary groups and lawmakers to determine whether anyone is prepared to support it in governing the state. This is potentially more significant than the election result itself. If mainstream politicians eventually decide that governing with, or tacitly relying upon, the AfD is preferable to another election or an unstable coalition, a political taboo that has held since the war could be broken. And once broken at state level, it becomes much harder to defend at federal level.

The question is will power change the AfD?

An AfD-led state government would not have unlimited power. German federalism restricts what individual Länder governments can do.

But control of a state government would nevertheless give the party something it has never possessed: the opportunity to demonstrate that it can govern rather than merely protest.

The Saxony-Anhalt AfD has promised "remigration," a term associated with mass deportation policies, separate classrooms for refugee children and a ban on Pride flags in schools. It also wants closer relations with Russia.

Even more consequential would be control over state institutions, including parts of the domestic security apparatus.

That raises concerns because the AfD has been classified as right-wing extremist by domestic intelligence authorities in several German states, including Saxony-Anhalt, while some of its members have faced criticism for the use of Nazi slogans. There is also a foreign-policy dimension to the result. The AfD wants a major rethink of Germany's Russia policy. Its Saxony-Anhalt manifesto calls for stronger economic and cultural relations with Russia, while AfD politicians have called for an end to German support for Ukraine. That makes the election significant far beyond Germany. Merz has insisted that the result will not change Germany's support for Ukraine. But a growing AfD vote means that maintaining a unified German, and European, position on Russia will become politically more difficult.

Kirill Dmitriev, a senior Russian official regarded as close to Vladimir Putin, welcomed the AfD result and portrayed the party as a force capable of restoring Germany and Europe. For Moscow, a stronger AfD could make Germany's foreign policy less supportive of Ukraine, more sceptical of sanctions and more sympathetic to a negotiated settlement with Russia.

Even if the AfD does not enter the federal government, its growing electoral strength can shift the political debate. The biggest consequence of Saxony-Anhalt may ultimately be outside Germany.

Across Europe, mainstream parties are struggling with the same combination of pressures: immigration, high energy costs, inflation, industrial decline, dissatisfaction with established political elites and fears about the future.

The AfD's success demonstrates that these issues can be fused into a powerful anti-establishment electoral coalition. Oliver Schmidtke, a political scientist quoted by CBC, described the result as evidence that frustration with the old parties remains profound and that momentum continues to favour right-wing populists. That message will not be lost on Europe's other populist parties.

Germany has long been regarded as the country least likely to succumb to a powerful far-right movement because of its historical experience with Nazism. If even Germany's political barriers can be breached, other European populists can argue that their own advance is no longer an aberration.

The danger for Europe's mainstream parties is therefore not simply that the far right wins elections. It is that the far right begins to redefine what mainstream politics is allowed to say.

Immigration policy moves rightward. Foreign policy becomes more sceptical of Ukraine. Climate policies are challenged. Welfare systems are recast. National identity becomes a more central political issue. The centre may remain in government while the political centre itself moves.

The next test comes quickly

The timing makes the Saxony-Anhalt result even more consequential. Berlin and Mecklenburg-Western Pomerania vote on September 20. The AfD is already leading or competitive in both political contests, with particularly strong support in Mecklenburg-Western Pomerania.

Another strong performance would transform Sunday's election from a spectacular regional upset into evidence of a national trend.

For Merz, that could be politically devastating.

For the CDU, it would raise questions about whether its current strategy can stop the AfD.

For the SPD, it would intensify pressure to respond to economic and welfare concerns. And for the AfD, another strong result would provide precisely what it needs most: momentum.

The party has spent years portraying itself as the victim of an establishment conspiracy designed to keep it out of power. Every electoral breakthrough weakens that argument's effectiveness, because voters can increasingly see the AfD not as a protest movement but as a potential governing force.

Germany's political earthquake

Saxony-Anhalt has therefore produced three messages.

The first is a message to German voters: the political system is changing, and the AfD can no longer be dismissed as a fringe phenomenon.

The second is a message to Germany's ruling parties: warnings about the far right will not substitute for economic performance, effective government and a convincing response to voters' concerns.

The third is a message to Europe: the populist right is not retreating. It is becoming electorally entrenched, and Germany, despite its history and its famously strong political firewall, is not immune. The AfD has not yet taken control of Germany. It has not even necessarily secured control of Saxony-Anhalt. But the psychological barrier has already been weakened. And that may ultimately prove more important than the number of seats won on Sunday.

Germany's postwar political order was built on the conviction that democracy must never again permit extremism to capture the state. The question now is whether that order can defend itself not simply against an extremist party, but against millions of voters who increasingly believe that the parties protecting the firewall have failed to protect them.

rajeshsharma1049@gmail.com

#M&M'S

The Chocolate That Survived the Heat

The concept was remarkably simple: Chocolate inside. Hard sugar shell outside

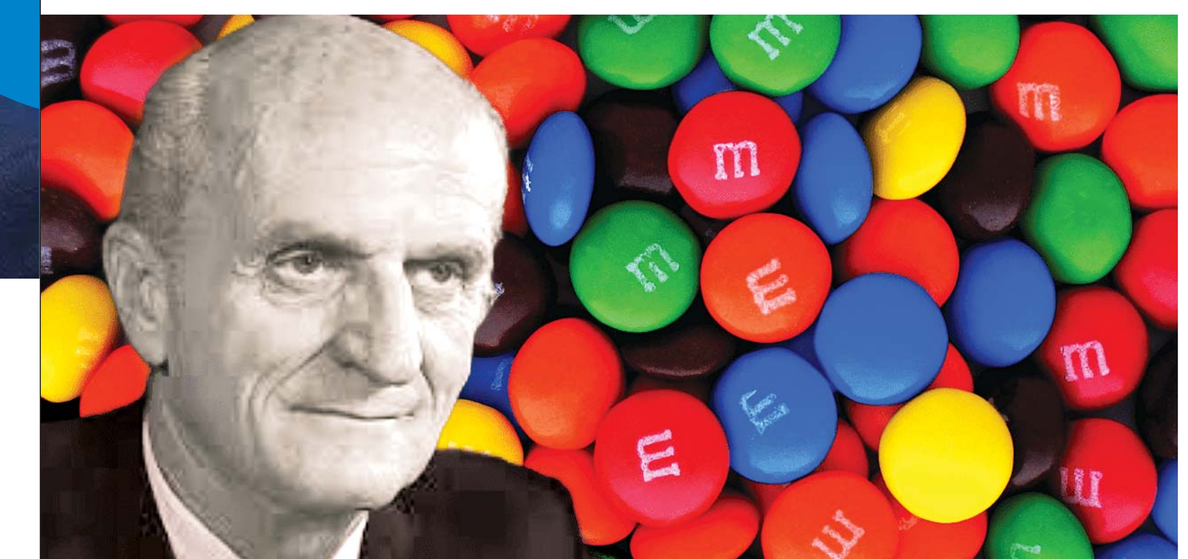

It was 1937, and Spain was burning. The Spanish Civil War had turned the country into a battlefield of gunfire, trenches, smoke, and exhausted soldiers. Men carried whatever food they could find, eating wherever and whenever they could. Among the chaos, an American businessman noticed something strange. The soldiers were eating chocolate in the blazing Spanish heat. But the chocolate wasn't melting.

There was no sticky mess. No gooey chocolate running through their hands. Each piece was protected by a hard sugar shell, locking the chocolate safely inside. The soldiers could carry it into battle, put it into their pockets, and eat it whenever they needed energy.

For the businessman, this was more than an interesting observation. It became an obsession. His name was Forrest Mars Sr., the son of Mars candy company's founder Frank C. Mars. He became fascinated by the idea of creating a chocolate that could survive heat without melting.

The key was the hard coating. Mars eventually partnered with Bruce Murrie, the son of Hershey's executive William Murrie. Together, they developed a method for producing chocolate pieces covered in a durable sugar shell. Then, history changed.

1941: War Changes Everything

By 1941, World War II was underway. Sugar was rationed, supplies were tightly controlled, and soldiers needed food that could survive harsh conditions. Ordinary chocolate had a major weakness: heat.

In tropical battle zones, a chocolate bar could quickly turn into a sticky mess.

The new coated chocolate solved that problem. In 1941, Forrest Mars received a patent covering the manufacturing process. The product was initially produced primarily for the U.S. military, rather than being sold widely to the public.

The chocolates were packaged in simple containers designed for soldiers and placed into military rations. The concept was remarkably simple: Chocolate inside. Hard sugar shell outside. The coating protected the chocolate from melting and made it possible for soldiers to carry the candy through hot and humid environments. The famous slogan would eventually capture the idea perfectly: "Melts in your mouth, not in your hand."

From Battlefield Rations to Supermarket Shelves

The little chocolates became a familiar part of military life during the war. Soldiers carried them across some of the world's hottest battle zones, where ordinary chocolate would have been difficult to handle.

And then, the soldiers came home. They had developed a taste for the candy they had eaten during the war. They wanted more. The demand helped push the product beyond military rations and into civilian life. The candy company eventually began selling it to the general public, and the colourful little chocolates appeared on supermarket shelves.

What had started as a solution to a battlefield problem became one of the world's most recognizable candies. Today, M&M's are sold around the globe. But their story began with a simple problem:

How do you keep chocolate from melting in the heat?

The answer was a tiny piece of chocolate surrounded by a hard sugar shell. A battlefield observation became a manufacturing breakthrough. And a wartime ration became a candy empire.

THE WALL

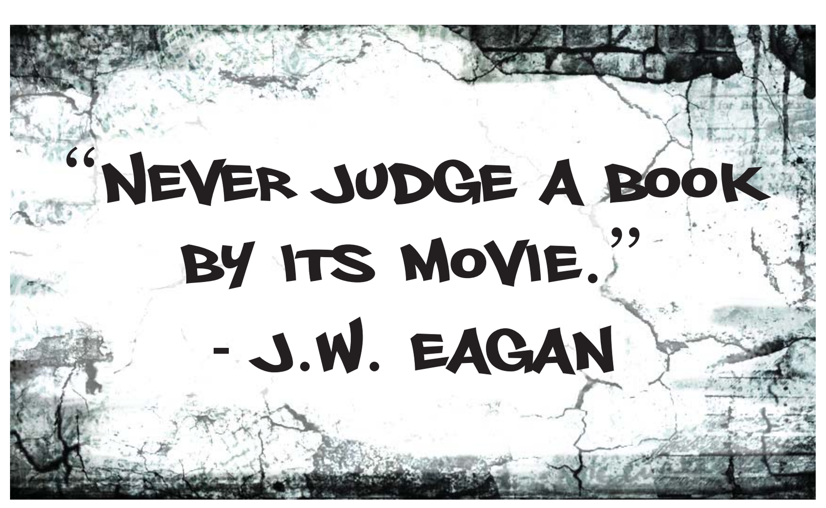

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

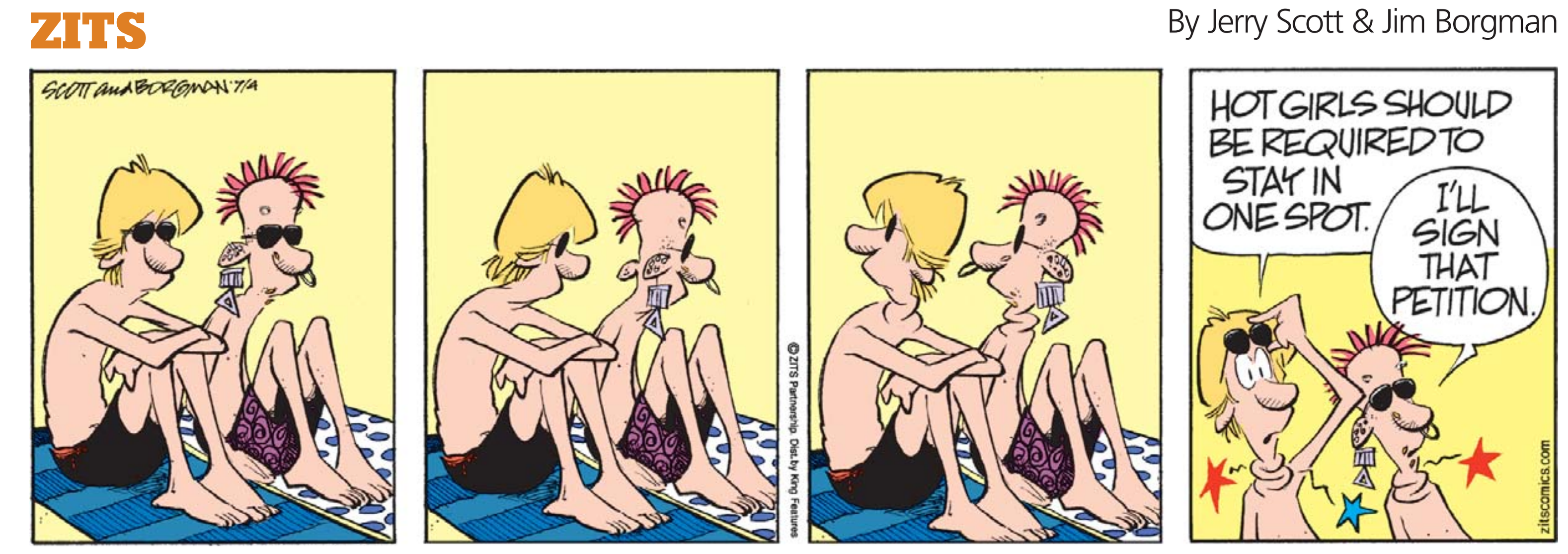

सार-समाचार

फलोदी में निर्वाचन अधिकारी-एस.पी. ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया

फलोदी, (निसं)। नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों के संबंध गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह ने नगरीय क्षेत्र फलौदी के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्र पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं, मतदान प्रक्रिया से संबंधित तैयारियों तथा मतदाताओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केंद्रों पर तैनात कार्मिकों को अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस जाप्ते की तैनाती, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। मतदान दिवस पर सुरक्षा के कडे इंतजाम किये गए है। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान करने का समय प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा। सभी मतदाता नियम समय में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। नगरीय निकाय चुनाव में मतदाताओं को बेहतर एवं सुविधाजनक मतदान वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फलौदी क्षेत्र में दो तथा बाप में एक मतदान केंद्र को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। फलोदी में राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय एसएमबी तथा पंचायत समिति फलोदी को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में तैयार किया गया है। वहीं बाप नगर पालिका को भी आदर्श मतदान केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा, स्वागत एवं सुगम मतदान प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। आदर्श मतदान केंद्रों को आकर्षक एवं मतदाता अनुकूल स्वरूप प्रदान किया गया है, जिससे मतदान के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो और अधिकाधिक मतदाता उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

नकबजनी का आरोपी जैसलमेर से पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। लूणी थाना पुलिस ने गोलिया मगरा गांव में एक वृद्ध महिला के घर हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया मंगलसूत्र, दो चांदी की छड़ों की जोड़ी और सोने की अंगूठी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गोलिया मगरा निवासी 70 वर्षीय भंवर कंवर दो सितंबर को सुबह करीब 9 बजे घर से खेत में गाय चराने गई थीं। करीब 12 बजे वापस लौटने पर घर के दरवाजे और ताले टूटे मिले तथा सामान अस्त-व्यस्त था। सन्दूक में रखे मंगलसूत्र, चांदी की छड़ों की जोड़ी, सोने की अंगूठी सहित नकदी चोरी मिली। इस संबंध में चार सितंबर को लूणी थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों तथा मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपी गोलिया मगरा, थाना लूणी निवासी पर्वतसिंह जिला जैसलमेर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया मंगलसूत्र, दो चांदी की छड़ों की जोड़ी और एक सोने की अंगूठी बरामद की है। आरोपी से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है तथा अनुसंधान जारी है।

सुखदास थानवी का सम्मान किया

फलोदी, (निसं)। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक फलोदी के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोक दर्शन परिक्रमा यात्रा के संयोजक डॉ . सत्यनारायण कुमावत (राजस्थान क्षेत्र सह संयोजक प्रज्ञाप्रवाह) , रिछपालसिंह राजस्थान क्षेत्र सामाजिक सद्भाव कार्य संयोजक, प्रचारक हितेश जोधपुर प्रांत विकास गतिविधि संयोजक , हीरालाल प्रचारक बीकानेर संभाग भारतीय किसान संघ संगठन मंत्री, रूपचंद , देवीसिंह ,यात्रा रथ सारथी, समिति संरक्षक श्यामसुंदर व्यास ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की कार्यक्रम में सिद्धू जी कल्ला की झांकी, मल्ला श्री, योग व्यायाम, काव्यपाठ , आदर्श विद्या मंदिर की बालिकाओं द्वारा नृत्य गीत की प्रस्तुति की गई। नगर कार्यवाह प्रेम शंकर, प्रभुसिंह, प्रमोद पालीवाल, मधुकर मोखा ने होली का कलंगी गीत गाकर कार्यक्रम को रोचक बना दिया । राजस्थान का गौरवगमय गान आओ जी पधारो म्हारे देश गीत की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में प्रधानाचार्य व समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। वरिष्ठ रम्मत कलाकार सुखदास थानवी का सम्मान किया गया। शांति मंत्र के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के समिति के सदस्यों बालकृष्ण पालीवाल ,श्याम सुंदर , प्रमोद थानवी प्रेमलता थानवी, शशि, हस्तीमल सुथार कार्यक्रम का संचालन विद्यालय समिति के व्यवस्थापक विशंभर थानवी ने किया।

कनिष्ठ अभियंता आशारामा निलंबित

सायला, (निसं) ।जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने कार्य में गंभीर लापरवाही और दस्तावेजों के सत्यापन में चूक बरतने पर सख्त रुख अपनाया है। डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक के आदेशानुसार सहायक अभियंता कार्यालय सायला में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता आशाराम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार निगम द्वारा जारी निलंबन आदेश संख्या 146 के अनुसार कनिष्ठ अभियंता आशाराम के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई विचाराधीन है। आरोप है कि उन्होंने एलओए तथा संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन में भारी लापरवाही बरती। स्वीकृत 33/11 केवी जीएसएस चौराउ (1044893) के स्थान पर 33/11 केवी जीएसएस चौराउ लाटा का एस्टीमेट तैयार कर दिया गया। इसके चलते प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया गलत तरीके से आगे बढी। कार्य में इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए अनुशासनिक प्राधिकारी ने कनिष्ठ अभियंता आशाराम को निलंबित करने का निर्णय लिया। निलंबन अवधि के दौरान कनिष्ठ अभियंता आशाराम का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता जोधपुर डिस्कॉम, फलोदी कार्यालय रहेंगा।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

धोरीमन्ना, (निसं)। पर्यावरण संरक्षण,अन्न के सम्मान और सामाजिक जागरूकता को लेकर कोशिश पर्यावरण सेवक टीम सांचौरी-मालाणी द्वारा गुरुवार को राणासर कला में जनजागरण अभियान चलाया गया। टीम के सह-प्रभारी व स्टेट अवार्डी शिक्षक जगदीश प्रसाद विश्नोई ने बताया कि पर्यावरण सेवकों ने समारोह में शामिल लोगों को प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ भोजन की जूठन रोकने और अन्न को व्यर्थ जाने से बचाने का संदेश दिया। समारोह स्थल पर टीम की ओर से विशेष पर्यावरण प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को पॉलिथीन एवं एकल-उपयोग प्लास्टिक व नशे से होने वाले नुकसान, पौधारोपण,जल संरक्षण,स्वच्छता,वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। पर्यावरण सेवक धोलाराम कपासिया ने कहा कि पारंपरिक बर्तनों से जलसेवा करना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

शत प्रतिशत मतदान करें : डॉ. गावंडे

जालोर, (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने नगर पालिका भीनमाल एवं नगर पालिका सांचौर के मतदाताओं से शत् प्रतिशत मतदान करने की अपील की है। उन्होंने अपील करते हुए बताया कि आगामी 11 सितम्बर को नगर पालिका भीनमाल एवं नगर पालिका सांचौर नगरीय निकाय के चुनाव होने जा रहे है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, अत: नगर की सरकार बनाने में अपने मतदान का अवश्यक उपयोग करें। उन्होंने बताया कि इसके लिए प्रशासन द्वारा छाया, पानी की व्यवस्था के साथ बुजुर्गों एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था सहित आधारभूत सुविधाएं की गई है। उन्होंने शत् प्रतिशत मतदान करके लोकतंत्र में अपनी आस्था प्रकट करते हुए राष्ट्रहित में मतदान करने की अपील की।

जालोर से मतदान दल भीनमाल रवाना

जालोर, (कासं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को होने वाले मतदान के लिए जिले की नगर पालिका भीनमाल एवं नगर पालिका सांचौर में मतदान करवाने के लिए मतदान दलों को संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा रवाना किया गया। मतदान दलों को ईवीएम, वीवी पैट मशीनें सहित आवश्यक सामग्री का वितरण कर मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर निकाय आम चुनाव 2026 के अंतर्गत नगर पालिका भीनमाल व नगर पालिका सांचौर में द्वितीय चरण का मतदान शुक्रवार, 11 सितम्बर को होगा। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा।

अनियंत्रित होकर खेत में गिरी बाइकः शिक्षक की दर्दनाक मौत

क्रानोड, (निसं)। लूणदाकस्बे के पास इमली मोड़ पर गुरुवार दोपहर एक भयानक सड़क हादसे में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नाहरपुरा में पदस्थ युवा शिक्षक अशोक कुमार मीणा (30) की जान चली गई, जबकि उनके साथ बाइक पर सवार रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौटते समय हुआ हादसाजानकारी के अनुसार, दौसा जिले के कसेरा निवासी अशोक कुमार पुत्र अमर सिंह मीणा नाहरपुरा स्कूल में कार्यरत थे। उनसे मिलने आए उनके रिश्तेदार अंकित मीणा के साथ वे दोपहर करीब 2:30 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद बाइक से कानौड स्थित अपने आवास की ओर जा रहे थे। रास्ते में इमली मोड़ के समीप तेज गति होने के कारण मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में जा गिरी। बाइक सवार दोनों युवक दूर छिटककर पत्थरों से जा टकराए।

मौके पर ही तोड़ा दम, ठामीण पहुंचे मदद कोटक्कर इतनी भीषण थी कि सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आने के कारण शिक्षक अशोक कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ठामीणों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों को कानौड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने शिक्षक को मृत घोषित कर दिया और घायल अंकित का इलाज शुरू किया।

थाना पुलिस ने संभाला मोर्चा, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का सायाघटना की सूचना पर कानौड थाने से हेड कांस्टेबल पुष्कर मेघवाल पुलिस बल के साथ पहुंचे ।

मंदिर मंडफिया का खुला भंडार - प्रथम चरण से 7 करोड़ 53 लाख नगद प्राप्त

दूसरे चरण की गिनती 14 सितंबर सोमवार को

भंडार गिनती में उपस्थित मंदिर अध्यक्ष वैष्णव व पदाधिकारी एवं मंदिर कर्मचारी

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार 10 सितंबर गुरूवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में खोला गया। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव ने बताया कि गुरुवार को प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 7 करोड़ 53 लाख 60 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए।

> ■ भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, रामलाल गुर्जर आदि शामिल थे

उन्होंने बताया कि भंडार की शेष रही राशि एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रूपयों की गणना होना भी शेष है।

शेष भंडार राशि की गिनती 14 सितंबर सोमवार को दूसरे चरण में की जाएगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, किशन लाल अहीर, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, प्रशासनिक अधिकारी राहुल धाकड़, राजेंद्र सिंह, लेखाधिकारी रामसिंह गुर्जर, मंदिर व संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, कालू लाल तेली, मनोहर लाल शर्मा, भेरुलाल गुर्जर सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता के खिलाफ पत्रावली में अमर्यादित भाषा का उपयोग

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपने निर्णय में जिला आयोग को चेताया है कि वरिष्ठ अधिवक्ता के खिलाफ पत्रावली में अमर्यादित भाषा का उपयोग किया जाना आपत्तिजनक,अनुचित एवं प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है सो भविष्य में ख्याल रखें।

आयोग अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा, न्यायिक सदस्य उर्मिला वर्मा और सदस्य लियाकत अली ने परिवादी की अपील मंजूर करते हुए यह व्यवस्था दी है कि परिवाद के दाखिल किए जाने की तारीख से दावा राशि पर ब्याज दिलाए जाने का आज्ञात्मक प्रावधान है सो बीमा कंपनी अपीलार्थी को दावा राशि 1 लाख 7 हजार 649 रुपए मय 10 मई 2023 से 7 फीसदी ब्याज,15 हजार रुपए हरजाना और पांच हजार रुपए वाद व्यय 45 दिन में अदा करें अन्यथा नौ फीसदी ब्याज अदा करना होगा।

> ■ आयोग अध्यक्ष ने परिवादी की अपील मंजूर करते हुए परिवाद की तारीख से दावा राशि पर ब्याज दिलाए जाने का आज्ञात्मक प्रावधान है सो बीमा कंपनी अपीलार्थी को दावा राशि 1 लाख 7 हजार 649 रुपए मय फीसदी ब्याज दे

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल सिंघवी ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से अपील दायर कर कहा कि जिला आयोग के समक्ष पेश हलफनामे में बीमा कंपनी ने परिवादी के वास्ते अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया,लेकिन जिला आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद इस पर कोई कार्रवाई नहीं की और पूर्व में बिलावजह परिवाद ही खारिज कर दिया। अपील में चुनौती दिए जाने पर जिला आयोग का आदेश रद्द कर जिला आयोग को मामला वापिस सुनने का आदेश दिया,तो उन्होंने स्वास्थ्य बीमा विनियम 2016 में दिए गए प्रावधान के बावजूद ब्याज नहीं दिलाया। अधिवक्ता भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि पत्रावली में वरिष्ठ अधिवक्ता के वास्ते अमर्यादित भाषा का प्रयोग शर्मनाक है और जिला आयोग ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लेकर तथा जानबूझकर दावा राशि पर ब्याज नहीं दिलाकर गलत किया है।

राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपील मंजूर करते हुए परिवाद पत्रावली में वरिष्ठ अधिवक्ता के खिलाफ अमर्यादित भाषा इस्तेमाल किए जाने को आपत्तिजनक, अनुचित और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है सो जिला आयोग को हिदायत दी जाती है कि भविष्य में इसका ख्याल रखें।

उन्होंने स्वास्थ्य बीमा विनियम में प्रावधान होने के बावजूद जिला आयोग द्वारा ब्याज नहीं दिलाने को गलत करार दिया है और अपीलार्थी को दावा राशि 1 लाख 7 हजार 649 रुपए मय 7 फीसदी ब्याज 10 मई 2023 से और 15 हजार रुपए हरजाना तथा परिवाद व्यय पांच हजार रुपए 45 दिन में अदा करने का यूनिवर्सल सौंपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया,अन्यथा 9 फीसदी ब्याज देना होगा।

जोधपुर में प्रत्याशियों ने डोर टू डोर संपर्क कर समर्थन मांगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर निगम निगम चुनाव का भौंपू प्रचार बुधवार की शाम पांच बजे खत्म हो गया। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने आज डोर टू डोर प्रचार की कमान संभालने के साथ कमजोर नजर आ रहे प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार किया।

इस दौरान दोनो ही पार्टियों के नेताओं ने खांचा पोलटिक्स भी की और रूठे हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं से समझाईश कर पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करवाने की समझाइश भी की। क्योकि ऊपरी तोर पर कांग्रेस भाजपा दोनों ही बोर्ड बनाने के दावे कर रही है और इसकी वजह भी है कि कांग्रेस जहां जनता को बेहाल शहर की जानकारी देकर अपने पक्ष में मतदान करने को उकसा रही है तो ढाई साल से दो इंजन की सरकार भी येन केन प्रकरेण स्थानीय निकाय के डिब्बे अपने दो इंजन की सरकार में जोडऩे की कवायद में जुटी हुई है।

इस बार के निगम चुनाव में 100 वार्ड बनाकर चुनाव कराये जा रहे है। दोनों ही पार्टियों के उम्मीदवार 100 वार्ड में है। टिकट वितरण में हुई भाई भतीजावाद और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के चलते दोनों ही पार्टियों के कई उम्मीदवारों को विरोधी पार्टी के प्रत्याशी की बजाए अपनो की कार सेवा के चलते हार का सामान करने की ंचिता है।

गजेंद्र शेखावत सहित बड़े नेताओं ने संभाला मोर्चा : भाजपा की ओर से जहां पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, शहर विधायक अतुल भंसाली, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी और कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पूर्व विधायक मनीषा पंवार ने मोर्चा संभाल रखा है कि पार्टी का डेमेज खत्म कर प्रत्याश्रियों की जीत सुनिश्चित की जाएं।

बागियों को दिखाया बाहर का रास्ता : कांग्रेस और भाजपा ने नाम वापसी तक भी कई बागियों को बैठाने में सफल रहे और बाद में नहीं बैठने वालों को समझाइश भी की और कांग्रेस ने तो बकायदा अनुशासनात्मक कार्यवाही तक करते हुए पार्टी प्रत्याशियों के खिलाफ खड़े होने और विरोध करने वालों को पार्टी से बाहर का रास्ता भी दिखा दिया है।

भारतीय वायु सेना का ड्रोनथॉन 14 से

जोधपुर, (कासं)। भारतीय वायु सेना ड्रोनथॉन-2026 का आयोजन 14 से 16 सितंबर 2026 तक जैसलमेर के पोकरण रेंज में आयोजित किया जाएगा। इसमें स्थिर प्रदर्शन और लाइव प्रदर्शन शामिल होंगे।

> ■ जैसलमेर के पोकरण रेंज में आयोजित किया जाएगा।

जिसका उद्देश्य घरेलू निर्माताओं को मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और मानवरहित हवाई प्रणालियों की प्रतिकार (सीयूएएस) में अपनी क्षमताओं और प्रगति को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस आयोजन का उद्देश्य हितधारकों को उभरती हुई ड्रोन और काउंटर ड्रोन प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ उनके परिचालन प्रदर्शन को देखने और आपसी ज्ञानवर्धन को बढ़ावा देने में सहायता करना है।

यह आयोजन इससे समकालीन समाधानों की पहचान करने और उनकी युद्ध प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में निगरानी और टोही, ऑटोनोमस ऑपरेशन, समूह प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला शामिल हैं।

आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप, ड्रोनथॉन-2026 का उद्देश्य उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स और नवप्रवर्तकों को एकीकृत करके स्वदेशी रक्षा प्रणाली को मजबूत करना है। इन पहलों के माध्यम से, भारतीय वायु सेना तेजी से बदलते प्राचालनगत परिवेश में सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में सक्षम, प्रौद्योगिकीय रूप से उन्नत, स्वदेशी और भविष्य के लिए तैयार बल के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

बाडमेर नगर परिषद में 81.57 फीसदी मतदान

बाड़मेर, (निसं)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत बुधवार को बाडमेर नगर परिषद के 55 वार्डों में मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक चले मतदान में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

जिला प्रशासन के अनुसार बाडमेर नगर परिषद क्षेत्र में कुल 63 हजार 78 मतदाताओं में से 51 हजार 454 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे कुल मतदान प्रतिशत 81.57 फीसदी रहा। कुल 68 मतदान बूथ बनाए गए थे। इनमें 32 बूथ संवेदनशील तथा 20 बूथ अति संवेदनशील घोषित किए गए थे। संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए ।

जैसलमेर में संभावित पार्षदों को अज्ञातवास की तैयारी

जैसलमेर, (नि.सं.)। नगर परिषद चुनाव के मतदान के बाद अब सभापति पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। संभावित रूप से निर्वाचित पार्षदों को अज्ञातवास पर ले जाने की चर्चाओं के बीच राजनीतिक गलियारों में एक अहम सवाल उठ रहा है कि अज्ञातवास के दौरान पार्षदों के बाहर मौजूद रिश्तेदारों और समर्थकों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण रहेगी।

मतदान के बाद भाजपा-कांग्रेस ने पार्षद प्रत्याशियों को एक स्थान पर तलब कर अज्ञातवास पर ले जाने की कार्यवाही शुरु कर दी है। मतदान समाप्त होने से एक घंटे पहले ही दोनों दलों के नेताओं ने विशेष संदेशवाहक भेजकर सभी प्रत्याशियों को एक जगह पर बुला लिया है। संभवत: रात को ही पार्षदों को अज्ञातवास पर ले जाया जा सकता है।

वैसे तो मतगणना के बाद निर्वाचित पार्षदों के वोट सभापति चुनाव में पड़ेंगे। लेकिन पिछले सभापति चुनावों के अनुभवों को दृष्टिगत रखते हुए पार्षदों की खरीद-फरोख्त से बचने के लिए पार्टी ने एहतियात के तौर पर यह कदम उठाने जा रही है।

पार्षद प्रत्याशियों को अज्ञातवास पर ले जाने की कवायद कितनी सफल होगी, यह महिला प्रत्याशियों पर टिकी है। महिला प्रत्याशियों को अज्ञातवास पर ले जाने में कई व्यवहारिक कठिनाईयां आ रही है। कुछ पुरुष जिनकी जीत की संभावनाएं नहीं है, वे भी अज्ञातवास में जाने से कतरा रहे हैं।

नगरपरिषद पार्षदों के निर्वाचन के लिए हुए मतदान के दौरान भाजपा-कांग्रेस को एक दूसरे के अलावा स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे निर्दलीय प्रत्याशियों से भी कड़ी चुनौती मिली है। 8-10 वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवार पार्टी प्रत्याशियों के सामने अंत तक मजबूती से डटे रहे हैं। मतदान की पूर्व रात्रि को भी उन्हें डमी बनाने के भरपूर प्रयास हुए लेकिन स्वतंत्र उम्मीदवारों ने मैदान नहीं छोड़ा।

जैसलमेर में पूर्व में सभापति के चुनाव के दौरान भी पार्षदों के रिश्तेदारों के माध्यम से समर्थन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं हुई थीं। उस समय परिवार और रिश्तेदारों के स्तर पर होने वाले संपर्कों को चुनावी समीकरणों का एक हिस्सा माना गया था। इसी पुराने अनुभव के कारण इस बार भी अज्ञातवास के साथ-साथ बाहर होने वाली राजनीतिक बातचीत पर नजर रहने की संभावना है।

राजनीतिक चर्चाओं में यह सवाल उठाया जा रहा है कि यदि अज्ञातवास में गए किसी पार्षद के रिश्तेदार की ओर से किसी संभावित सभापति प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन का आश्वासन दिया जाता है, तो क्या इससे संबंधित राजनीतिक खेमे को कोई संकेत मिल सकता है? हालांकि, किसी रिश्तेदार की बातचीत या आश्वासन को संबंधित पार्षद के अंतिम निर्णय का प्रमाण नहीं माना जा सकता। अज्ञातवास की रणनीति का उद्देश्य निर्वाचित पार्षदों को बाहरी राजनीतिक प्रभाव और अनावश्यक संपर्क से दूर रखना माना जाता है। ऐसे में चुनाव के बाद बनने वाले राजनीतिक समीकरणों में पार्षदों के साथ-साथ उनके समर्थकों और परिजनों की गतिविधियां भी चर्चा का विषय बन सकती हैं।

फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से इस प्रकार के किसी निश्चित समझौते या समर्थन का आधिकारिक रूप से सामने आना बाकी है। इसलिए राजनीतिक हलकों में चल रही इन चर्चाओं को फिलहाल संभावित रणनीति और चुनावी अटकलों के रूप में ही देखा जाना उचित होगा। 14 सितंबर को मतगणना के बाद संख्या बल स्पष्ट होगा। इसके बाद सभापति पद के लिए वास्तविक राजनीतिक तस्वीर सामने आएगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि अज्ञातवास की रणनीति कितनी प्रभावी साबित होती है और क्या बाहर रहने वाले रिश्तेदारों एवं समर्थकों के संपर्क चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर पाते हैं।

3.28 ग्राम स्मैक सहित दो भाई गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लूणी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 52.66 ग्राम एमडी और 3.28 ग्राम स्मैक जब्त की है। पुलिस ने मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी भाई है।

पुलिस के अनुसार सुभद्रा माता मंदिर के मुख्य द्वार के सामने फिंच रोड पर नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। मोटरसाइकिल चालक फिंच निवासी राकेश पुत्र पप्पाराम के कब्जे से 3.28 ग्राम स्मैक बरामद हुई। वहीं मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर बैठे उसके भाई अशोक के कब्जे से 52.66 ग्राम एमडी बरामद की गई।

फर्जीवाडे के मामले में अभियुक्त विपिन कोठारी गिरफ्तार

> ■ अब तक हो चुके है 9 गिरफ्तार
>
> ■ भूखंडों के लेन.देन से जुडे तथ्यों की जांच की जा रही है

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम उदयपुर के भूखंडों से जुडे कथित फर्जीवाडे के मामले में एसओजी ने वांछित अभियुक्त विपिन कोठारी को गिरफ्तार किया है। एसओजी के अनुसार वर्ष 2004 में नगर विकास प्रन्यास (यूआईटी) उदयपुर से नगर निगम को हस्तांतरित भूखंडों में खाली एवं निरस्त भूखंडों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनके आधार पर नगर निगम से लीज डीड जारी करवाने का मामला सामने आया था।

मामले में पुलिस थाना सूरजपोल में प्रकरण संख्या 97/2०22 दर्ज किया गया था। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 420,467,468,471 और 12०बी के तहत अनुसंधान किया गया। एसओजी के मुताबिक अनुसंधान में सामने आया कि अभियुक्त विपिन कोठारी ने सहआरोपी विक्रम कुमार ताकडयिा,नितेश कोठारी, हेमलता कांकरिया,राकेश सोलंकी उर्फ बुक्का,निर्मल टेलर उर्फ गोपाल, भागीरथ गायरी,दीपक कुमावत,दीपक सिंह चौहान और राजदीप सिंह के साथ मिलकर कई भूखंडों के फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। आरोप है कि कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम उदयपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कथित मिलीभगत कर भूखंडों की लीज डीड जारी करवाई गई। एसओजी के अनुसार.इन भूखंडों के संबंध में स्वयं के नाम मुख्तियारनामा आम का निष्पादन करवाने के बाद उन्हें आगे विक्रय भी किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस एसओजी भुवन भूषण यादव के सुपरविजन एवं निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक एसओजी कुन्दन कंवरिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी यूनिट उदयपुर मुकेश कुमार सोनी की टीम ने प्रकरण में वांछित विपिन कोठारी की लगातार तलाश के बाद उसे दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।एसओजी से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से 15 सितंबर 2026 तक पुलिस रिमांड प्राप्त हुआ है। एसओजी द्वारा उससे पूछताछ कर मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने,लीज डीड जारी करवाने और भूखंडों के लेन.देन से जुडे तथ्यों की जांच की जा रही है। एसओजी के मुताबिक इस प्रकरण में विपिन कोठारी सहित अब तक कुल 9 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। मामले में अन्य संभावित संलिप्त आरोपियों और भूखंडों से जुडे पूरे नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सीने में दर्द से एएसआई की मौत, चुनाव मोबाइल पार्टी में लगी थी ड्यूटी

साथी पुलिसकर्मी उपचार के लिये निजि अस्पताल ले गये जहां उपचार के दौरान दम तोड़ दिया

कोटा, (निसं)। नगर निगम चुनाव में मोबाईल पार्टी पर ड्यूटी पर तैनात आरकेपुरम् थाने के एएसआई राधेश्याम को गुरूवार को अचानक सीने में दर्द उठा, जिस पर साथी पुलिसकर्मी उन्हे उपचार के लिये कोटा के निजि अस्पताल ले गये जहां एएसआई ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एएसआई राधेश्याम सांखला की चुनाव में ड्यूटी मोबाईल पार्टी में लगाई गई थी। चुनाव ड्यूटी के बीच हुई इस घटना से पुलिसकर्मीयों में भी शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार एएसआई राधेश्याम सांखला को ड्यूटी के दौरान अचानक घबराहट हुई और सीने मे दर्द उठा। एएसआई की अचानक से तबियत बिगड़ती देख साथी पुलिसकर्मी तत्काल उन्हे उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान एएसआई राधेश्याम सांखला ने दम तोड़ दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढ ांढ स बंधाया। जानकारी के अनुसार एएसआई राधेश्याम सांखला ने चम्बल नदी व नहर में डुब रहे कुछ जनो की जान बचाई थी, जिसके लिये उन्हे गैलेंट्री अवार्ड भी दिया गया था। आरकेपुरम् थानाधिकारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि आरकेपुरम थाने मे तैनात एएसआई राधेश्याम सांखला (52) ड्यूटी पर थे कि

एएसआई राधेश्याम सांखला

अचानक से उन्हे सीने में दर्द की शिकायत पर अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान एएआई की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि एएसआई राधेश्याम सांखला की चुनाव पुलिस मोबाईल पार्टी में ड्यूटी थी, प्रथम दृष्टा से मौत का कारण हार्ट अटैक सामने आया है।

भैरूजी महाराज वार्षिकोत्सव पर कलश यात्रा निकली

निवाई। उपखंड क्षेत्र के गांव लुणेरा में भैरूजी महाराज के एक दिवसीय वार्षिकोत्सव को लेकर विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 121 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किए। महिलाएं मंगल गीत गाते हुए बैंड-बाजे के साथ गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए देवनारायण भगवान के मंदिर पहुंची, जहां भैरूजी महाराज का मंदिर भी विराजमान है। यहां पवित्र जल से भरे कलश मंदिर में स्थापित किए गए। कलश यात्रा से पहले संन्यास आश्रम लुणेरा में धार्मिक आयोजन हुआ। पंडित रामअवतार शर्मा ने ध्वज पूजन कराया। इसके बाद लुणेरा आश्रम के पीठाधीश्वर संत विवेकानंद गिरी महाराज ने कलश यात्रा को रवाना किया। रामबिलास लांगड़ी व महावीर लांगड़ी ने बताया कि इस दौरान प्रधान कलश की बोली शिवजीलाल गुर्जर ने ली, ध्वज रंगलाल गुर्जर ने धारण किया। हवन कुंड की प्रधान बोली अर्जुन लाल गुर्जर ने ली।

'कर्तव्यों के प्रति सजग रहे व निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें'

मतदान दलों को प्रशिक्षण के दौरान संबोधित करते जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

- प्रशिक्षण के उपरांत मतदान दलों को आवश्यक निर्वाचन सामग्री एवं ईवीएम उपलब्ध करवाकर मतदान दिवस हेतु निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया

खैरथल। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश की उपस्थिति में किशनगढ़ बास, मुंडावर व कोटकासिम, टपूकड़ा के मतदान दलों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत मतदान दलों को आवश्यक निर्वाचन सामग्री एवं ईवीएम उपलब्ध करवाकर मतदान दिवस हेतु निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने मतदान दलों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किए जाने वाले कार्यों की स्पष्ट जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी निर्वाचन संबंधी सभी नियमों, निर्देशों एवं प्रक्रियाओं से भली-भांति अवगत रहें तथा मतदान प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने मतदान दलों को पूर्ण सजगता एवं निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान दलों को संबोधित करते हुए कहा कि ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा एवं देखरेख में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। मतदान दल मतदान केंद्र पर पहुंचने के बाद ईवीएम एवं अन्य सामग्री को सुरक्षित रखें तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न करवाएं। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपाल जाट ने मुंडावर नगर पालिका के मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया में प्रत्येक चरण महत्वपूर्ण है।

सभी कार्मिक निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कार्य करें और मतदान प्रारंभ होने से पूर्व मॉक पोल सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं नियमानुसार पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों को ईवीएम संचालन, मॉक पोल, मतदान प्रक्रिया, मतदाता की पहचान, मतदान अभिकर्ताओं की भूमिका, निर्वाचन अभिलेखों के संधारण, ईवीएम एवं निर्वाचन सामग्री की सीलिंग तथा मतदान समाप्ति के बाद की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

टोंक में खाद्य सुरक्षा टीम ने कैंटीनों से खाद्य नमूने लिए

- निरीक्षण के दौरान कैंटीन में कई प्रकार की अनियमितता पाए जाने के कारण सुधार सूचना इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया

टोंक। खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में चलाये जा रहे कमोडिटी वाइज विशेष अभियान के तहत जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्यवाही की जा रही है।

इस अभियान के तहत 10 सितंबर को वनस्थली विद्यापीठ में संचालित मुक्तेश्वरी कैंटीन का निरीक्षण कर टीम ने खाद्य पदार्थ रेड चिली सौस फूड कोस्ट ब्रांड का नमूना लिया एवं परिसर में संचालित अन्य कैंटीन फन एंड फ्रोलिक से दही, पनीर और धनिया पाउडर का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला में भिजवाया गया। निरीक्षण के दौरान कैंटीन में कई प्रकार की अनियमितता पाए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के अंतर्गत सुधार सूचना इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार अन्य खाद्य सुरक्षा टीम ने अभियान के दौरान सीआईएसएफ कमांडेंट मनजीत कुमार की उपस्थिति में खाद्य पदार्थों के दो अलग-अलग नमूने लिए गए, जिसमें मिर्च पाउडर विनीबा ब्रांड तथा प्रॉपराइटरी फूड चॉको कैम्प का नमूना शामिल है। दोनों नमूनों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाया जाएगा। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कायवाही की जाएगी।

कोटपूतली में 200 किलोग्राम दूषित खाद्य सामग्री मौके पर नष्ट करवाई

अधिकारियों की जांच टीम ने जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए ।

- खाद्य पदार्थों का उचित रखरखाव एवं साफ-सफाई नहीं पाये जाने पर इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी

कोटपूतली। खाद्य सुरक्षा विभाग एवं जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में 07 सितंबर से सात दिवसीय खाद्य सुरक्षा जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की जांच टीम द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जा रहे हैं तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत जांच दल ने गुप्ता मिष्ठान भंडार, बस स्टैंड, बहरोड़ से चाउमीन का नमूना लिया।

प्रतिष्ठान में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाये जाने पर फर्म को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार कस्बे में स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड मार्ट का निरीक्षण कर वहां से बेसन लड्डू एवं कच्ची घानी सरसों तेल के दो नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लिए गए।

जांच दल द्वारा केषवाना स्थित फर्म एकमी सॉल्यूशन्स के रेस्टोरेंट एवं किचन का भी निरीक्षण किया गया। यहां औद्योगिक क्षेत्र में स्थित विभिन्न कंपनियों के कर्मचारियों को तैयार भोजन वितरित किया जाता है। निरीक्षण के दौरान रसोई में खाद्य पदार्थों का उचित रखरखाव एवं साफ-सफाई नहीं पाये जाने पर इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। इसी क्रम में कोटपूतली स्थित महालक्ष्मी मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। यहां साफ-सफाई का अभाव, परिसर में चूहे, मक्खियां एवं मच्छर पाए जाने तथा खाद्य पदार्थों को खुले में रखने एवं उचित रखरखाव नहीं किए जाने के कारण इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया।

प्रतिष्ठान में रखी दूषित मिठाई, घेवर, चासनी एवं बेसन कुल लगभग 200 किलोग्राम खाद्य सामग्री को जनहित में मौके पर ही नष्ट करवाया गया। खाद्य प्रतिष्ठानों से लिए गए सभी नमूने जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला, जयपुर भेजे गए हैं।

वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

मनोहरपुर। 10 सितंबर शहीद दिवस पर पूरा देश परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद को याद कर रहा है। आंधी के कांग्रेसी नेता नदीम पठान ने वीर अब्दुल हमीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पठान ने कहा कि 10 सितंबर 1965 को भारत-पाक युद्ध के दौरान खेमकरण सेक्टर के असल उत्तर में वीर अब्दुल हमीद ने अपनी जीप पर लगी 106 एमएम रिकॉयललेस गन से अमेरिका में बने अजेय पैटन टैंकों को ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने अकेले दम पर 8 पैटन टैंकों को तबाह किया था और पाकिस्तान के नापाक इरादों को नाकाम किया था। गाजीपुर यूपी के धामूपुर गांव में 1 जुलाई 1933 को जन्मे दर्जी के बेटे अब्दुल हमीद 20 साल की उम्र में सेना में भर्ती हुए थे। 1965 के युद्ध में छुट्टी पर घर आए थे लेकिन युद्ध की खबर सुनते ही वापस मोर्चे पर लौट आए और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दे दिया। पठान ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उनकी वीरता के कारण ही अमेरिका को भी अपने पैटन टैंकों के डिजाइन पर दोबारा सोचना पड़ा था।

राष्ट्रीय पोषण माह पर गर्भवती महिलाओं को जागरूक किया

राष्ट्रीय पोषण माह पर आयोजित कार्यशाला में महिलाओं को संतुलित पोषण की जानकारी देते हुए।

- स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं संस्था के कार्मिकों को संतुलित पोषण से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की

निवाई। राष्ट्रीय पोषण माह के उपलक्ष्य में बंधन कोनगर संस्था एवं ब्लॉक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सुनारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक पोषण विषय पर आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं संस्था के कार्मिकों को संतुलित पोषण से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान कर गांव-गांव में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को जागरूक करना है।

कार्यशाला में संस्था के सहायक प्रबंधक गिरीश तिवारी ने संस्था का परिचय देते हुए बताया कि संस्था द्वारा कोटक महिंद्रा बैंक के वित्तीय सहयोग से निवाई ब्लॉक में ईएनएचएएनसीई परियोजना संचालित की जा रही है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं व पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाना है।

उन्होंने बताया कि पोषण आमुखीकरण के माध्यम से स्वास्थ्य सहायिकाओं एवं कार्मिकों को पोषण के महत्व व मातृ एवं शिशु पोषण के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे सितंबर माह में गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक कर सकें। आमुखीकरण में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की डॉ. अर्चना वर्मा, सीएचओ राजेश बैरवा एवं एएनएम सपना व कोमल ने आमुखीकरण की सराहना करते हुए शिशु के लिए मां के दूध को सर्वोत्तम आहार बताते हुए स्तनपान के महत्व की जानकारी दी। इस दौरान शिशु रोग विशेषज्ञ द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण, गर्भवती महिलाओ में संतुलित पोषण के लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को पोषण की सही तकनीक, मां एवं बच्चे के स्वास्थ्य में स्तनपान की भूमिका व समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के प्रभावी तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गई। एएनएम सपना द्वारा कुपोषण के दौरान आवश्यक सावधानियों, सही संतुलित पोषण पद्धित तथा मातृ एवं शिशु पोषण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। आमुखीकरण का संचालन सीता जाट व ममता जाट द्वारा किया गया। कल्पना मीणा ने आभार व्यक्त किया।

मालपुरा, टोडारायसिंह, डिग्गी और लांबाहरिसिंह में मतदान आज

- 2 लाख 29 हजार 78 मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे उपयोग

टोंक। नगर निकाय आम चुनाव के द्वितीय चरण के तहत नगर परिषद टोंक एवं नगर पालिका मालपुरा, टोडारायसिंह, डिग्गी और लांबाहरिसिंह में आज 268 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले जाएगें। लोकतंत्र के इस उत्सव पर मतदान को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए गुरुवार को नगर परिषद टोंक के मतदान दल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक से, नगरपालिका टोडारायसिंह के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडारायसिंह से एवं नगरपालिका मालपुरा, लांबाहरिसिंह एवं डिग्गी के मतदान दल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा से अपने गन्तव्य स्थल के लिए रवाना हुए। इससे पूर्व रवानगी स्थल पर अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान कर्मियों को ईवीएम एवं अन्य निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराई गई।

शुक्रवार को मतदान दिवस पर नगर परिषद टोंक एवं नगर पालिका मालपुरा, टोडारायसिंह, डिग्गी और लांबाहरिसिंह में 2 लाख 29 हजार 78 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 1 लाख 15 हजार 438 पुरुष, 1 लाख 13 हजार 635 महिला एवं 5 ट्रांसजेंडर मतदाता अपना वोट डालेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) टीना डाबी ने चुनाव कार्य को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए मतदान कर्मियों को इसे पूरी जिम्मेदारी से निभाने के निर्देश दिए हैं। मतदान कर्मियों के अंतिम प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्होंने कहा कि सभी मतदान दलों का यह कर्तव्य है कि वे पूर्ण रूप से स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में मतदान संपन्न कराएं।

उन्होंने सभी मतदान दलों को समय पर अपने आवंटित मतदान केंद्रों पर पहुँचकर आवश्यक तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनोद कुमार मीना, सीइओ राकेश कुमार मीना, रिर्टनिंग अधिकारी सीमा खेतान, डीआईओ सुशील कुमार अग्रवाल, डीएमओ नितेश कुमार जैन मौजूद रहे। मास्टर ट्रेनर विमल कुमार जैन एवं कृष्ण गोपाल शर्मा ने मतदान कर्मियों को अंतिम प्रशिक्षण दिया।

अलवर में आज 1.35 लाख से ज्यादा मतदाता वोट करेंगे

- इस चरण में कठूमर, खेरली, थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, गोविंदगढ़-रामबास और बड़ौदामेव नगर पालिका क्षेत्र शामिल हैं

अलवर। अलवर जिले में नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 11 सितंबर को जिले की सात नगर पालिकाओं के 183 वार्डों में मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम 6 बजे तक चलेगा। इस चरण में कठूमर, खेरली, थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, गोविंदगढ़-रामबास और बड़ौदामेव नगर पालिका क्षेत्र शामिल हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला के अनुसार दूसरे चरण में कुल 1,20,792 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें कठूमर के 10,312, खेरली के 15,803, थानागाजी के 17,123, राजगढ़ के 31,702, लक्ष्मणगढ़ के 14,236, गोविंदगढ़-रामबास के 14,227 और बड़ौदामेव के 11,389 मतदाता शामिल हैं।

मतदान को लेकर संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशिक्षण के बाद मतदान दलों को उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। कठूमर में 20, खेरली में 23, थानागाजी में 25, राजगढ़ में 41, लक्ष्मणगढ़ में 25, गोविंदगढ़-रामबास में 25 और बड़ौदामेव में 25 मतदान दल लगाए जाएंगे।

खेरली नगर पालिका के वार्ड नंबर 10 और 17 में एक-एक प्रत्याशी होने के कारण दोनों वार्डों में निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है। इसके बावजूद अन्य वार्डों में मतदान कराया जाएगा।

इससे पहले बुधवार को अलवर नगर निगम सहित पांच निकायों में पहले चरण का मतदान हुआ। छिटपुट घटनाओं को छोडक़र मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। अलवर नगर निगम के 65 वार्डों में कुल 65.75 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

चुनाव पर्यवेक्षक ने मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

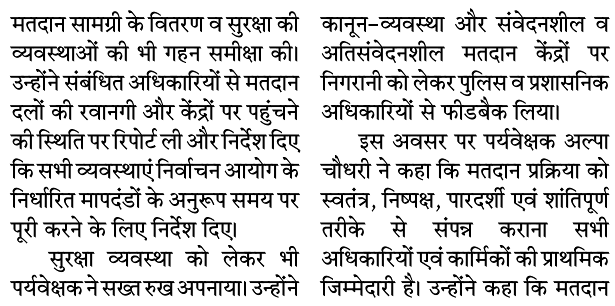

मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंची पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी व कलेक्टर अतुल प्रकाश सहित अधिकारी

- निष्पक्ष और निर्भीक मतदान सम्पन्न कराने के लिए दिशा निर्देश दिए
- उन्होंने बिजली, पेयजल, साफ-सफाई और दिव्यांग बुजुर्ग मतदाताओं के लिए रैंप, व्हीलचेयर सुविधाओं की जानकारी ली

किशनगढ़बास। नगर निकाय के 11 सितंबर शुक्रवार को होने जा रहे आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए चुनाव पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी ने गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी अतुल प्रकाश के साथ सघन दौरा कर किशनगढ़ बास , मुंडावर और कोटकासिम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और 11 सितंबर को होने वाले मतदान की तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी ने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की एक-एक कर जांच की। उन्होंने बिजली, पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई और विशेषकर दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए रैंप, व्हीलचेयर सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

इसके अलावा उन्होंने मतदान दलों के ठहरने की व्यवस्था, मतदान केंद्रों तक उनके सुरक्षित आवागमन और मतदान सामग्री के वितरण व सुरक्षा की व्यवस्थाओं की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मतदान दलों की रवानगी और केंद्रों पर पहुंचने की स्थिति पर रिपोर्ट ली और निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं निर्वाचन आयोग के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप समय पर पूरी करने के लिए निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पर्यवेक्षक ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कानून-व्यवस्था और संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर निगरानी को लेकर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से फीडबैक लिया।

इस अवसर पर पर्यवेक्षक अल्पा चौधरी ने कहा कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन किसी भी मतदाता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी पात्र मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसके लिए हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान संबंधित रिटर्निंग अधिकारी, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा चुनाव से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

पावटा व लाडाकाबास में देवनारायण भगवान के जयकारे गूंजे

पावटा। भगवान श्री देवनारायण जी की पावन पदयात्रा के पावटा व लाडाकाबास गांव पहुंचने पर पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। पदयात्रा के गांव की सीमा में प्रवेश करते ही समस्त ग्रामवासियों ने एकजुट होकर श्रद्धा और उत्साह के साथ पदयात्रियों का गाजे-बाजे एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान जय श्री देवनारायण और देवनारायण भगवान की जय के गगनभेदी जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। पदयात्रियों के स्वागत के लिए ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में धार्मिक उल्लास के साथ पदयात्रा का स्वागत किया। ग्रामीणों की ओर से पदयात्रियों के लिए शीतल जल, अल्पाहार एवं विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई, जिससे यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को राहत मिली। पदयात्रा के गांव पहुंचने पर महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों में भी विशेष धार्मिक उत्साह नजर आया। ग्रामीणों ने भगवान श्री देवनारायण जी के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए गांव सहित पूरे क्षेत्र में सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और जनकल्याण की कामना की। पदयात्रा के दौरान उमड़ा जनसैलाब और गूंजते जयकारे लाडाकाबास के धार्मिक माहौल को और भी भक्तिमय बना रहे थे। आस्था, सेवा और स्वागत की इस भावना ने पूरे गांव को देवनारायणमय कर दिया।

घुमंतू परिवारों के बच्चों को कपड़े बांटे

निवाई। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प के साथ काटोली में स्थित महाभारत कालीन मां भद्रकाली मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीराम महाराज अघोरी शिक्षा, नशामुक्ति, बेटियों के विवाह और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों के साथ-साथ घुमंतू परिवारों के बच्चों को भी शिक्षा से जोडऩे की पहल की है। श्रीराम महाराज अघोरी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक भरत व संघ के कार्यकर्ता घुमंतू परिवारों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को कपड़े भी वितरित किए गए व उन्हें नियमित रूप से स्कूल जाने तथा पढ़-लिखकर आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान परिवारों को भी बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया। श्रीराम महाराज अघोरी ने बताया कि संत और संघ के कार्यकर्ताओं का एक साथ जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचना सामाजिक समरसता और सेवा की भावना का संदेश देता है।

नंदोत्सव में महिलाओं की भीड़ उमड़ी

निवाई। श्री नामदेव महिला मंडल के तत्वावधान में बड़ा बाजार में स्थित श्री गोविंद देव जी के मंदिर दर्जीयान में नंदोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नन्दोत्सव में गायिका चन्द्रकला खंडेलवाल, पार्वती टेलर, नोरती टेलर, पिंकी टेलर, मंजू नामदेव, ललिता टेलर, रेखा टेलर, आकांक्षा टेलर, रेखा फलोदिया, मूली टेलर व लक्षिता टेलर सहित कई महिलाओं ने सांची-सांची कह दे बाबा म्ह थारी कोण लांगू, नैणा नीचा कर ल श्याम न रिझावली कांई, श्रीराम जानकी बैठे है मेरे सीने में, रात श्याम सपने में आए, श्याम चूडी बेचने आया, थाली भरकर ल्याई र खीचडो ऊपर सूं घी की बाटकी, जिमो जी म्हारा श्याम धणी जिमाव बेटी जाट की, कभी राम बनके कभी श्याम बनके चले आना प्रभुजी चले आना, कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है, सालासर वाले बाबा वीर हनुमाना, मेरा श्याम बड़ा रंगीला, हनुमान तुम्हारा क्या कहना व देना हो तो दीजिए जनम-जनम का साथ सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। इस दौरान श्री गोविंद देव जी की झांकी सजाकर महाआरती करके प्रसादी वितरित की गई।

आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया

मनोहरपुर। 10 सितंबर विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर ताला के डॉक्टर रिजवान अहमद ने सभी युवाओं और क्षेत्रवासियों के नाम संदेश जारी किया है। डॉक्टर रिजवान अहमद ने कहा कि विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यह याद दिलाता है कि जिंदगी बहुत अनमोल है। हर समस्या का समाधान है, लेकिन आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के तनाव भरे जीवन में युवा छोटी-छोटी बातों में निराश होकर गलत कदम उठा लेते हैं। हमें एक दूसरे का सहारा बनना होगा। अगर आपका कोई दोस्त, भाई या पड़ोसी उदास है, तनाव में है तो उससे बात कीजिए, उसका हौसला बढ़ाइए। उन्होंने ने कहा कि जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। हार मानना जिंदगी नहीं है, बल्कि हार कर भी जीतने की कोशिश करना ही जिंदगी है। आत्महत्या रोकथाम के लिए परिवार और समाज को सबसे बड़ी भूमिका निभानी होगी। अंत में उन्होंने अपील की कि किसी भी परेशानी में अकेले न रहें, अपने परिवार और दोस्तों से अपनी बात साझा करें। जिंदगी खूबसूरत है, इसे जी भर कर जियें।

फुलेरा में श्री सिद्ध गणेश मंदिर में 26वां मेला महोत्सव 14 को

फुलेरा। न्यू कॉलोनी स्थित श्री सिद्ध गणेश मंदिर में गणेश जन्म महोत्सव के अवसर पर 26वां विशाल मेला महोत्सव आयोजित किया जाएगा। श्री सिद्ध गणेश मंदिर सेवा समिति की ओर से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर 14 सितंबर को विशेष पूजा-अर्चना, श्रृंगार एवं धार्मिक कार्यक्रम होंगे। आयोजन समिति के अशोक साबू ने बताया कि 14 सितंबर को ध्वज पूजन एवं मेला ध्वजारोहण सुबह 9.15 बजे, गणपति पूजन एवं शोभायात्रा के बाद समिति पदाधिकारियों व अतिथियों द्वारा आरती दोपहर 12.05 बजे की जाएगी। वहीं 15 सितंबर को पूर्णाहुति, हवन एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम सुबह 10.15 बजे से होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक निर्मल कुमावत होंगे। विशिष्ट अतिथि उद्योगपति गिरीराज कुमार अग्रवाल एवं नगर पालिका फुलेरा के निवर्तमान पार्षद चन्द्रप्रकाश दुलानी होंगे। अध्यक्षता श्री सिद्ध गणेश मंदिर के अध्यक्ष जगदीश सिंह राठौड़ करेंगे। समिति ने श्रद्धालुओं से परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित कार्यक्रम में शामिल होकर गणेश जन्म महोत्सव का लाभ उठाने का आ ान किया है। पिछले वर्षों में भी फुलेरा में गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर समिति द्वारा विशाल मेला महोत्सव आयोजित किया जाता रहा है।

भरतपुर में अतिरिक्त रिजर्व ईवीएम का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न

भरतपुर । नगरीय निकाय चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी की अध्यक्षता में नगरीय निकाय चुनाव में प्रयुक्त होने वाली अतिरिक्त रिजर्व ईवीएम मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन संपन्न हुआ। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया एवं ईवीएम के आवंटन से संबंधित जानकारी दी गई। जिले की नगरपालिका उच्चैन, बयाना, वैर एवं नदबई के कुल 120 वार्डों एवं 120 मतदान केंद्रों के लिए अतिरिक्त रिजर्व ईवीएम मशीनों का आवंटन रेंडमाइजेशन के माध्यम से किया गया। निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने कहा कि 11 सितंबर को होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए पर्याप्त संख्या में ईवीएम मशीनें उपलब्ध कराई जा रही है।

जुआं खेलते तीन गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये गये अभियान के तहत थाना कोतवाली भँवरलाल वेष्णव के नेतृत्व गठीत थाना टीम एवं जिला स्पेशल दल की टीम के साथ सयुक्त कार्यवाही करते हुये कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इसुजी गारमेन्ट के आगे देवली रोड से जुआं खेलते आरोपी लिवन पुत्र अमित सैनी, संजय सैनी पुत्र पीरुलाल सैनी एवं पप्पु लाल पुत्र खाजुराम माली को गिरफ्तार किया।

जयपुर के सेंट्रल पार्क से सीए का फिल्मी अंदाज में अपहरण

नकाबपोश बदमाशों ने नकली पिस्टल-चाकू की नोंक पर कार में बंधक बनाया, दिल्ली की तरफ लेकर भागे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में सेंट्रल पार्क की पार्किंग से शहर के जाने-माने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) राजीव गुप्ता का दो नकाबपोश बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में अपहरण कर लिया। बदमाश नकली पिस्टल और चाकू की नोंक पर उन्हें उनकी ही मर्सिडीज कार में बैठाकर दिल्ली रोड की ओर ले गए। रास्ते में गुप्ता ने चलती कार से कूदकर बचने की तीन बार कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने हथियार दिखाकर उन्हें वापस खींच लिया। पीली की तलाई मोड के पास तेज रफ्तार मर्सिडीज एक बाइक से टकराकर सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे के बाद दोनों बदमाश कार से निकलकर पास की पहाड़ियों की ओर भाग गए।

हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। कार में मौजूद सीए राजीव गुप्ता को लोगों ने पहले बदमाश समझ लिया और उन्हें घेर लिया। गुप्ता ने किसी तरह लोगों को बताया कि वे खुद अपहरण के शिकार हुए हैं। सूचना पर पहुंचे आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने उन्हें भीड़ से बचाकर सुरक्षित थाने पहुंचाया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त मर्सिडीज को नाले से बाहर निकलवाया। कार से नकली पिस्टल और चाकू बरामद किया गया है।

- सीए ने चलती मर्सिडीज से 3 बार कूदने की कोशिश की, बदमाशों ने हथियार दिखाकर वापस खींचा
- आमेर में पीली की तलाई के पास बाइक से टकराकर कार नाले में गिरी तो बदमाश गाड़ी रोककर पहाड़ियों में फरार हुए
- अब पुलिस इस मामले की जांच के लिए सेंट्रल पार्क से आमेर तक के तमाम सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा के अनुसार राजीव गुप्ता रोजाना सुबह सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आते हैं। गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे वे पार्क पहुंचे थे। करीब एक घंटे बाद 7.30 बजे गेट नंबर-4 से बाहर निकलकर अपनी मर्सिडीज में बैठने लगे। जैसे ही उन्होंने कार का गेट खोला, एक नकाबपोश बदमाश नकली पिस्टल लेकर पीछे की सीट पर बैठ गया। इसी दौरान दूसरे बदमाश ने उन्हें ड्राइविंग सीट से धक्का दिया और चाकू की नोक पर खुद सीट संभाल ली। पीछे बैठे बदमाश ने गुप्ता पर पिस्टल तान दी। दोनों बदमाशों ने उन्हें धमकाया कि शोर मचाने या विरोध करने पर जान से मार देंगे। इसके बाद वे गुप्ता को धमकाते हुए कार को आमेर और फिर दिल्ली रोड की तरफ ले गए। बताया जा रहा है कि आरोपियों को मर्सिडीज चलाने का ज्यादा अनुभव नहीं था। वे रास्ते में कार के संचालन को लेकर गुप्ता से जानकारी लेते रहे। इस दौरान उनके साथ हाथापाई भी हुई।

तीन बार चलती कार से कूदने की कोशिश

बदमाशों के कब्जे में आने के बाद गुप्ता का ब्लड प्रेशर बढ़ गया। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें अपनी जान खतरे में लग रही थी। इसी वजह से उन्होंने चलती कार से कूदकर बचने का प्रयास किया। उन्होंने करीब तीन बार कार से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन पीछे बैठे बदमाश ने पिस्टल और चाकू की नोक पर उन्हें पकड़कर वापस खींच लिया।

दिल्ली रोड पर पीली की तलाई मोड के पास गुप्ता ने एक बार फिर जान बचाने का प्रयास किया। उन्होंने चलती कार का दरवाजा खोलकर पैर बाहर लटका दिए और जोर-जोर से मदद के लिए चिल्लाने लगे। इससे कार चला रहा बदमाश विचलित हो गया। इसी दौरान तेज रफ्तार मर्सिडीज आगे चल रही बाइक से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। इसके बाद बेकाबू कार सड़क किनारे नाले में पलट गई।

हादसे के बाद पहाड़ियों में भागे बदमाश

कार के पलटते ही दोनों बदमाश खिड़की से बाहर निकले और पास की पहाड़ियों की ओर भाग गए। आसपास के लोगों ने उनका पीछा किया और मौके पर भीड़ जमा हो गई। कार में राजीव गुप्ता को देखकर लोगों ने उन्हें ही बदमाश समझ लिया और घेर लिया। गुप्ता ने लोगों को बताया कि उनका अपहरण किया गया था और वे जान बचाने के लिए कार से निकलने का प्रयास कर रहे थे।

सूचना पर आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा मौके पर पहुंचे और गुप्ता को भीड़ से बचाया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें नकली पिस्टल और चाकू बरामद हुआ। हादसे में घायल बाइक सवार को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकलवाया गया।

अशोक नगर थाने में दर्ज हुई एफआईआर

आमेर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने सीए से घटनाक्रम की जानकारी लेने के बाद बताया कि घटना की शुरुआत सेंट्रल पार्क क्षेत्र से हुई है, जो अशोक नगर थाना क्षेत्र में आता है। इसलिए गुप्ता को एफआईआर अशोक नगर थाने में दर्ज कराने के लिए कहा गया।

आमेर थाना पुलिस ने घटना के बाद आसपास के इलाके में नाकाबंदी भी करवाई। पुलिस के अनुसार कार में कुल तीन लोग थे-दो नकाबपोश बदमाश और सीए राजीव गुप्ता। दोनों आरोपियों की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वे दोनों आरोपियों को पहचानते नहीं हैं और उनकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है। गुप्ता की रिपोर्ट पर अशोक नगर थाने में अपहरण, जानलेवा हमला और मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पार्क से आमेर तक सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

जयपुर साउथ एसीपी डॉ. पूनम ने बताया, सीए की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उनके द्वारा बताए गए घटनाक्रम के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। पार्क से लेकर आमेर तक के पूरे रास्ते के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। अशोक नगर और आमेर थाना पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से सेंट्रल पार्क से लेकर दिल्ली रोड और पीली की तलाई तक के पूरे रूट के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, 51 बाइक बरामद

जयपुर। प्रताप नगर टीम ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने उनकी निशानदेही पर 80 वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए 51 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपियों की पहचान शेर सिंह (26) निवासी मलारना डूंगर जिला सवाई माधोपुर और कमलजीत उर्फ के.के. उर्फ कमल (33) निवासी मलारना डूंगर जिला सवाई माधोपुर को पकड़ा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि दुपहिया वाहन चोरी की रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित की गई। जहां टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और वाहन चोरी के हॉटस्पॉट चिन्हित कर सादा कपड़ों में निगरानी की।

मुखबिर की सूचना पर कांस्टेबल केदारमल ने आरोपियों की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर द्रव्यवती नदी के पास चिनाव अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया।। पुलिस ने जांच के दौरान बाइक बरामद की और पूछताछ में 80 वारदातों का खुलासा हुआ।

NAME CHANGE

I have changed my name from Santosh Kabra to Santosh Devi Kabra for all purpose. R/o 14 Manwa Ji Ka Bagh Moti Doongri Road Jaipur.(Raj.)

खोया पाया

मेरी पुत्री अल्फीशा परवीन माता आसिया खातुन के शिक्षा के दस्तावेज में उक्त नाम में माता का नाम Asiya Khatoon दर्ज है यह ग़लत है सही नाम Ashiya Khatun है भविष्य में Ashiya Khatun नाम से जाना जावे। पता म.न. 127/98, व्यास कॉलोनी, शास्त्री नगर जयपुर

मेरी पुत्री अल्फीशा परवीन पिता Mumtaz Ahmad के शिक्षा के दस्तावेज में उक्त नाम में पिता का नाम Mumtaz Ahmad दर्ज है यह ग़लत है सही नाम Mumtaz Ahmed है भविष्य में Mumtaz Ahmed नाम से जाना जावे। पता म.न. 127/98, व्यास कॉलोनी, शास्त्री नगर जयपुर

मेरे भूखण्ड संख्या 109 रामचंद्र विहार योजना का मूल कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करे। भैरू सिंह 8005738835

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 3439 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 21.08.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 171/56 (LIG) का आवंटन श्री अमर चन्द चौधरी पुत्र श्री भगवान सिंह चौधरी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2677 दिनांक 29.09.2003 को जारी किया गया था। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 10.06.2009 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री अमर चन्द चौधरी द्वारा उक्त आवास को श्री मनोज कुमार पुत्र श्री अमर चन्द को बख्शीशनामा कर इनके पक्ष में बख्शीशनामा पत्र दिनांक 05.06.2025 को उप पंजीयक अष्टम् जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री मनोज कुमार पुत्र श्री अमर चन्द द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री मनोज कुमार पुत्र श्री अमर चन्द का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक, वृत प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-2655 दिनांक :- 31/07/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 28/KA/S-6 (एरिया 13.50 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री हनुमान खण्डेलवाल पुत्र श्री मदन लाल खण्डेलवाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 14654 दिनांक 12.02.2014 को जारी किया गया। श्री हनुमान खण्डेलवाल के पक्ष में उक्त व्यावसायिक भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 20.03.2014 को उप पंजीयक-सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री हनुमान खण्डेलवाल द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड को दिनांक 23.03.2014 के द्वारा श्रीमती अनिता जैन पत्नी श्री अशोक जैन को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती अनिता जैन के आवेदन करने पर कार्यालय आदेश क्रमांक 784 दिनांक 08.05.2026 के द्वारा मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज किया गया। श्रीमती अनिता जैन द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड को दिनांक 08.06.2015 के द्वारा श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री तारा चन्द अग्रवाल को विक्रय कर उप पंजीयक-एकादश, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री तारा चन्द अग्रवाल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त व्यावसायिक भूखण्ड के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री तारा चन्द अग्रवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 353 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक : 31.08.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 50/235 (EWS), (एरिया 36.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती विद्यावती माथुर पत्नी स्व. श्री घनश्याम दास माथुर को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 739 दिनांक 30.04.1992 को जारी किया गया। श्री ईश्वर दास देवयानी पुत्र श्री झामटमल के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 864/1037 दिनांक 13.05.2013 के द्वारा किया गया। श्री ईश्वर दास देवयानी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 26.06.2013 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री ईश्वर दास देवयानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 08.11.2017 के द्वारा श्री आदित्य कुमार टांक पुत्र श्री सीताराम टांक को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री आदित्य कुमार टांक की मृत्यु दिनांक 26.02.2023 को हो जाने के कारण अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या-11 जयपुर महानगर-प्रथम मुख्यालय सांगानेर द्वारा जारी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र के आधार पर इनकी पुत्री श्रीमती सुमन टांक पुत्री स्व. श्री आदित्य कुमार टांक पत्नी श्री विजय टांक द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्रीमती सुमन टांक पुत्री स्व. श्री आदित्य कुमार टांक पत्नी श्री विजय टांक का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

केयर लीवर्स को नौकरियों और शैक्षिणक संस्थानों में एक फीसदी आरक्षण देने के आदेश

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 12 सप्ताह में नीति निर्धारण करने के आदेश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार को कहा है कि वह 18 साल की उम्र पूरी करने पर बाल गृह छोड़ने वाले वयस्कों यानि केयर लीवर्स को उनके वर्ग के अनुसार एक फीसदी आरक्षण का लाभ दे। अदालत ने इसके लिए 12 सप्ताह में एक नीति निर्धारण करने के लिए कहा है। इस नीति में सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान, सरकारी नौकरी और आउटसोर्स संविदा वाली नौकरियों को शामिल किया जाए। अदालत ने कहा कि जब तक ऐसी नीति नहीं बन जाती, तब तक राज्य सरकार इन्हें पांच साल की उम्र में छूट और फीस में छूट देगी। इसके अलावा स्वरोजगार स्टार्टअप और घर के लिए पांच लाख रुपए तक की आर्थिक मदद या बिना ब्याज लोन देगी। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश दीपक कुमार की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि आठ सप्ताह के भीतर केयर लीवर्स सचिवालय बनाया जाए। यह सचिवालय सिंगल विंडो शिकायत निवारण तंत्र के रूप में काम करेगा और वयस्क होने पर बाल गृह छोडने वाले हर व्यक्ति का एक केन्द्रीयकृत डिजिटल डेटाबेस रखेगा। अदालत ने कहा कि 18 साल होने से छह माह पहले संबंधित किशोर को आधार, पेन, जाति प्रमाण पत्र और आफ्टर केयर परिचय पत्र सहित अन्य जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाए।

इसके अलावा ऐसे किशोरों के लिए स्नातक स्तर तक निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था हो। वहीं उच्च शिक्षा के लिए चार हजार रुपए और प्रोफेशनल कोर्स के लिए छह हजार रुपए मासिक स्कॉलरशिप व हॉस्टल के लिए केयर लीवर एजुकेशन एंड स्कॉलरशिप फंड बनाया जाए। अदालत ने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य किशोर न्याय परिषद और मंडल स्तर पर किशोर न्याय आयोग का गठन किया जाए। यह ऐसे किशोरों के कल्याण और पुनर्वास से जुडे प्रकरण देखेगी। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी केन्द्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को भेजते हुए 22 नवंबर को पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

अदालत ने कहा कि केयर लीवर्स भारी चुनौती का सामना करते हैं। उनके पास रोजगार उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास आदि के लिए जरूरी दस्तावेज भी नहीं होते। इसके अलावा उनके पास पारिवारिक सुरक्षा का अभाव होता है। जिससे वे अलगाव से पीडित रहते हैं। यूनिसेफ के बीते दशक के अध्ययन से पता चलता है कि देश में तीन करोड़ बच्चे छोडे हुए है और उनमें से पांच लाख आश्रय गृहों में रह रहे हैं। याचिकाकर्ता ने सवाई माधोपुर कोर्ट की ओर से उसे किशोर नहीं मानने के खिलाफ यह याचिका दायर की थी।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री रमाशंकर पाण्डेय पुत्र कपिलदेव पाण्डेय, व श्रीमती गीता देवी पाण्डेय पत्नी रमाशंकर पाण्डेय निवासी 25, मणिरत्न विहार कॉलोनी, नीयर गणपति फार्म हाउस के पास, जामडोली, आगरा रोड, जयपुर ने अपने पुत्र विभेश कुमार पाण्डेय, जो कि मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नही है तथा अतः अवांछित आचरणो से हैरान व परेशान होकर मेरे अभिभाष्यगण ने दिनांक 10-09-2026 से अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति व जीवन व्यवहार से बेदखल कर है। यदि कोई व्यक्ति इनसे किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।
जयपुर (राजेश शर्मा) एडवोकेट
दिनांक :- 10/09/2026 मो.नं. 8619164277

सार्वजनिक सूचना पुराना आमेर रोड, गंगा माता का मंदिर, मकान म्यूनिसिपल नंबर 611 वर्तमान मकान नं. 18, मोती कटला बाजार, चौकड़ी गंगापोल, जयपुर मेरे अभिभाष्य राजकुमार शर्मा एवं सुनीता देवी व उनकी संतानों की पैतृक सम्पत्ति है जिसके संबंध में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में विवाद विचाराधीन है। उक्त सम्पत्ति में स्थित हुकुम सिंह की किरायेदारी की दुकान व अन्य किसी सम्पत्ति को बेचने व हस्तांतरित करने का अन्य किसी को अधिकार नहीं है। ऐसा कोई बेचान अथवा अन्तरण अवैध व शून्य होगा।
दिनांक-10/9/26 अशोक देवानी, एडवोकेट
मो. 9829064041

सूचना दिनांक : 10.09.2026

निम्न कर्मचारियों के विरूद्ध की जा रही जाँच कार्यवाही के दौरान उन्हें भेजे गये पत्र पोस्टमैन के असहयोगात्मक रुख अपनाते हुये विभिन्न रिमार्क के साथ संस्थान को वापस प्राप्त हो रहे हैं। तथा कुछ कर्मचारी पत्र प्राप्त कर लेने के बाद भी जाँच कार्यवाही में भाग नहीं ले रहे है न्यायहित में अन्तिम मौका दिये जाने के उद्देश्य से यह सूचना प्रकाशित की जा रही है। सभी निम्नलिखित आरोपित कर्मचारी निम्नलिखित दिनांक एवं समय पर स्थान - 312, III floor, वैशाली टॉवर-1, नर्सरी सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर में मेरे समक्ष उपस्थित हों।

इस सूचना के प्रकाशन के बावजूद भी यदि आरोपित कर्मचारी निर्धारित समय पर जाँच में उपस्थित नहीं हुये तो उनके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर दी जावेगी।

नाम	दिनांक	समय
कैलास चन्द यादव	15.09.2026	दोपहर 1 बजे
नरेन्द्र कुमार डागर	15.09.2026	दोपहर 2 बजे
लक्ष्मीनारायण	15.09.2026	दोपहर 3 बजे
कमलकान्त	16.09.2026	दोपहर 1 बजे
विरधी शर्मा	16.09.2026	दोपहर 2 बजे
महेन्द्र कुमार	16.09.2026	दोपहर 3 बजे

राजीव शर्मा
जाँच अधिकारी लीड गार्ड सर्विसेज प्रा. लि., वैशाली नगर, जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय फ्लैट / यूनिट संख्या 92, प्रथम फ्लोर, थिफ्टी टाइप, पीरूपुरम कल्याण विकास समिति, ए. डबल्यू.एच.ओ. कॉलोनी, अम्बाबाडी, सैक्टर-1, विद्याधर नगर, जयपुर राज. जिसका कुल क्षेत्रफल 700.13 वर्गफीट मय सकूटर गैराजए ग्राउण्ड फ्लोर कुल क्षेत्रफल 46.68 वर्गफीट, जो कि सर्वप्रथम श्री जगदीश चन्द्र पुत्र स्व. श्री पी.एल. शर्मा द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 14.05.2004 द्वारा आर्मी वैलफेयर हाउसिंग आर्गेनाईजेशन ए.डबल्यू.एच.ओ. जरिये मुख्तयारनामा प्रोजेक्ट मैनेजर ए. डबल्यू.एच.ओ. जयपुर लेफटिनेंट कर्नल के. किशोर पुत्र लेफटिनेंट कर्नल बी.एम. कृष्णा से क्रय किया गया था। उक्त फ्लैट श्री जगदीश चन्द्र को ए. डबल्यू.एच.ओ. सोसाइटी द्वारा दिसम्बर 1988 में आवंटित किया गया था। श्री जगदीश चन्द्र का सर्वगवास दिनांक 02.02.2022 को हो गया, जिसके पश्चात हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के अनुसार उनके विधिक उत्तराधिकारीगण श्रीमती मिनाक्षी शर्मा, श्री नीरज शर्मा एवं श्री दीपक शर्मा के हक में उक्त सम्पति निहित हुई तथा श्रीमती मिनाक्षी शर्मा एवं श्री नीरज शर्मा ने अपने-अपने हिस्से का हक त्याग पत्र दिनांक 06.10.2022 के जरिये श्री दीपक शर्मा पुत्र स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा के हक में त्याग कर दिया। इस प्रकार श्री दीपक शर्मा उक्त फ्लैट/यूनिट के बिना किसी अन्य व्यक्ति के सीर व साझे के एकमात्र मालिक, सवामी व अधिकारी काबिज चला आ रहा है, उक्त फ्लैट के मूल आवंटन पत्र दिसम्बर 1988 व कबजा पत्र दिनांक 14.6.1989 को जारी हुए थे, वो श्री दीपक शर्मा से गुम हो गये, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट राजस्थान पुलिस में एल.आर. नंबर 3266596/2026 दिनांक 31.08.2026 को दर्ज करवाई गई है तथा दो स्थानीय अखबारों में खोया पाया में प्रकाशन भी करवा दिया गया है। अब श्री दीपक शर्मा उकत फ्लैट/यूनिट को श्री शुभम गोदारा पुत्र श्री ओम प्रकाश गोदारा को विक्रय करना चाहते हैं। इस बाबत यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई एतराज/आपत्ति या उक्त मूल गुमशुदा दस्तावेज प्राप्त हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपति प्रस्तुत / सुचित करे। मियाद गुजरने के बाद किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। राकेश महर्षि (अधिवक्ता) (मो.) 9413902786

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-22, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/101015 **लोक सूचना** दिनांक: 08.09.2026

श्रीJAI INFRATECH PRIVATE LIMITED AND CITY HOME AFFORDABLE LLP THROU DIRECTOR ABHIMANYU SINGH पुत्र श्रीARJUN SINGH जाति RAJPUT निवासी HOTEL RESIDENCY PALACE HIGH COURT COLONY RATANADA JODHPUR RAJASTHAN 342001 ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का **आवासीय** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	रेनवाल, माधोराजपुरा (जयपुर)	JAI INFRATECH PRIVATE LIMITED पंजीकृत कार्यालय होटल रजिडेन्सी पैलेस हाई कोर्ट कालोनी रातानाडा जोधपुर राजस्थान खातेदार	4095/3636	0.0566	0.0566
2			3632/2075	0.3794	0.3794
3			3500/2075	0.1265	0.1265
4			3643/2075	0.3035	0.3035
5			4096/3636	0.1331	0.1331
6			3635/2075	0.2276	0.2276
7			4093/3631	0.024	0.024
8			4094/3631	0.1657	0.1657
9			3629/2075	0.3035	0.3035
10			3639/2075	0.5058	0.5058
11			4092/3630	0.454	0.454
12			4091/3630	0.0518	0.0518
13			3638/2075	0.5058	0.5058
14	रेनवाल, माधोराजपुरा (जयपुर)	CITY HOME AFFORDABLE LLP पंजीकृत कार्यालय: 3ए7 होटल रजिडेन्सी, पैलेस हाईकोर्ट कॉलोनी रातानाडा जोधपुर राजस्थान	3634/2075	0.1897	0.1897
15			2079/1	0.2023	0.2023
16			2079/2	0.215	0.215
17			2091/5	0.1138	0.1138
18			2090/2	0.1138	0.1138
19			2078/1	0.2908	0.2908
				कुल	4.3627

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर विज्ञप्ति के **विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें**"Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08.09.2026 को जारी की गयी। **प्राधिकृत अधिकारी जोन-22, जविप्रा, जयपुर**

1000 कि.मी. पीछा कर दमन से एमडी तस्कर गिरफ्तार

रक्षाबंधन पर जयपुर में नशे की बड़ी खेप खपाने की थी साजिश

-कार्यालय संवाददाता -

जयपुर । राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन रानीरोना' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक हजार किलोमीटर दूर दमन से 25 हजार रुपए के इनामी एमडी तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी रामनिवास उर्फ रामू विश्नोई (32) नागौर क्षेत्र में एमडी (मेफेड्रोन) सप्लाई का मुख्य सरगना बताया गया है। यह एएनटीएफ की 93वीं बड़ी कार्रवाई है।

एएनटीएफ आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी रामनिवास निवासी जायल जिला जिला नागौर है। चूरू पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस के अनुसार रामनिवास ने वर्ष 2011 में गांव से 12वीं पास करने के बाद मुंबई की कूरियर कंपनी में नौकरी की। हाईप्रोफाइल सोसायटियों के संपर्क में आने के बाद वह एमडी के नशे का आदी हुआ और फिर इसकी सप्लाई करने लगा।

वह मुंबई से करीब 8 लाख रुपए प्रति किलो में एमडी खरीदकर नागौर व आसपास के फिक्स ग्राहकों को करीब 10 लाख रुपए प्रति किलो तक बेचता था। महीने में दो चक्कर लगाकर उसे करीब 2 लाख रुपए प्रति किलो मुनाफा होता था।

तस्करी से कमाई रकम से उसने नागौर में बड़ा मकान बनवाया, लग्जरी कारें खरीदीं और पत्नी के लिए सोने-चांदी के आभूषण खरीदे। नागौर पुलिस ने एएनटीएफ के सहयोग से एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ के तहत उसके निर्माणाधीन अवैध मकान को ध्वस्त किया था। तस्करी में इस्तेमाल उसकी दो कारें भी जब्त/सीज की जा चुकी हैं।

पुलिस के अनुसार रामनिवास रक्षाबंधन पर जयपुर की नशा पार्टियों में खपाने के लिए भेजी जा रही एमडी की बड़ी खेप का मुख्य सूत्रधार था। 27 अगस्त 2026 को एएनटीएफ और पुलिस ने जायल के दुगौली गांव में नाकाबंदी कर कार को रोका। कार से आरोपी के साथी तस्कर का नाबालिग भतीजा पकडा गया और 5.400 किलो एमडी बरामद हुई। रामनिवास दूसरी कार से एमडी से भरी कार को एस्कॉर्ट कर रहा था। नाकाबंदी देखकर वह कार भगाकर फरार हो गया।

इस संबंध में थाना जायल में प्रकरण दर्ज किया गया। इससे पहले रतनगढ़ पुलिस ने आरोपी के स्थायी ग्राहक नरसीराम सहित चार लोगों को एमडी के साथ पकडा था। इसके बाद से रामनिवास फरार चल रहा था।

पुलिस से बचने के लिए रामनिवास नागौर के जंगलों में छिपा। इसके बाद जयपुर के मुहाना मंडी स्थित अर्बन ज्वैल्स के फ्लैट में करीब 10 महीने तक रहा। जायल नाकाबंदी से भागने के बाद वह मनाली, अंबाला और आगरा होते हुए 3 सितंबर 2026 को दमन पहुंचा और मामा के किराए के कमरे में छिपकर रहने लगा। एएनटीएफ टीम ने लगातार उसका पीछा किया और कई रातों के रेल सफर के बाद दमन पहुंची।

टीम ने तकनीकी जांच और मुखबिर तंत्र की मदद से उसके मामा के कमरे का पता लगाया और दबिश देकर रामनिवास को गिरफ्तार कर लिया। आईजी विकास कुमार ने बताया कि कार्रवाई को अंजाम देने वाली एएनटीएफ टीम को मुख्यालय में विशेष समारोह आयोजित कर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामनसिटी (डीडवाना-कुचामन)
Email :eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com
फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/4074 दिनांक :-07.09.2026

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदको द्वारा पालिका में निम्न रूप से उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिये आवेदक प्रस्तुत किया है। पालिका द्वारा आवेदित प्रयोजनार्थ के तहत प्रकरण का निस्तारण किया जाना है। निम्न प्रकरणों में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा/जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	पत्रावली सं.	प्रयोजन	आवेदक का नाम/पिता का नाम व पता	क्षेत्रफल वर्गगज में	खसरा नं., कॉलोनी/मौहल्ला का नाम
1.	204/2026-27	नामान्तरण	श्रीमती सुनिता कुमावत पत्नी अशोक कुमार कुमावत	238.33	बी.आर. खोखर स्कुल के पास
2.	205/2026-27	नामान्तरण	श्री शंकर घोटिया पुत्र सांवता राम घोटिया	177.78	श्रीसांवरिया सेठ नगर
3.	208/2026-27	नामान्तरण	श्रीमती सेनू चौधरी पत्नी औम सिंह चौधरी	213.88	स्टेशन रोड़
4.	74/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्रीमती रतनी पत्नी श्री किशन जाट	200.00	मीरा नगर, बुड़सू रोड़ के पास
5.	75/2026-27	निर्माण ईजाजत	डॉ. श्री अनिल कुमावत पुत्र भंवरलाल कुमावत	466.66	अनेकान्त एनक्लेव कॉलोनी, बुड़सूरोड़
6.	162/2026-27	69-क	श्री मंगला राम पुत्र दयालराम	131.21	432, कड़वा का बासड़ा
7.	467/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री छितरमल पुत्र बिरदाराम कुमावत	134.75	1750, नवोड़ी कोठी, शिव मन्दिर के पास
8.	470/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री कमलकिशोर पुत्र नाथुराम कुमावत	244.44	749, बड़ला की ढाणी
9.	471/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री प्रेमाराम पुत्र गोपीराम जाट	133.77	3471/3468, श्री रामनगर
10.	472/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री प्रेमाराम पुत्र गोपीराम जाट	133.33	3471/3468, श्री रामनगर
11.	475/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री जगदीश पुत्र मालचन्द	288.88	817, वृन्दावन कॉलोनी, कृषि मण्डी के पीछे

आयुक्त
नगरपरिषद् कुचामन सिटी

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी
Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com
फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/4124 दिनांक :- 08.09.2026

लोक सूचना

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्री विजय कुमार पुत्र झुता राम जाति खटीक	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना-कुचामन	कुचामन सिटी	1692/1117	2.1225 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 08.09.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

अगर आप प्रेरणा के कारण तलाशें, तो प्रेरित रहने के बहुत सारे कारण हैं। जहां तक मेरी बात है, चाहे यह आपका पहला मैच हो या 100वां, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, मेरी मेहनत और नजरिया एक समान ही रहता है। - **मो. शमी**

भारतीय गेंदबाज, दलीप ट्रॉफी फाइनल जीतने के बाद।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू वनडे सीरीज़ के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है, जिसकी शुरुआत 27 सितंबर को होगी। 39 वर्षीय बल्लेबाज ने हालिया शानदार प्रदर्शन, विशेषकर इंग्लैंड दौरे पर बनाए गए 138 रनों की पारी से, 2027 वर्ल्ड कप में उनकी भागीदारी और रिटायरमेंट की अटकलों को विराम दिया है, जिसे बीसीसीआई का भी समर्थन प्राप्त है। मुंबई में बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के बाद, बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने शर्मा का समर्थन किया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने एशियाई खेलों के इतिहास में कुल मिलाकर 700 से अधिक (लगभग 779) पदक जीते हैं।

जूनियर महिला एशिया कप : भारत ने पाक को 19-0 से रौंदा, रिकॉर्ड जीत के साथ सेमीफाइनल में किया प्रवेश

मोकी, (चीन) 10 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शानदार आक्रामक प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को महिला जूनियर एशिया कप-2026 के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने मुकाबले के चारों क्वार्टर में गोल दागे और एकतरफा जीत दर्ज की।

भारत ने पहले क्वार्टर में पांच, दूसरे में पांच, तीसरे में तीन और अंतिम क्वार्टर में छह गोल किए। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और पहले पांच मिनट में ही दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, हालांकि दोनों मौकों को गोल में नहीं बदला जा सका। सातवें मिनट में पूजा साहू ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। इसके दो मिनट बाद रोशनी ऐंद ने फील्ड गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। 11वें मिनट में तनुश्री दिनेश कडू ने डिफ्लेक्शन के जरिए गोल किया।

इसके बाद पाकिस्तान की टीम ने सर्किल के अंदर फाउल किया और भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में इसे आसानी से गोल में बदल दिया। इसके तुरंत बाद सानिका चंद्रकांत माने ने फील्ड गोल कर भारत को पहले क्वार्टर के अंत में 5-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। मधु सिदार ने 16वें मिनट में और गीता यादव ने 18वें मिनट में गोल कर स्कोर 7-0 कर दिया। सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जबकि तनुजा टोप्पो ने 25वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त 9-0 कर दी। 27वें मिनट में पूजा मलिक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 10-0 से आगे कर दिया।

हाफ टाइम तक भारत ने आठ पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल कर लिया था। तीसरे क्वार्टर में पूर्णिमा यादव ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर डिफ्लेक्शन के जरिए गोल किया। मधु सिदार ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जबकि सुप्रिया ने 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 13-0 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भारत ने छह और गोल दागे। कृष्णा शर्मा ने 48वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना पहला गोल किया। पूजा मलिक ने 49वें मिनट में दूसरा गोल और 51वें मिनट में तीसरा गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। सुप्रिया ने 54वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल किया।

बिनिमा धन ने 55वें मिनट में फील्ड गोल किया, जबकि रोशनी ऐंद ने 60वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर भारत की जीत का स्कोर 19-0 कर दिया। आंकड़े भी भारत के एकतरफा दबदबे की गवाही देते हैं। भारत ने कुल 19 गोल किए, जबकि उसे 18 पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला। पाकिस्तान पूरे मुकाबले में न तो कोई गोल कर सका और न ही पेनल्टी कॉर्नर या पेनल्टी स्ट्रोक हासिल कर सका। इस शानदार जीत के साथ भारत ने महिला जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। अब 12 सितंबर को सेमीफाइनल में भारत का सामना क्वार्टर फाइनल-4 में दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

ईशान और कौनैन के दम पर ईस्ट जोन ने 13 साल बाद जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

चेन्नई, 10 सितंबर। ईस्ट जोन ने गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। ईस्ट जोन ने 13 साल के इंतजार को खत्म करते हुए तीसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती। टीम ने इससे पहले 2012-13 सत्र में खिताब अपने नाम किया था। फाइनल के आखिरी दिन ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 388/7 के स्कोर पर पारी घोषित की। मोहम्मद कौनैन कुरैशी ने 190 गेंदों पर नाबाद 116 रन की पारी खेलकर अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया, जबकि अनुकूल रॉय ने 64 रन बनाए। घोषणा के साथ ही ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन टीम ने खिताबी जीत का जश्न शुरू कर दिया।

ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। कप्तान ईशान किशन ने शानदार 270 रन और कुमार कुशाग्र ने 101 रन की पारी खेली थी। किशन ने दूसरी पारी में भी 80 रन बनाए और मैच में कुल 350 रन पूरे किए। फाइनल के आखिरी दिन कौनैन कुरैशी और अनुकूल रॉय ने सातवें विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इसी दौरान धीमी ओवर गति के कारण साउथ जोन पर पांच रन की पेनल्टी भी लगाई गई।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 और एशियाई खेलों के लिए यश ठाकुर भारतीय टीम में शामिल, चोटिल हर्षित राणा बाहर

नई दिल्ली, 10 सितंबर। विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज और आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यश ने चोटिल हर्षित राणा की जगह ली है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होगी। 27 वर्षीय यश ठाकुर का यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज होगा। उन्होंने जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने दो मैचों में चार विकेट हासिल किए थे। यश को पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्होंने सात मैचों में 18 विकेट लिए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर दो मैचों में चार विकेट लेने के साथ उनका इकॉनमी रेट 9.37 रहा था।

तेज गेंदबाज यश ठाकुर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन के दौरान अच्छी प्रगति कर रहे थे। हालांकि, 7 सितंबर को मैच सिमुलेशन के दौरान गेंदबाजी करते समय उनकी रेक्टस फेमोरिस मांसपेशी में खिंचाव आ गया, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। यश ने अब तक 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम 81 विकेट हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 7.04 रहा है। अफगानिस्तान टी-20 और एशियाई खेलों के लिए अपडेट की गई भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को भी फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद शामिल किया गया है। भारत एशियाई खेलों से पहले जापान के खिलाफ एक ऐतिहासिक एकमात्र टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगा।

अफगानिस्तान टी-20 और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर।

भारत ने 10वीं बार एशिया कप फाइनल में बनाई जगह, सेमीफाइनल में बांग्लादेश को रौंदा

दुबई, 10 सितम्बर। भारतीय टीम ने गुरुवार को एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रनों से मात दी। इस जीत के साथ भारत ने फाइनल में जगह बना ली है। भारत 10वीं बार खिताबी मुकाबले तक पहुंचा है। महिला एशिया कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 149 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन ही बना सकी।

बांग्लादेश ने अच्छी शुरुआत की है। दिलारा अख्तर और जुएरिया फिरदौस के बीच पहले विकेट के लिए 26 रन की साझेदारी हुई। श्री चरणी ने जुएरिया फिरदौस को आउट किया। उन्होंने 18 गेंद में 14 रन बनाए। दिलारा अख्तर 26 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुईं। शोभना मोस्टोरी ने 24 गेंद में 18 रन का योगदान दिया। निगर सुल्ताना ने 17 गेंद में 19 रन बनाए। शर्मिन अख्तर ने एक रन बनाया। फाहिमा और शोर्ना अख्तर क्रीज पर मौजूद हैं।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को दूसरे ओवर में झटका लगा। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना दो रन ही बना सकीं। प्रतिका ने 20 रन बनाए। शेफाली वर्मा 40 गेंद में 64 रन बनाकर आउट हुईं। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (16 गेंद में 21 रन) भी शुरुआत में धीमी रहीं, लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण रन जोड़ने में सफलता हासिल की।

एशियाई खेल : भारत ने अपनी पूरी स्टार खिलाड़ी टीम भेजी : राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीम की आवास व्यवस्था को लेकर बेकर्स स्टेडियम की शुरुआती चिंताएं अब दूर हो गई हैं, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने संतोष से बात की। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की है कि भारत ने अपनी पूरी स्टार-खिलाड़ी टीम भेजी है, जिसमें श्रेयस अय्यर और प्लेयर्स जैसे नाम शामिल हैं, अफवाहों के विपरीत बी टीम नहीं है। नागोया में खिलाड़ियों को अब पर्सनल रूम मिलेगा, जिसमें बेहतर सुविधा सुनिश्चित होगी।

शुक्ला ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए की गई व्यवस्थाओं की तस्वीरों और वीडियो के ज़रिए समीक्षा की गई थी और उन्हें टीम के लिए सही पाया गया। उन्होंने यह भी साफ़ किया कि बीसीसीआई अपनी बी टीम नहीं भेजेगा, बल्कि वही टीम जाएगी जिसकी घोषणा पहले ही हो चुकी है, जिसमें श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम की रवानगी के मौके पर शुक्ला ने कहा कि यह अफवाह है कि हम अपनी बी टीम भेज रहे हैं। हमारी पूरी टीम जा रही है।

मुझे उम्मीद है कि हम ज़रूर जीतेंगे। हाँ, रहने की जगह एक समस्या थी। हालाँकि, हमारे लिए मुख्य चिंता का विषय मैदान और पिच थी। उन्होंने उस पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम अब ठीक हैं और दूसरी सुविधाएँ भी। उन्होंने जो भी व्यवस्था की है, हम वहीं ठहर रहे हैं और हम इस बात पर नज़र रख रहे हैं कि किस तरह की सुविधाएँ दी जा रही हैं ताकि हमारे खिलाड़ी सहज महसूस करें। उन्होंने यह भी कन्फर्म किया कि नागोया से दूरी की वजह से क्रिकेटरों को टोक्यो या ओसाका में ठहराने का विकल्प प्रैक्टिकल नहीं लगा। शुक्ला ने कहा कि इसलिए खिलाड़ी होस्ट सिटी में ही रहेंगे, जहाँ उन्हें ट्विन-शेयरिंग के बजाय अलग-अलग कमरे दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे क्रिकेटरों के लिए जो रहने की जगह तय की गई है, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमें मिल गए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि यह आरामदायक है। वे (क्रिकेटर) वहीं जाकर रहेंगे क्योंकि दूसरा विकल्प उन्हें ओसाका या टोक्यो में ठहराने का था, जो काफी दूर है।

वियतनाम ओपन : तन्वी शर्मा क्वार्टर फाइनल में पहुंची, प्रणय भी अंतिम-8 में

हो ची मिन्ह सिटी, 10 सितंबर। शीर्ष वरीय तन्वी शर्मा ने गुरुवार को थाईलैंड की पासा-ओर्न फन्नाचेट को हराकर वियतनाम ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तन्वी ने अंतिम-16 मुकाबले में फन्नाचेट को 26-24, 21-12 से हराया। विश्व की 27वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी को पहले गेम में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों के बीच पूरे गेम में कांटे की टक्कर रही और कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सका। तन्वी ने अंतिम क्षणों में धैर्य बनाए रखते हुए 20 मिनट में गेम 26-24 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में तन्वी ने शानदार शुरुआत करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक उन्होंने 11-4 की बढ़त हासिल कर ली थी। ब्रेक के बाद भी उन्होंने मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और 21-12 से गेम जीतकर 36 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

भारत के खिलाफ मुकाबले के लिए ब्राजील की मजबूत टीम घोषित

विनिसियस जूनियर, राफिन्हा और एंड्रिक शामिल

नई दिल्ली, 10 सितंबर। पांच बार की विश्व कप विजेता ब्राजील ने भारत के खिलाफ तीन अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले दोस्ताना मुकाबले के लिए 26 सदस्यीय मजबूत टीम की घोषणा कर दी है। मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने टीम में विनिसियस जूनियर, राफिन्हा, एंड्रिक और ब्रूनो गिमाराएस जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बैलन डी'ओर के तीन नामांकित खिलाड़ी भी हैं। ब्राजील की टीम भारत पहुंचने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 और 29 सितंबर को दो मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी, जहां तीन अक्टूबर को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबला होगा। यह मुकाबला खालिद जमील की अगुवाई वाली भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे सफल टीमों में से एक ब्राजील के खिलाफ खुद को परखने का बड़ा मौका होगा। साथ ही यह ब्राजील की सीनियर पुरुष टीम का भारतीय जमीन पर पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी होगा।

ब्राजील की टीम : गोलकीपर : ह्यूगो सूजा, पेड्रो मोरिस्को, ओटावियो; **डिफेंडर्स:** आर्थर डायस, डगलस सैंटोस, गैब्रियल मागालाएस, जाइर, मार्किन्होस, मात्युजिन्हो, माउरो जूनियर, विटोर रीस, वेस्ली; **मिडफील्डर्स :** आंद्रेई सैंटोस, ब्रेनो बिडोन, ब्रूनो गिमाराएस, डानिलो सैंटोस, डगलस लुइज़, गैब्रियल बोंटेम्पो; **फारवर्ड्स :** एंड्रिक, एस्टेवाओ, जोआओ पेड्रो, पेड्रो, राफिन्हा, रायन, सैमुअल लिनो, विनिसियस जूनियर।

प्रखर असावा चेन्नई ओपन नेशनल गोल्फ चैम्पियनशिप में 9वें नंबर पर

जयपुर, 10 सितम्बर। राजस्थान के नंबर 1 गोल्फ खिलाड़ी, रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने आज 6 अंडर पार का शानदार राउंड खेला। उन्होंने 7 बर्डी और 1 बोगी के साथ अपनी ऑल-राउंड गोल्फिंग काबिलियत दिखाई और चेन्नई ओपन नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप के तीसरे दिन के आखिर में 9वें नंबर पर रहे। यह चैंपियनशिप 8 से 11 सितंबर 2026 तक चेन्नई के टीएनजीएफ-कॉस्मो गोल्फ कोर्स में हो रही है। आज गोल्फ कोर्स पर खेलना बहुत मुश्किल था, क्योंकि वहां का तापमान बहुत ज़्यादा था, नमी भी थी और तेज़ क्रॉस हवाएं चल रही थीं। टीएनजीएफ-कॉस्मो गोल्फ कोर्स एक छोटा लेकिन मुश्किल टेस्ट है, जिसमें टूर्नामेंट में पार-72 लेआउट लगभग 6,225 यार्ड का होता है।

आरसीए चुनाव में दीपक राज गुट को शामिल करने के आदेश

जयपुर, 10 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरसीए के 29 सितंबर को होने वाली बोर्ड बैठक और चुनाव में सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ के दीपक राज गुट को अंतरिम रूप से शामिल करने को कहा है। अदालत ने कहा कि यह अनुमति याचिका के अंतिम निर्णयाधीन रहेगी। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आरसीए के 29 सितंबर को आम चुनाव होने जा रहे हैं। जिसमें दीपक राज और सुमित गर्ग के गुटों के बीच विवाद होने के चलते सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ को शामिल होने और वोट देने की अनुमति नहीं दी गई है। अदालत ने कहा कि जिला क्रिकेट संघ का आरसीए चुनाव में भाग लेना अधिकार है। सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ आरसीए का सदस्य है। इसलिए यदि उसे आम सभा और चुनाव में भाग लेने से वंचित किया गया तो उसे अपूरणीय क्षित होगी। अदालत ने कहा कि सुमित गर्ग गुट का कार्यकाल पूर्व में ही समाप्त हो चुका है और उसकी अवधि में हुए चुनाव की वैधता का मामला लंबित चल रहा है। वहीं दीपक राज गुट के कार्यकाल का जुलाई, 2028 होने का दावा किया गया है। ऐसे में इस गुट को अंतरिम रूप से आरसीए चुनाव में शामिल होने की अनुमति दी जाती है। याचिका में अधिवक्ता एसएस होरा सहित अन्य ने बताया कि दीपक राज के प्रतिनिधित्व किए गए जिला क्रिकेट संघ के अनुसार एसोसिएशन के 21 जुलाई, 2024 को चुनाव हुए थे, लेकिन गत 14 मई को आरसीए की एडहॉक कमेटी ने आदेश जारी कर उसकी संबद्धता वापस ले ली। याचिका में कहा गया कि उसकी निर्वाचित कार्यकारिणी का कार्यकाल 20 अगस्त, 2028 तक है। वहीं सुमित गर्ग के प्रतिनिधित्व वाले संघ की ओर से कहा गया कि जिला संघ का चुनाव 11 फरवरी, 2022 को हुआ था, जिसमें सुमित गर्ग सचिव निर्वाचित हुए थे और उसका कार्यकात 21 जुलाई, 2024 तक रहा। इस बीच जिला संघ के 21 जुलाई को हुए चुनाव अवैध थे। अदालत ने इन याचिकाओं में गत 16 जून को अंतरिम आदेश जारी करते हुए जिला क्रिकेट संघ से किसी को भी आगामी सुनवाई तक एजीएम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद आरसीए ने 29 सितंबर को होने वाले चुनाव में जिला संघ के किसी भी गुट को भाग लेने से मना कर दिया।

20वें एशियाई खेल : भारतीय तैराकी टीम जापान के लिये रवाना

अहमदाबाद, 10 सितंबर। जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए चुनी गई भारतीय तैराकी टीम की विदाई सेरेमनी स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अहमदाबाद में हुई। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुए नेशनल ट्रेनिंग कैंप में मुश्किल ट्रेनिंग सेशन पूरे करने के बाद, टीम को तैराक, कोचिंग स्टाफ और जाने-माने लोगों की मौजूदगी में जापान के लिए रवाना किया गया। भारतीय तैराकी टीम का ट्रेनिंग कैंप 2 अगस्त से 10 सितंबर तक अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में हुआ था । इस मौके पर, भारतीय खेल प्राधिकरण सपोर्ट स्टाफ ने खिलाड़ियों को पारंपरिक तिलक लगाकर विदाई दी और उनके शानदार परफॉर्मेंस के लिए शुभकामनाएं दीं। सेरेमनी के दौरान, हेड कोच प्रदीप कुमार ने कहा कि सभी तैराक ने इस ट्रेनिंग कैंप के दौरान फिजिकली और मेंटली कड़ी मेहनत की है।

यूएस ओपन : राइबाकिना ने झेंग को हराया, सबालेंका का 99 सप्ताह का नंबर-1 राज खत्म

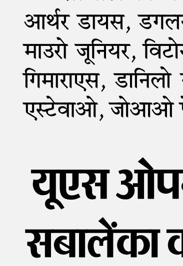

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर। कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने बुधवार को झेंग छिनवेन को तीन सेटों में हराकर पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ राइबाकिना ने विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी सुनिश्चित कर ली है। सोमवार को जारी होने वाली नई डब्ल्यूटीए रैंकिंग में वह आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन राइबाकिना ने आर्थर ऐश स्टेडियम में धीमी शुरुआत से उबरते हुए झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। 27 वर्षीय राइबाकिना के लिए यह पहली बार है जब वह यूएस ओपन के अंतिम चार में पहुंची हैं। राइबाकिना के शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचने के साथ सबालेंका का नंबर-1 पर 99 सप्ताह का लगातार कब्जा समाप्त हो जाएगा। हालांकि इस उपलब्धि के बावजूद राइबाकिना ने कहा कि उनका पूरा ध्यान फिलहाल टूर्नामेंट जीतने और सेमीफाइनल के लिए समय पर खुद को तैयार करने पर है। सेमीफाइनल में राइबाकिना का सामना चौथी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ या पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रीवा से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में सबालेंका का मुकाबला तीसरी वरीय जेसिका पेगुला से होगा।

श्रीगंगानगर में जूनियर व सब-जूनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता शुरू

श्रीगंगानगर, 10 सितंबर। राजस्थान में तीरंदाजी के खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में जूनियर एवं सब-जूनियर छात्र-छात्रा राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता-2026 का भव्य आगाज गुरुवार को श्रीगंगानगर में हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 13 सितंबर 2026 तक भामाशाह सुशील कुमार बिहाणी क्रिकेट अकादमी, श्रीगंगानगर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों एवं इकाइयों से बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली तीरंदाज भाग ले रहे हैं। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में युवा तीरंदाज रिकर्व, कंपाउंड एवं इंडियन राउंड सहित विभिन्न वर्गों में अपनी निशानेबाजी और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

आरसीए द्वारा राज्य स्तरीय अंडर-23 प्रतियोगिता व अंडर-19 वीमेन चयन ट्रायल का आयोजन अक्टूबर माह में किया जायेगा

जयपुर, 10 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनावों को देखते हुए आरसीए द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता व आरसीए के तत्वाधान में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर 19 वीमेन चयन ट्रायल का आयोजन अब संशोधित प्रोग्राम के अनुसार आरसीए चुनावों के बाद अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में किया जाएगा साथ ही आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन आरसीए द्वारा जारी प्रोग्राम के अनुसार यथावत जारी रहेगा।

कोको गॉफ ने दो मैच प्वाइंट बचाकर आंद्रिवा को हराया

न्यूयॉर्क, 10 सितंबर। अमेरिका की कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रिवा को तीन सेटों में 2-6, 7-6 (7), 6-2 से हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। 2023 की चैंपियन गॉफ ने मुकाबले के दौरान दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की। आर्थर ऐश स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले के पहले सेट में गॉफ पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। आंद्रिवा ने शुरुआत में ही दबदबा बनाते हुए लगातार चार गेम जीते और पूरे सेट में गॉफ को एक भी ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया। पहले सेट में गॉफ ने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि आंद्रिवा ने केवल पांच गलतियां कीं। इसका फायदा उठाते हुए रूसी खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-2 से अपने नाम कर लिया।

जयपुर और ऑल स्टार्स टीम ने दर्ज की एकतरफा जीत

टीम जयपुर के लिए सवाई पद्मनाभ सिंह ने किए 10 गोल

जयपुर, 10 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत गुरुवार को सीजन के दूसरे टूर्नामेंट आरपीसी कप-(04 गोल्स) के दो मुकाबले राजस्थान पोलो क्लब में खेले गए। फ्लडलाइट्स की रोशनी में आयोजित नाइट पोलो मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया। पहले मुकाबले में टीम रामबाग/कानोता/ मेफेयर पोलो का सामना टीम जयपुर से हुआ। इसके बाद टीम ऑल स्टार्स और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच मुकाबला खेला गया।

टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो और टीम जयपुर हुई आमने-सामने

पहला मुकाबला टीम रामबाग/ कानोता/ मेफेयर पोलो और टीम जयपुर के बीच खेला गया। आज फिर एकतरफा मुकाबले में टीम जयपुर विजेता बन कर उभरी। टीम जयपुर ने टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो को 12-3 के स्कोर से शिकस्त देते हुए जीत हासिल की। विजेता टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले 10 गोल दागे। टीम से कुलदीप सिंह राठौड़ और रुशिल नरूला ने 1-1 गोल हासिल किए। टीम में अक्षय मलिक भी शामिल रहे। वहीं, टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो से हुर्र अली ने 2 गोल और अनय शाह ने 1 गोल किया। टीम से सिद्धांत सिंह और प्रताप सिंह कानोता भी खेले।

टीम ऑल स्टार्स और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच मुकाबला

टीम ऑल स्टार्स और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच खेले गए मुकाबले में टीम ऑल स्टार्स ने एकतरफा जीत दर्ज की। टीम ऑल स्टार्स ने 13.5 - 2 के स्कोर से टीम आरपीसी-सीएवी को हराकर मुकाबला अपने नाम किया। विजेता टीम ऑल स्टार्स की ओर से डीनो धनखड़ ने 4 गोल किए। वहीं, जुआन जोस अल्बर्डी, अशोक चांदना और डॉ. शिवांगी सिंह प्रत्येक खिलाड़ी ने 3-3-3 गोल किए। यहां टीम को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। दूसरी ओर, टीम आरपीसी-सीएवी से मयूरध्वज सिंह तालाबगांव और कर्नल वीएस काहलों, वीएसएम ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम की ओर से शुभम गुप्ता और लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान भी खेले।

टूर्नामेंट का फाइनल कल

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 12 सितंबर, शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर नाइट पोलो के तहत रात 7.30 बजे खेला जाएगा। फाइनल में टीम जयपुर और टीम ऑल स्टार्स के बीच टक्कर होगी।

टीम अल्टीमेट तोपची जीती

जयपुर, 10 सितम्बर। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी की शुरुआत हुई, जिसमें टूर्नामेंट के पहले मैच में

टीम अल्टीमेट तोपची का मुकाबला टीम जेआरपीसी से हुआ। मेजर राघवराज सिंह और कैप्टन प्रिंसपाल सिंह के शानदार तालमेल से मैदान में जान आ गई, उनकी बेहतरीन टीमवर्क को रोकना नामुमकिन था। कैप्टन प्रिंसपाल इस दिन के स्टार रहे; उन्होंने आठ गोल करके दर्शकों को रोमांचित कर दिया, जिसमें एक दुर्लभ डबल हैट-ट्रिक भी शामिल थी, जिसने उनकी टीम की बढ़त को पक्का कर दिया। टीम जेआरपीसी के लिए रघुराम और योगेंद्र ने पूरी कोशिश की, लेकिन तोपची की लगातार तेज़ रफ़्तार और सटीक खेल के आगे वे टिक नहीं पाए। मैच का फाइनल स्कोर टीम अल्टीमेट तोपचीं के पक्ष में 11-2 रहा।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने जीता अंडर-12 पिंकसिटी कप का खिताब

जयपुर, 10 सितम्बर। अंडर-12 पिंकसिटी कप के फाइनल मुकाबले में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.5 ओवर में 199 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। एलस ने 68 और प्रियंक ने 44 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से जयदीप यादव ने 3, दीपक सैनी, हर्ष और राजवीर ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने 33.1 ओवर में 200 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। मोनित बिश्नोई ने 100 और भूमिका ने 82 रन का योगदान दिया! लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रतीक सैनी ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच भूमिका को चुना गया। टूर्नामेंट का बेस्ट बैट्समैन भूमिका (366 रन), बेस्ट बॉलर गोपाल शास्त्री (11 विकेट), बेस्ट फील्डर भूमिका और मैन ऑफ द सीरीज भूमिका को चुना गया।

राज्य सरकार की सतर्कता से लम्पी रोग पर स्थिति नियंत्रण में- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिरोधक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्पी स्किन रोग की स्थिति एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली।

■ **पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बताया कि प्रदेश में 10,403 पशु लम्पी रोग से संक्रमित पाए गए थे, जिनमें से 6,905 रिकवर हो चुके हैं। प्रदेश में 87 प्रतिशत से अधिक टीकाकरण किया जा चुका है।**

जयपुर, 10 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सावधानी और सतर्कता ही पशुओं में लम्पी रोग से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लम्पी रोग के प्रति पूरी तरह सजग एवं सतर्क है तथा सरकार द्वारा समयबद्ध रूप से की गई तैयारियों के फलस्वरूप स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार के उपायों की जानकारी देने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाए, ताकि पशुपालक पैनिक में न आएं और समय पर आवश्यक सावधानियां बरतें।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्पी स्किन रोग की स्थिति एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में टीकाकरण अभियान को और तेज करने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में रोग प्रतिरोधक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, गोशालाओं एवं अन्य स्थानों पर संक्रमित पशुओं को आइसोलेट करने तथा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाए।

बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में लम्पी रोग से 10 हजार 403 संक्रमित पशु पाये गए हैं। इनमें से 6 हजार 905 पशुओं की रिकवरी हो चुकी है तथा रिकवरी में वृद्धि हो रही है। साथ ही, प्रदेशभर में 87 प्रतिशत से अधिक टीकाकरण किया जा चुका है।

इस दौरान, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव पशुपालन एवं गोपालन विकास सीतारामजी भाले सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वहीं, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

स्कॉर्पियो से कांस्टेबल को टक्कर मार कर चालक फरार

■ **वाहन पर काले शीशे देख कांस्टेबल ने रोकने का प्रयास किया, पर चालक रफ्तार बढ़ाकर टक्कर मार के फरार हो गया।**

जयपुर, 10 सितम्बर (कासं)। मानसरोवर इलाके में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को ब्लैक शीशों वाली स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर चालक के फरार होने का मामला सामने आया है। पुलिसकर्मी ने गाड़ी के काले शीशे देखकर उसे रोकने का इशारा किया था। इस पर चालक ने रफ्तार बढ़ा दी और ओवरस्पीड में गाड़ी दौड़ाते हुए कांस्टेबल को टक्कर मार दी। हादसे में कांस्टेबल सड़क पर गिरकर घायल हो गया। टक्कर के बाद चालक स्कॉर्पियो लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी के नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हेड कांस्टेबल घासीराम ने बताया कि जयपुर ट्रैफिक पुलिस दक्षिण में तैनात एएसआई महेश कुमार (53) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। घटना 8 सितंबर की सुबह करीब 10.15 बजे की है। उस दिन सुबह करीब 8 बजे से एएसआई महेश कुमार और कांस्टेबल बलदेव की ड्यूटी गंगा-जमुना से वेस्टर्न हाईवे तक लगाई गई थी। दोनों पुलिसकर्मी अपने बीट क्षेत्र में स्थित किसान धर्मकांटा पर ड्यूटी कर रहे थे।

इसी दौरान करीब 10.15 बजे बदरवास की तरफ से ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो आई। गाड़ी के शीशे काले देखकर कांस्टेबल बलदेव ने उसे रुकने का इशारा किया। आरोप है कि चालक ने रुकने के बजाय स्कॉर्पियो की रफ्तार बढ़ा दी और तेज गति से कांस्टेबल की तरफ गाड़ी दौड़ा दी। इसी दौरान स्कॉर्पियो की टक्कर लगने से कांस्टेबल बलदेव सड़क पर गिर गया और घायल हो गया।

अब माल्या भी कॉकरोच पार्टी जॉइन करना चाहते हैं

उन्होंने कहा, मेरे साथ हो रहे अन्यायों को देखते हुए मुझे लगता है मुझे भी कॉकरोच बन जाना चाहिए

■ **उन्होंने हाल में कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें लगातार अन्याय का सामना करना पड़ रहा है।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। भगोड़े बिज़नैसमैन विजय माल्या, जो कई बैंकों द्वारा तत्कालीन किंगफिशर एयरलाइंस (केएफए) को दिए गए 9,000 करोड़ रुपये के कर्ज की अदायगी न होने के मामले में भारत में वांछित हैं, सोच रहे हैं कि क्या उन्हें कॉकरोच बन जाना चाहिए। उनका दावा है कि भारत सरकार ने उनके साथ अन्याय किया है और ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वे विदेश में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा, "मेरे साथ हुए और अब भी हो रहे सभी अन्यायों को देखते हुए, मैं सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की बेहतर जिंदगी हो।" उन्होंने हाल में कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें लगातार अन्याय का सामना करना पड़ रहा है।

अपने खिलाफ चल रहे केसों का जिक्र करते हुए माल्या ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने बंबई हाई कोर्ट में दिये गये एक हलफनामे में स्वीकार किया है कि उसने उनसे 14,000 करोड़ रुपये वसूल किए और वह रकम उन बैंकों को दे दी, जिनका पैसा माल्या पर बकाया था।

उन्होंने आरोप लगाया, "और मैं फिर कहना चाहता हूं कि अदालत में सबसे अधिक भयभीत कर देने वाली आपराधिक जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर हलफनामे में पुष्टि की गई है कि उसने 2021 में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की रकम बैंकों को सौंप दी थी। अगर आपको मुझ पर भरोसा नहीं है तो मेरी बात भूल जाइए। इस पर ध्यान दीजिए कि प्रवर्तन निदेशालय ने क्या कहा है।

मंगलवार को अपनी पिछली पोस्ट में माल्या ने दावा किया था कि वे भगोड़े नहीं हैं और ब्रिटेन की कानूनी प्रक्रिया ने उन्हें भारत आने से रोक रखा है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए माल्या ने कहा कि बैंकों को बकाया पैसा लौटाने का मामला उनके भारत में शारीरिक रूप से मौजूद होने से जुड़ा नहीं है।

'आपको गाड़ी चलाना नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेइशेकीव, अखरोर बोजोरोव और जसवीर सिंह की रिहाई के लिए बातचीत करने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है। ये लोग सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों में शामिल थे।

डीएचएस की एक अन्य पोस्ट में ट्रांसफॉर्मर्स श्रृंखला के मुख्य नायक ऑप्टिमस प्राइम को डीएचएस का पहचान चिह्न लगाए हुए और दाढ़ी वाले व्यक्ति का सामना करते हुए दिखाया गया है। उसके साथ संदेश लिखा है: "खुद देश छोड़ो या फिर परिणाम भुगतो।"

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ""सिंह' हिंदू हैं, वे सिख हैं, वे अमेरिकी हैं और वे गाड़ी चलाते हैं। डीएचएस की तरफ से नस्लवादी, गैर अमेरिकी और भारत विरोधी प्रोफाइलिंग /ट्रोलिंग हमारे देश की सामूहिक अन्तरात्मा को झकझोर देने वाली है।"

आपत्तिजनक पोस्टर का संज्ञान लेते हुए भाजपा ने तुरंत कड़ा विरोध जताया और कहा कि कई मेहनती और प्रतिभाशाली सिखों ने अपने कौशल और दृढ़ता से अमेरिका को समृद्ध किया है।

भाजपा ने अपने सिख प्रवक्ता आर. पी. सिंह को आगे किया। उन्होंने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को लिखे एक बयान में अमेरिकी सरकार के आधिकारिक निर्वासन अभियान में सिख पहचान और "सिंह" सरनेम का इस्तेमाल मजाक उड़ाने वाले तरीके के रूप में किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई।

सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा, "सिख केवल ट्रक चलाने के लिए अमेरिका नहीं आए थे। हम वैज्ञानिकों, किसानों, उद्यमियों, सैनिकों, सरकारी कर्मचारियों और राष्ट्र-निर्माताओं के रूप में यहां आए। एक सदी से भी अधिक समय से सिखों ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, वैज्ञानिक प्रगति, कृषि, सशस्त्र बलों और सार्वजनिक जीवन में योगदान दिया है।"

एक्स पर गोर को टैग करते हुए सिंह ने अमेरिकी राजदूत से आग्रह किया कि वे भारत और दुनिया भर के सिख समुदाय की इन कड़ी भावनाओं को वाशिंगटन में संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने आता है। भारत राष्ट्रीय मुद्राओं के अधिक इस्तेमाल और अधिक मजबूत सीमा-पार भुगतान प्रणालियों का समर्थन करता है, लेकिन ब्रिक्स को स्पष्ट रूप से अमेरिका-विरोधी या डॉलर-विरोधी गुट में बदलने का समर्थन करने की संभावना नहीं है। नई दिल्ली का पसंदीदा दृष्टिकोण व्यावहारिक है: अधिक विकल्प तैयार करना, लेकिन रणनीतिक लचीलापन बनाए रखना।

भू-राजनीति पर आम सहमति बनाना एक बड़ी चुनौती होगी। ईरान के खिलाफ जारी अमेरिका-इज़रायल युद्ध ने ब्रिक्स पर भारी दबाव डाल दिया है। ईरान इसका सदस्य है, जबकि एक अन्य सदस्य, संयुक्त अरब अमीरात के अपने हित और सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। इस संघर्ष ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल की सप्लाई को भी बाधित किया है और कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा दी है। पश्चिम एशिया को लेकर मतभेदों के कारण एक मजबूत संयुक्त घोषणा पर सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है।

भारत का रूख बड़े भू-राजनीतिक बयानों से हटकर व्यावहारिक सहयोग की ओर बढ़ने वाला हो सकता है। उसकी प्राथमिकताओं में ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा, मजबूत आपूर्ति शृंखलाएं, व्यापार और निवेश, सीमा-पार भुगतान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य तथा आपदाओं से निपटने की क्षमता शामिल हैं। ऐसा एजेंडा भारत के उस प्रयास के अनुरूप है, जिसमें वह ब्रिक्स को केवल पश्चिम के मुकाबले एक गुट के बजाय, विकास के लिए एक प्रभावी मंच बनाना चाहता है।

यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। ब्रिक्स इतना विविधतापूर्ण समूह है कि वह पारंपरिक गठबंधन नहीं बन सकता। चीन और भारत के हित आपस में टकराते हैं, रूस और चीन की अपनी रणनीतिक गणनाएं हैं, पश्चिम एशिया के सदस्य देशों की सुरक्षा प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं, जबकि ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका के नज़रिए अलग-अलग हैं। इसकी ताकत ही विविधता में है, बशर्ते यह विविधता सामूहिक कार्रवाही को असंभव न बना दे।

भारत के लिए यह शिखर सम्मेलन यह दिखाने का अवसर है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ निष्क्रिय तटस्थता नहीं है। इसका मतलब है कि भारत अपने हितों को आगे बढ़ाते हुए वॉशिंगटन, मॉस्को, बीजिंग और व्यापक ग्लोबल साउथ के साथ एक ही समय में जुड़ा रहे।

इसलिए सफलता का असली पैमाना बहुध्रुवीय दुनिया की बयानबाजी नहीं होगा। यह इस बात से तय होगा कि क्या नई दिल्ली भू-राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, बढ़े हुए समूह को एकजुट रखते हुए व्यापार, भुगतान, ऊर्जा और विकास के मामलों में ठोस नतीज़े दे पाती है।

अगर भारत सफल होता है, तो नई दिल्ली शिखर सम्मेलन ब्रिक्स को "ग्लोबल साउथ" की एक अधिक विश्वसनीय आवाज के रूप में स्थापित कर सकता है और उभरती विश्व व्यवस्था में मुख्य "सेतु-निर्माताओं" में से एक के रूप में भारत के दावे को मजबूत कर सकता है।

सवाई माधोपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान सवाई माधोपुर कलेक्टर की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर स्थानीय निकाय चुनाव का हवाला देते हुए उपस्थिति से छूट चाही गई। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने कहा कि अदालत की ओर से 5 मार्च, 2025 को दिए आदेश के खिलाफ खंडपीठ में अपील दायर की गई है। ऐसे में मामले की सुनवाई 7 अक्टूबर को रखी जाए। इस पर अदालत ने कलेक्टर की ओर से पेश प्रार्थना को स्वीकार करते हुए कहा कि यदि आगामी सुनवाई तक अदालती आदेश की पालना नहीं की जाती है तो वे व्यक्तिगत रूप से पेश होकर इस संबंध में जवाब देंगे।

अंततोगत्वा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2608261200000 नंबर वाले आवेदन को, सात दिन की अनिवार्य नोटिस अवधि पूरी होने के बाद, इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) ने मंजूरी दे दी।"

'मैं इन दिनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन राजा वड़िंग के खिलाफ उनकी नाराजगी अभी भी बनी हुई है।

समय कम है, लेकिन पायलट सबकी बातें सुन रहे हैं और स्थिति पर नजर भी रख रहे हैं। वे पार्टी नेताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें यह संदेश दे रहे हैं कि अगर वे सत्ता में वापसी के लिए काम नहीं करते हैं, तो सीबीआई, ईडी और अन्य एजेंसियाँ उनके पीछे पड़ जाएंगी, जिससे उनके लिए राजनीतिक रूप से टिके रहना मुश्किल हो जाएगा।

वे उम्मीद कर रहे हैं कि वे नेताओं और उनके मुद्दों के बीच सेतु की भूमिका निभाएंगे और उनकी बातें सुनकर, पार्टी और एक-दूसरे की मदद करने में उनकी सहायता करेंगे। और किसी एक चेहरे को आगे नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव में आगे बढ़ना चाहती है।

एक बार फिर मायावती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

9.39 प्रतिशत रह गया और पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी। इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें बसपा के व्यापक सामाजिक गठजोड़ का कमजोर होना, खासकर गैर-जाटव दलितों और ब्राह्मणों का पार्टी से दूर होना, भाजपा की सफल कल्याणकारी योजनाएं और हिंदू एकजुटता, जिससे गैर-जाटव दलित भाजपा की ओर गए, संगठन का कमजोर होना, मायावती के आसपास नेतृत्व का अत्यधिक केन्द्रीकरण और बार-बार होने वाले आंतरिक विवाद शामिल हैं। इन सबने पार्टी की अस्थिरता की छवि को मजबूत किया है।

विरोधी पार्टियाँ बसपा के बचे हुए जनाधार को तेजी से अपने पक्ष में करने के लिए आक्रामक तरीके से प्रयास कर रही हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने छात्र संगठन के लिए नीले स्कार्फ और नीली टी-शर्ट-जीन्स वाली यूनीफॉर्म अपनाई है, क्योंकि नीला रंग लंबे समय से अंबेडकरवादी और दलित अस्मिता से जुड़ा रहा है। सपा इसे अपनी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) रणनीति और दलित युवाओं तक पहुंच बनाने के प्रयास से जोड़ रही है। कांग्रेस ने "संविधान बचाओ" अभियानों और नीले रंग के प्रतीकात्मक इस्तेमाल के जरिए दलितों तक अपनी पहुंच तेज की है। वहीं, भाजपा, कल्याणकारी योजनाओं के जरिए सबको साथ लाने, संगठन में दलितों को प्रतिनिधित्व और व्यापक हिंदू सोशल इंजीनियरिंग के जरिए गैर-जाटव दलितों के समर्थन को बनाए रखने और बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए ऐसा लगता है कि दलित राजनीति बसपा के नेतृत्व में एकजुट होने के बजाय, बँटी रहेगी। पार्टी में जारी अंदरूनी विवाद और संगठन की घटती मौजूदगी के कारण, उसका बड़ा पुनरुत्थान मुश्किल दिखाई देता है। उसका मुख्य जाटव आधार कुछ हद तक उसके साथ बना रह सकता है, लेकिन इसके महत्वपूर्ण हिस्से सपा के पीडीए मंच या भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं और पहचान आधारित राजनीति की ओर खिसकते रहेंगे। छोटे अंबेडकरवादी संगठन भी बसपा के बचे हुए जनाधार में सेंध लगा सकते हैं। इसका कुल प्रभाव यह हो सकता है कि चुनाव में कई दलों के बीच अधिक कड़ा मुकाबला हो, जिसमें बसपा का बचा हुआ वोट निर्णायक ताकत बनने के बजाय, किसी एक दल के वोट काटने वाली ताकत के रूप में काम करे। इससे ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में केवल दलितों को एकजुट रखने की बसपा की दीर्घकालिक चुनौती भी सामने आती है।

दस दिन में प्रशासन "खड़े हनुमान जी" की मूर्ति को हिला नहीं पाया

सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने के लिए इस मूर्ति को स्थानांतरित किया जा रहा था

■ **स्थानीय लोग इस मूर्ति को 120 वर्ष पुरानी मानते हैं, पर, प्रतिमा की बनावट, पत्थर और शिल्प को देखते हुए इसके इतिहास को और पुराना माना जाता है।**

उज्जैन, 10 सितंबर। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में आस्था, इतिहास और आधुनिक तकनीक आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। कंठाल चौराहे और छतरी चौक के बीच स्थित प्राचीन 'खड़े हनुमान जी' की प्रतिमा को सड़क चौड़ीकरण के लिए स्थानांतरित करने के प्रशासनिक प्रयासों को दस दिन बीत चुके हैं, लेकिन प्रतिमा अपने स्थान से नहीं हिली।

दरअसल, प्रतिमा को हटाने के लिए क्रेन, पोकलेन और भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। कई प्रयासों के दौरान मशीनों पर अत्यधिक दबाव पड़ा और जंजीरों के टूटने की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बाद प्रतिमा की सुरक्षा को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों और पुरातत्व विशेषज्ञों की राय को महत्व दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ के मद्देनजर, शहर के प्रमुख मार्गों को चौड़ा करने की योजना पर काम चल रहा है। इसी क्रम में कंठाल क्षेत्र के इस प्राचीन मंदिर को भी मार्ग विस्तार के दायरे में लिया गया। मंदिर के बाहरी हिस्से को हटाने के बाद जब प्रतिमा को स्थानांतरित करने की कोशिश शुरू हुई तो अपेक्षित परिणाम नहीं मिला।

प्रत्यक्षिदर्शियों के अनुसार, पहले हाइड्रोलिक क्रेन की मदद ली गई। इसके बाद अधिक क्षमता वाली मशीनें और पोकलेन भी मौके पर पहुंचाई गईं। प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से उठाने के लिए जंजीरों और अन्य उपकरणों का सहारा लिया गया, पर प्रयास सफल नहीं हुए। प्रशासनिक और तकनीकी स्तर पर कई दौर के प्रयासों के बाद, अब प्रतिमा पर अत्यधिक यांत्रिक बल लगाने से बचा जा रहा है।

खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को स्थानीय स्तर पर लंबे समय से करीब 170 वर्ष पुराना माना जाता रहा है। हालांकि, प्रतिमा की बनावट, पत्थर और शिल्प को लेकर प्रारम्भिक चर्चाओं ने इसके इतिहास को और पुराना होने की संभावना सामने रखी है। कुछ इतिहासकार इसे परमार काल से जोड़ते हैं और लगभग एक हजार वर्ष पुराना होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसी कारण अब इस स्थल को महज एक धार्मिक स्थान के बजाय, संभावित ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले स्थल के रूप में भी देखा जा रहा है।

दूसरी ओर जमीन के भीतर प्रतिमा के आधार और संरचना की स्थिति जानने के लिए आधुनिक तकनीक, जिसमें थ्रीडी स्कैनिंग जैसी तकनीकों का उपयोग शामिल है, पर विचार किया जा रहा है। वहीं, प्रतिमा को हटाने के प्रयासों की जानकारी सामने आने के बाद कंठाल क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के साथ दूसरे शहरों से भी श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने का क्रम लगातार जारी है।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरिए बाहर के लोगों से बातचीत कर रहा था। जेल प्रहरी विष्णु (27) की रिपोर्ट पर लालकोठी थाने में मामला दर्ज किया गया है। जब्त मोबाइल भी पुलिस को सौंप दिया गया है।

मोबाइल जेल के अंदर कैसे पहुंचा और इसे बलजीत यादव तक किसने पहुंचाया, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस टीम जेल में बंद पूर्व विधायक से पूछताछ कर मोबाइल उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटाएगी। साथ ही जेल में रहते हुए उन्होंने किन-किन लोगों से मोबाइल के जरिए संपर्क किया, इसकी जानकारी के लिए मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी निकलवाई जाएगी।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गवाह कहा है कि अभियुक्त के जेल जाने के बाद उसने यह मकान पीड़िता की मां से मौखिक रूप से खरीद लिया है। अदालत ने कहा कि यदि पीड़िता की मां का ऐसा आशय होता तो वह पहले की उक्त मकान को इस गवाह को बेच देती। अभियुक्त ने अपनी इच्छा से ही इस मकान को पीड़िता की मां के नाम खरीदा था।

पीड़िता ने बताया कि जब वह दस साल की थी, अभियुक्त तब से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा है। इसके कुछ दिनों बाद अभियुक्त पीड़िता को तीन लाख रुपए में बेचने को भी तैयार हो गया। रिपोर्ट पर कार्रवाही करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

अमेरिका का आंकलन है कि भारत के पास 190 परमाणु बम हैं

यह भी माना गया है कि भारत अपने परमाणु हथियारों को लगातार आधुनिक बनाने में जुटा हुआ है

■ **फैडरेशन ऑफ अमेरिकन साइन्टिस्ट्स के अनुसार इस बात की संभावना कम है कि भारत ने अपने सारे प्लूटोनियम का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया हो। हो सकता है कुछ हिस्सा रिज़र्व में रखा गया हो।**

वॉशिंगटन, 10 सितंबर। भारत के परमाणु जखीरे में 190 हथियार होने का अनुमान है, जिनमें वर्तमान में निर्मित की जा रही नई मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त परमाणु हथियार भी शामिल हैं। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) ने भारत के परमाणु हथियारों पर जारी नई रिपोर्ट में यह दावा किया है। ये दावा ओपन सोर्स, सरकारी डेटा और कमर्शियल सैटेलाइट्स से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर किया गया है। वहीं, हाल ही में साल 2026 में दुनिया में परमाणु बमों की संख्या का ताजा आंकड़ा भी सामने आया है।

एफएएस के मुताबिक, भारत के पास अभी 9 परमाणु क्षमता वाले सिस्टम ऑपरेशनल हैं। इनमें 2 विमान, 6 जमीन से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और 1 समुद्र से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शामिल हैं। कम से कम 2 और सिस्टम लगभग तैयार हैं। बुधवार को एक आर्टिकल में बताया गया है कि भारत अपने परमाणु हथियार के जखीरे को आधुनिक बनाने का काम जारी रखे हुए है। हाल के वर्षों में कई नई हथियार प्रणाली तैनात की गई हैं और कई अन्य प्रणाली विकसित की जा रही हैं, ताकि परमाणु हथियार से लैस किए जा सकने वाले मौजूदा विमानों, सतह से मार करने वाली मिसाइल और समुद्र-आधारित प्रणाली को बेहतर बनाया जा सके, या उनकी जगह नई प्रणाली लाई जा सके।

इसमें कहा गया है, हमारा अनुमान है कि भारत ने 140 से लेकर 225 परमाणु हथियार तक के लिए पर्याप्त सैन्य प्लूटोनियम का उत्पादन किया होगा और 190 तक तैयार कर लिए होंगे। कई और हथियार प्रणालियों के विकास के साथ, देश के (परमाणु) हथियार जखीरे में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसमें कहा गया है, हथियार के डिजाइन चाहे जैसे भी हों, इस बात की संभावना कम है कि भारत ने अपने सारे प्लूटोनियम का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया हो। हो सकता है कि उसने कुछ हिस्सा रिजर्व में रखा हो। आर्टिकल में यह भी कहा गया है कि भारत के परमाणु हथियार के जखीरे का आकार उन लॉन्चर की संख्या और प्रकार पर भी निर्भर करता है जो उन्हें ले जा सकते हैं, क्योंकि इस बात की संभावना कम है कि वह इन प्रणालियों की क्षमता से कहीं ज्यादा परमाणु हथियार बनाएगा।

सतीश पूनिया भाजपा एसटी मोर्चा के प्रभारी बने

नई दिल्ली, 10 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सात प्रमुख मोर्चों के नए प्रभारी नियुक्त किए हैं।

महासचिव हरीश द्विवेदी को भारतीय जनता युवा मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी को भाजपा महिला मोर्चा, राष्ट्रीय महासचिव सतीश पूनिया को अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा, महासचिव संजय भाटिया को अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा तथा गजेन्द्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

भाजपा के मुताबिक, इन नियुक्तियों से संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच पार्टी की पहुंच को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

ट्रंप की घोषणा: मिडटर्म चुनाव जीते तो हर अमेरिकी को 5 हजार डॉलर देंगे

सिनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में बहुमत बनाये रखने के लिये ट्रंप ने यह घोषणा की

■ **अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट, अमेरिका के मिडटर्म इलेक्शन के बाद ही होगी।**

वॉशिंगटन, 10 सितंबर। ईरान से जंग के बीच अमेरिका में मिडटर्म इलेक्शन (मध्यावधि चुनाव) होने जा रहे हैं। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को जीत हासिल करवाने के लिए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ा ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन पार्टी को जिताने पर हर अमेरिकी वयस्क को पांच हजार डॉलर मिलेंगे, यानी भारतीय करेंसी की बात करें तो करीब 5 लाख रुपये हर अमेरिकी व्यस्क नागरिक को दिए जाएंगे। ट्रंप ने इसे ट्रंप डिविडेंड नाम दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अगर 2026 में रिपब्लिकन पार्टी सीनेट और हाउस पर अपना कब्जा बनाए रखती है, तो वे हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5000 डॉलर का डिविडेंड देंगे। ट्रंप ने कहा कि ये रकम अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दी जाएगी। ट्रंप ने डैलस में आरएनसी मिडटर्म कन्वेंशन में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बात कही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध की वजह से तेल के दाम नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मिड टर्म इलेक्शन के बाद ही कम होगी। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि ईरान चाहता है कि अमेरिका में कमजोर लोगों का ग्रुप आ जाए और उन्हें (ईरान को) अकेला छोड़ दिया जाए और उन्हें अपने परमाणु हथियार रखने दिए जाएं। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि चुनाव के कुछ ही दिन बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908